हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● सोमवार ● 11.11.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 109 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

रोटी-बेटी-माटी की पुकार, अबकी बार भाजपा सरकार : नरेन्द्र मोदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा कि झारखंड में भाजपा के पक्ष में प्रचंड आंधी चल रही है। रोटी-बेटी-माटी की पुकार, अबकी बार-भाजपा सरकार। उन्होंने कहा कि हमने झारखंड बनाया है और हम ही झारखंड को संवारेंगे। झारखंड गठन का विरोध करने वाले राज्य का विकास नहीं करेंगे। वे रविवार को बोकारो के चंदनकियारी में भाजपा की विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे।

मोदी ने कहा कि एक आंकड़ा देता हूं, जिससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। मैडम सोनिया गांधी सरकार चलाती थीं और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बैठाया गया था। तब केंद्र सरकार ने झारखंड को 10 साल में बड़ी मुश्किल से 80,000 करोड़ रुपये दिए थे। इसके 10 साल बाद दिल्ली में सरकार बदली। आप सबने केंद्र में अपने सेवक मोदी को सेवा करने का अवसर दिया। हमने पिछले 10 साल में 3,00,000 करोड़ रुपये से अधिक झारखंड को दिए। हमारा प्यार चार गुणा ज्यादा है। क्योंकि, झारखंड को हमने बनाया है। हम ही तो संवारेंगे। मोदी ने कहा कि भाजपा चाहती है कि गरीबों को पक्का घर मिले। शहरों और गांवों की सड़कें बनें। बिजली और पानी मिले। इलाज, शिक्षा, सिंचाई और दवाई की सुविधा हो लेकिन जेएमएम सरकार में पिछले पांच साल में क्या हुआ? आपकी अपनी ये सुविधाएं कांग्रेस-झामुमो के लोगों ने लूट लिया। मोदी ने कहा कि झारखंड में भाजपा-एनडीए की सरकार बनाने का आपने निर्णय कर ही लिया है। हवा का रुख साफ है। भाजपा और एनडीए की सरकार बन रही है। मैं आपसे वादा करता हूं कि इन भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, इसकी लड़ाई हम अदालत में लड़ेंगे। आपके हक का पैसा आप पर ही खर्च होगा। आपके बच्चों के भविष्य के लिए खर्च होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का बहुत सारा पैसा ऐसा होता है, जो बिना सरकार की दखल के राज्यों में खर्च नहीं हो सकता। पहले तो

उसमें से भी कट मनी चलती थी। मोदी ने कहा कि बोकारो से हवाई सेवा जल्द ही शुरू होगी। इसी तरह हाईवे, रेलवे और एयरपोर्ट के जितने काम होते हैं, उस पर केंद्र सरकार खुद पूरे पैसे खर्च करती है। झारखंड में बैठी हमारी सरकार ने लाखों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। झारखंड में 50 से ज्याद रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। इनमें सुविधाएं बढ़ाई जा रहीं हैं। बोकारो में एयरपोर्ट भी बन चुका है। मेरा तो सपना है कि जो हवाई चप्पल पहनता है, वो हवाई जहाज में जाए। सिंदरी का खाद कारखाना पहले की सरकारों की वजह से बंद हो गए थे। हमने इसे फिर से शुरू करवाया। इससे झारखंड के हजारों युवाओं को रोजगार मिला है।

कश्मीर में धारा 370 के लिए साजिश रच रही है कांग्रेस

मोदी ने कहा कि जैसे ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला, उन्होंने कश्मीर के खिलाफ अपनी साजिशें शुरू कर दीं। कुछ दिन पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में धारा 370 को बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। क्या देश इसे स्वीकार करेगा? जब भाजपा विधायकों ने पूरी ताकत से इसका विरोध किया, तो उन्हें विधानसभा से बाहर फेंक दिया गया। पूरे देश को कांग्रेस और उसके गठबंधन की सच्चाई समझनी होगी।

हरियाणा में भाजपा की सरकार ने तुरंत बिना खर्ची, बिना पर्ची युवाओं को नौकरी देना शुरू कर दिया है। यहां की सरकार तो खर्ची का मतलब पैसा, पर्ची का मतलब पैरवी समझती हैं। हमारी सरकार आई तो हम यहां भी बिना खर्ची, बिना पर्ची कल्चर को लागू करेंगे। मोदी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस ओबीसी की जातियों को आपस में लड़ाना चाहती हैं। ये चाहते हैं कि ओबीसी की छोटी-छोटी जातियां खुद को ओबीसी मानना छोड़ दें और अपनी-अपनी जातियों में उलझे रहें। क्या आप चाहते हैं कि यहां का ओबीसी समाज टूट जाए? यदि टूट गए तो आपकी आवाज कमजोर होगी या नहीं। इसलिए हमेशा यह याद रखना है कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। ओबीसी आयोग जब से बना है तब से कांग्रेस कभी लोकसभा में 250 सीटें नहीं जीत पाई है।

मोदी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

रांची : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रविवार शाम राजधानी रांची में मेगा रोड शो किया। इस दौरान मोदी की एक झलक पाने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। मोदी ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मोदी ने सवा तीन किलोमीटर लंबे रोड शो की शुरूआत रांची के ओटीसी ग्राउंड से की। उनका काफिला जैसे-जैसे ओटीसी ग्राउंड से पिस्का मोड़ और मेट्रो गली से होते हुए रातू रोड की तरफ बढ़ा, लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कई जगहों पर फूल की वर्षा की गई।

अबकी बार-भाजपा सरकार के नारे भी लगे। रोड शो के दौरान मोदी हाथ में कमल का निशान लिए हुए थे और आम लोगों को चुनाव चिह्न दिखाते हुए मतदान की अपील भी कर रहे थे। रातू रोड चौराहे पर पहुंच कर मोदी का रोड शो समाप्त हुआ। रोड शो के दौरान मोदी के वाहन पर बारी-बारी से हटिया, रांची, खिजरी और कांके विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा के प्रत्याशियों को भी जगह मिली। रोड शो में भारी भीड़ जुटी और लोग मोदी की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे। मोदी खुले वाहन में सवार होकर मेगा रोड शो के लिए निकले थे। उनके साथ रांची से भाजपा प्रत्याशी सीपी सिंह, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ समेत कई भाजपा नेता मौजूद थे। रोड शो के दौरान सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों ने मोदी-मोदी के नारे भी लगाए और हाथ हिलाकर उनका स्वागत किया। मोदी के रोड शो के दौरान भाजपा समर्थक सड़क के दोनों ओर पार्टी का झंडा लेकर खड़े रहे। घरों की छतों पर भी खड़े होकर लोगों ने मोदी का अभिवादन किया।

एक नजर

लगातार दो पंचायत भवनों को चोरों ने बनाया निशाना

कटकमसांडी : कटकमसाडी प्रखंड क्षेत्र के ओ पी पेलावल थाना क्षेत्र के गदोखर पंचायत भवन में रात को ताला तोड़कर पंचायत भवन में लगे इनवर्टर सही दो बैटरी हमें एक एलसीडी, डीवीआर, और हार्ड डिस्क को चोरी कर लिया है। इसको लेकर पंचायत के मुखिया नारायण साव एवं सचिव ज्योति कुमारी ने ओ पी पेलावल थाना में आवेदन दिया है।ओ पी पेलावल थाना क्षेत्र में लगातार चोरों ने पंचायत भवन को अपना निशाना बनाया है। वही कटकमसाडी प्रखंड क्षेत्र के दो ऐसे पंचायत है जहां कंचनपुर पंचायत भवन, और गदोखर पंचायत भवन में चोरों ने दो बार घटना का अंजाम दिया है,। कटकमसाडी और ओ पी पेलावल थाना क्षेत्र के लुपूंग पंचायत भवन,खुटरा पंचायत भवन,पबरा पंचायत भवन में भी पुर्व में चोरी हो गया है। बताते चले कि प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत भवन में लाखों रूपया कि लगता से सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है लेकिन अभी तक एक भी पंचायत भवन में चोरी का मामला उद्भेदन नहीं हो सका है। पंचायत भवन में सीसीटीवी कैमरा काफी उच्च क्वालिटी लगाया गया है। लेकिन एक भी पंचायत भवन में लगे सीसीटीवी कैमरा कि सहायता से चोरों पुलिस के पकड़ से बाहर है। लगातार पंचायत भवन में चोरी कि घटना से चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

झारखंड घुसपैठियों का बना सेफ जोन, रोटी-बेटी-माटी सुरक्षित नहीं : मनोज तिवारी

चतरा : भाजपा नेता व मशहूर गायक मनोज तिवारी ने रविवार को चतरा जिले के टंडवा प्रखंड मुख्यालय में चुनावी सभा की। उन्होंने सिमरिया विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कुमार उज्जवल के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार में झारखंड घुसपैठियों का सेफ जोन बन गया है। झारखंड में रोटी-बेटी-माटी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर है। तिवारी ने कहा कि राज्य में यदि भाजपा की सरकार बनी तो राज्य में घुसपैठ कर अवैध कब्जा जमाए लोगों को खदेड़ने का काम करेंगे। भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी बहू-बेटियों पर अत्याचार करने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों को सरकार पनाह दे रही है। झारखंड में कुछ लोग जिन्हें हेमंत का समर्थन प्राप्त है वे कहते हैं कि हिन्दुओं भारत छोड़ो और आदिवासी भारत छोड़ो, यह बर्दाश्त करने वाली चीज नहीं है। साथ ही कहा कि भाजपा ने कश्मीर से धारा 370 हटाने, राम मंदिर बनाने एवं तीन तलाक का वादा पूरा किया। तिवारी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनते हैं महीने के 11 तारीख को महिलाओं के खाते में 21 सौ रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। ग्रेजुएट युवाओं को कैरियर बनाने के लिए दो वर्षो तक दो-दो हजार रुपये सहायता राशि मिलेगी। पांच सौ में एलपीजी गैस व साल में दो एलपीजी गैस फ्री देने का भाजपा ने प्रण लिया है। उन्होंने कहा कि कोई कुछ की कहे लेकिन बंटना नहीं है। क्योंकि, बंटेंगे तो नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस ने महिलाओं को एक-एक हजार रुपये देने का वादा किया था लेकिन वहां की महिलाओं को कांग्रेस ने ठगने का काम किया। तिवारी ने कहा कि हेमंत सरकार के राज में बालू, कोयला और पत्थर की लूट मची हुई है। आम गरीबों को छह सौ रुपये ट्रॉली मिलने वाला बालू छह-सात हजार रुपये में मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो गरीबों को घर बनाने के लिए फ्री में बालू देने का काम करेंगे। साथ ही कहा कि हेमंत की सरकार जाति और धर्म को देखकर न्याय करती है।

कल्पना सोरेन ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना मुन्ना सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग विधानसभा सीट में कांटे का मुकाबला कांग्रेस और भाजपा में दिख रहा है। यह सीट सुर्खियों में है। स्टार प्रचारकों का आने का दौर खूब चल रहा है। इसी क्रम में कांग्रेस उम्मीदवार मुन्ना सिंह के पक्ष में मतदान अपील करने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्टार प्राचारक कल्पना सोरेन ने गांधी मैदान में हुंकार भरते हुए केंद्र सरकार पर जम कर निशाना साधा। तो हेमंत सरकार की उपलब्धि को भी लोगों को बताया। हजारीबाग के गांधी मैदान में महागठबंधन की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन ने चुनाव सभा को संबोधित किया। भाषण को सुनने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। कल्पना सोरेन झारखंडी जौहर से अपना भाषण शुरू किया। इन्होंने कहा कि यहां की जनता सजग और जिम्मेवार है। 5 साल सरकार ने सफलता के साथ पूरा किया है। जिसमें कोरोना काल भी शामिल है। 5 महीने तक झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेवजह जेल में डाला गया। यही कारण है कि विकास की गति थोड़ी धीमी पड़ी। लेकिन झारखंड मंत्रियों ने इस दौरान खुब मेहनत किया। कई कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतारी गई ।जिसमें अबुआ आवास योजना, छात्राओं के लिए सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, और सरकार के अंतिम कार्यकाल के दौरान मइंया सम्मान योजना शामिल है। जिसमें महिलाओं को 2500 रुपया मासिक दिया जाएगा। कल्पना सोरेन ने अपने भाषण के दौरान कोविड काल की चर्चा करते हुए कहा कि प्रवासी मजदूरों को घर लाने का काम इसी सरकार ने किया है। डबल इंजन की सरकार ने पुरानी पेंशन योजना बंद कर दी। आवास योजना की राशि भाजपा शासित राज्यों को दे दिया। 11 लाख नाम राशन कार्ड से कटवा दिया गया । समझा जा सकता है कि केंद्र की सरकार गरीबों के खिलाफ है।भाजपा की सरकार ने 27% आरक्षण को घटाकर 14% कर दिया। राज्य सरकार ने आरक्षण विधानसभा से पास किया तो ठंडा बस्ता में केंद्र सरकार ने डाल दिया। केंद्र की भाजपा सरकार पिछड़ा- आदिवासी विरोधी है। यही नहीं सरना कोड भी लागू नहीं होने दिया गया। गृह मंत्री ने सरना कोड का जिक्र अपने भाषण के दौरान नहीं करते है। चुनाव के समय ही आदिवासी पिछड़ा और दलित की याद भाजपा के नेताओं को आता है। मणिपुर में आदिवासी बेटी के साथ गंदी हरकत की गई। छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज को हटाने के लिए उनके जमीन लूट लिया सरकार धन कुबेर की सरकार है। इनके पास किसान को पैसा देने के लिए नहीं है, उद्योगपतियों के ऋण माफ कर रही है। 1 लाख 36 हजार करोड़ रूपया जो झारखंड की अमानत है उसे केंद्र अपने पास रखी हुई है। भाजपा समाज को बांटने की काम कर रही है।

जीत के बाद पेयजल समस्या को दूंगा प्राथमिकता : अरुण साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : बरही विधानसभा में मतदान में सिर्फ दो दिन ही शेष बचे हैं। सभी प्रत्याशी जनता का आशीर्वाद लेने में लगे हुए। पर युवा प्रत्याशी अरुण साहू का पूरे विधानसभा में एक अलग ही क्रेज है, युवाओं में एक अलग ही उत्साह है। अरुण साहू का लगातार जनसंपर्क से कांग्रेस अपनी जीत के दहलीज पर पहुंचते हुए दिख रही है। जनसंपर्क के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू ने कहा कि बरही की जनता ने दोनों जनप्रतिनिधियों को छः बार विधायक बनाया। फिर भी बरही की जनता की मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई है। दशकों से विधानसभा के लोगों को पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। जब उनके पिताजी ने बरही के विकास को गति देने का कार्य शुरू किया तो उनकी हत्या करा दी गई। बरही विधानसभा के विकास के लिए वह अपने पिता की सोच और संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे। उनकी जीत सुनिश्चित हुई तो विधानसभा के पहले सत्र में ही बरही वासियों की पेयजल समस्या को विधानसभा में उठाएंगे। तिलैया जलाशय से सिंचाई की व्यवस्था कराएंगे। सुदूरवर्ती इलाकों में विकास को गति देने का काम करेंगे। बेटा बनकर बरही वासियों का सेवा करेंगे।

बड़कागांव में भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवार के जुवानी जंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधानसभा बेहद रोमांचक मोड़ पर आ पहुंचा है। उम्मीदवारों का जुमानी जंग खूब चल रहा है। भारतीय जनता पार्टी से राशन लाल चौधरी ने अंबा प्रसाद पर आरोप लगाया कि उन्होंने क्षेत्र को बर्बाद कर दिया तो दूसरी ओर कांग्रेस उम्मीदवार अंबा प्रसाद का कहना है कि एक बार भी झांकने तक नहीं पहुंचते हैं रोशन लाल चौधरी बड़कागांव विधानसभा बेहद दिलचस्प मोड़ पर आ पहुंचा है। यहां आर पार की लड़ाई चल रही है। कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने है। इस दौरान खूब जुबानी जंग भी चल रही है। अंबा प्रसाद ने उम्मीदवार रोशन लाल चौधरी पर आरोप लगाया है कि 70 हजार वोट लेने के बावजूद वो एक बार भी क्षेत्र का भ्रमण नहीं करते हैं। ना ही सुख दुख के साथी बन पाए हैं। 5 साल में एक बार वोट मांगने के लिए पहुंच जाते हैं। यही कारण है कि दो बार वह हार चुके हैं। तो दूसरी ओर रोशन लाल चौधरी का कहना है कि अंबा प्रसाद पूरे क्षेत्र को बर्बाद कर दी है। एक ही परिवार से तीन विधायक तीन बार से बनते आ रहे हैं और क्षेत्र का विकास नहीं हो पाया है। अंबा प्रसाद का यह भी कहना है कि रोशन लाल चौधरी विस्थापन और कंपनी के खिलाफ लड़ाई की बात करते हैं। लेकिन आज तक एक केस भी उनके ऊपर नहीं हुआ है। जो यह बताता है कि वह ना ही विस्थापन के खिलाफ लड़े हैं और ना ही कंपनी के खिलाफ। दूसरी ओर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल भी इस चुनावी जंग में रोशन लाल चौधरी के साथ खड़े हैं। उन्होंने अंबा प्रसाद के ऊपर कटाक्ष करते हुए कहा कि महुदी में रामनवमी जुलूस पर रोक है लेकिन जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्होंने कभी भी जुलूस निकालने की पहल नहीं की और वोट मांगने को समय भगवान राम दिखते हैं। बड़कागांव भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रतिष्ठा वाली सीट बन गई है। बहरहाल यहां जवानी जंग भी खूब चल रही है। वोटर जुमानी जंग का विश्लेषण करते हुए 13 नवंबर को मतदान करेंगे। यह देखने वाली बात होगी बड़का गांव में क्या पंजा चौथी बार कमाल दिखाएगा या फिर कमल खिलेगा।

रामगढ़ के हर बूथ पर लेनी होगी लीड, तब होगी शानदार जीत : गुलाम अहमद मीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ विधानसभा सीट इंडिया गठबंधन के लिए कितना महत्वपूर्ण है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश प्रभारी और कांग्रेस के राजनीतिज्ञ गुलाम अहमद मीर यहां कैंप कर रहे हैं। उन्होंने रविवार को रजरप्पा-गोला मार्ग पर स्थित आरके इंटरनेशनल रिसोर्ट में कार्यकताओं के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान मीर ने रामगढ़ विधानसभा के सभी नेताओं और कार्यकताओं को बुलाया और जीत का गुरु मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा में 406 बूथ हैं और हमारे सक्रिय कार्यकताओं की संख्या 500 है। यदि हर व्यक्ति अपने बूथ पर लीड हासिल कर लें, तो हमारी शानदार जीत होगी। इस दौरान पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी को मिले वोटों की समीक्षा की गई। गुलाम अहमद मीर ने कहा कि झारखंड और रामगढ़ का चुनाव काफी महत्वपूर्ण है। सभी कार्यकर्ता अपने गांव, पंचायत, बूथ स्तर पर पूरी मजबूती से अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करें। महागठबंधन के पास मजबूत एजेंडा है और मुख्यमंत्री का चेहरा भी साफ है। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि आज देश में कांग्रेस पार्टी सभी के लिए लड़ाई लड़ रही है। देश को लूटने के लिए भाजपा नफरत फैला रही है। इसी के खिलाफ हमारे नेता राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक न्याय यात्रा कर लोगों को जोड़ने का काम किया। झारखंड की खनीज संपदाओं पर भी भाजपा की नजर है, जिसे लूटने के लिए सत्ता हासिल करने हेतु लोगों से झूठे वादे कर रही है। झारखंड के लोग पैसे से बिकने वाले नहीं है। सभी कार्यकर्ता हमारी सात गारंटी को लेकर घर-घर जाएं और कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में वोट दिलाने का काम करें।

कई समाज के लोगों ने निर्दलीय बटेश्वर मेहता को दिया समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बरकट्ठा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता को कई समाज के लोगों ने बैठक कर समर्थन का घोषणा किया है। झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ प्रखंड कमेटी ने परासी मैदान में बैठक कर समर्थन की घोषणा की। इसके अलावा नाई और राणा समाज के लोगों ने भी बटेश्वर प्रसाद नेता के पक्ष में मतदान का ऐलान किया है। सबों ने एकस्वर में कहा कि इस बार बटेश्वर मेहता को वोट देकर चाचा भतीजा को चोट देंगे। समर्थन करने वालों ने अर्जुन प्रजापति, गणेश प्रजापति, अखिलेश प्रजापति, रामलाल प्रजापति, उमेश प्रजापति, कृष्ण प्रजापति, बालेश्वर प्रजापति, संजय प्रजापति, तेजनारायण प्रजापति, राणा समाज के कमलेश राणा, अजय राणा, रमेश राणा, विकास राणा, मुकेश राणा, परमेश्वर राणा, भारत, अशोक, मनोज, संतोष ठाकुर, दिलीप ठाकुर आदि शामिल हैं।

12 नवंबर को पोलिंग पार्टियां होंगी रवाना, तैयारियां पूरी : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर शांतिपूर्ण, सुगम व पारदर्शी मतदान के सफल संचालन के लिए आज रविवार को नगर भवन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी नैंसी सहाय की निदेशानुसार सेक्टर मजिस्ट्रेट, सेक्टर पुलिस मजिस्ट्रेट एवं माइक्रो आब्जर्वर को मतदान से पूर्व मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान मतदान कर्मियों को त्रुटिरहित मतदान के सभी आवश्यक अवयवों से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि चार प्रमुख बिंदुओ पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है वे बिंदु है घटना रहित मतदान यानी कहीं भी कोई विधि व्यवस्था से संबंधित घटना न हो तथा भयमुक्त वातावरण में मतदान और स्पीड वोटिंग (वोटिंग प्रक्रिया के दौरान लगने वाले समय का बेहतर प्रबंधन) इन सभी बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने से मतदान को बेहतर तरीके से संपन्न कराने में कामयाब हो सकेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारीयों के भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताते हुए बेहतर कॉर्डिनेशन के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि बरकट्ठा, बरही एवं हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में मतदान 13 नवंबर को है इसलिए पोलिंग पार्टियां 12 नवंबर को अपने अपने निर्धारित मतदान के केन्द्रों पर रवाना होगी। मतदान कर्मियों को ईवीएम व सामग्री ग्रहण करने के लिए दो केंद्र बनाएं गए है। 21 बरही, 20 बरकट्ठा व 25 हजारीबाग के मतदान कर्मियों के लिए विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से पोलिंग पार्टियां सुबह डिस्पैच होंगे। इन दोनों केंद्रो में पाटीर्वार सेंटर बनाए गए है एवं बूथवार सामग्रियों का संधारण किया गया है। मतदान कर्मी ईवीएम और चुनावी सामग्री को प्राप्त कर संबंधित दोनों केंद्रो में बने वाहन कोषांग से वाहन के साथ रवाना होंगे। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट व पुलिस मजिस्ट्रेट मतदान कर्मियों के वाहन को स्कॉट करते हुए गंतव्य तक जायेंगे। दोनों वाहन आपसी तालमेल के साथ निकलेंगे,कोई भी ढुलमुल रवैया बर्दास्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी वाहनों में जीपीएस नेविगेशन सिस्टम लगें है ताकि वाहनों की वर्तमान स्थिति की जानकारी मिलती रहें। चुनावी कार्य एक महत्त्वपूर्ण और जिम्मेवारी वाला कार्य है इसलिए अतिरिक्त सतर्कता, समयबद्धता और संवेदलशीलता से कार्य करने का निर्देश दिया। पोलिंग पार्टियां मतदान के दिन समय से पूर्व पहुंचकर पोलिंग एजेंट के समक्ष मॉक पोल कर अभ्यस्त हो लेंगे। उन्होंने मतदान कर्मियों को मतदान के दौरान किसी भी परिस्थिति में पैनिक नहीं करने को कहा, साथ ही उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस मजिस्ट्रेट को मतदान दिवस के दिन बूथ पर नियमित निगरानी व निरीक्षण करते रहने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि मतदान के शुरूआती समय में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है किसी भी प्रकार की दिक्कत पर तत्काल अपने वरीय अधिकारियों को सूचना दें। मतदान समापन का समय 5 बजे अपराह्व निर्धारित है लेकिन वैसे मतदाता जो मतदान केंद्र में 5 बजे से पहले प्रवेश कर गए उन्हें उनके मतदान करने तक कार्य किए जायेंगे। आगे उन्होंने कहा कि मतदान की पूरी प्रक्रिया संपन्न होने के बाद सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस मजिस्ट्रेट वापस मतदान कर्मियों को पोल्ड ईवीएम के साथ अपने रिसीविंग सेंटर में सुरक्षित वापस लाएंगे अगर वापसी के क्रम में वाहन खराब हो जाते हैं तो अपने अधिकारियों को तत्काल इसकी सूचना दें ।

संक्षिप्त खबरें

निर्दलीय प्रत्याशी हर्ष अजमेरा का परिवार बना स्टार प्रचारक, समर्थन के लिए झोंकी पूरी ताकत

हजारीबाग : आगामी चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी हर्ष अजमेरा क्रमांक संख्या 23, छड़ी छाप ने जनता का विश्वास जीतने के लिए अपने पूरे परिवार और मित्र प्रचार में लगे हुए हैं। यह चुनाव अब केवल एक व्यक्ति का नहीं रहा, इस चुनाव को पूरा सदर विधानसभा क्षेत्र की जनता जनार्दन लड़ रही है हर कोई हर्ष अजमेरा का साथ और सहयोग कर रहा है इस बीच हर्ष अजमेरा का परिवार और निकट मित्रगण भी इस मुहिम का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। हर कोई क्षेत्र में घर-घर जाकर, हर्ष अजमेरा के लिए समर्थन जुटाने में पूरी निष्ठा के साथ काम कर रहा है। हर्ष अजमेरा के चुनावी अभियान में उनका पूरा परिवार एकजुट होकर लोगों से जुड़ रहा है। स्टार प्रचारकों में शामिल हैं हर्ष के पिता सुनील जैन, जो अपने अनुभव और मार्गदर्शन से जन-जन को समझा रहे हैं कि किस तरह हर्ष के नेतृत्व से क्षेत्र में विकास की नई राह खुल सकती है। उनके साथ, उनकी धर्मपत्नी प्रीति जैन अजमेरा, जो महिलाओं के बीच जाकर अपने अनुभव साझा कर रही हैं और क्षेत्र में महिलाओं के लिए किए जाने वाले कार्यों को बता रही है। इसके अलावा, उनके मामा चंद्र प्रकाश जैन और मामी लता जैन, जो बुजुर्गों के बीच जाकर उनके मसलों पर चर्चा कर रहे हैं और बता रहे हैं कि हर्ष अजमेरा का उद्देश्य क्षेत्र के प्रत्येक वर्ग की समस्याओं को सुलझाना है। हर्ष के भाइयों और मित्रों का समूह भी इस अभियान में पूरे जोश के साथ लगा हुआ है, जो युवाओं के बीच जाकर हर्ष के संकल्प पत्र की विशेषताओं को साझा कर रहे हैं और युवाओं के हितों की सुरक्षा की बात कर रहे हैं। हर्ष अजमेरा के संकल्प पत्र में कुछ प्रमुख वादे शामिल किए गए हैं जिनसे सभी वर्गों का कल्याण हो सके गा। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों और किसानों के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई हैं। उनका उद्देश्य क्षेत्र को विकास के नए आयामों तक ले जाना और सभी को समान रूप से लाभ पहुंचाना है।

बड़कागांव में आस्था के साथ इतवारी छठ मनाया गया

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत में रविवार को इतवारी छठ पूजा की गई। बड़कागांव प्रखंड की सूर्य मंदिर छठ घाट, पीपल नदी छठ घाट, झरीवा नदी छठ घाट, गुरु चट्टी के छवनिया नदी छठ घाट, कांडतरी नदी छठ घाट, सांढ के शिवाडीह नदी छठ घाट, बादम के हहारो नदी छठ घाट, हरली छठ तालाब, महुगाई खुर्द छठ तालाब, नापोखुर्द के बरवानिया छठ तालाब घाट, चंदौल नदी के छठ घाट गोंदल पूरा नदी छठ घाट में छठ व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य देने के लिए पहुंचे। जल में घंटों खडे.रहकर सूर्य की आराधना की एवं डूबते सूर्य की लालिमा देख अर्ध्य अर्पित किया। इसके बाद विधिवत पूजा अर्चना कर इतवार छठ का समापन किया। उक्त इतवार छठ का महत्व भी छठ महापर्व के सामान ही है। कहा जाता है कि जो महिला छठ महापर्व की हैं वो प्रथम इतवार को भी 24 घंटे का उपवास रखकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्ध्य देती हैं ।उनकी मन्नत पूरी होती है। इससे पूर्व विधि विधान से व्रती नहाती खाती हैं खरना भी करती हैं तथा प्रत्येक कार्य छठ महापर्व के जैसे ही किया जाता है। कहा जाता है कि इतवार छठ करने से व्रती को धन, वंश, वैभव सुख व स्मृद्धि आदि की प्राप्ति होती है।

मोहम्मद हसन ने डोर टू डोर जनसंपर्क कर लोगों से मांगा समर्थन

बड़कागांव : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से आजाद अधिकार सेना पार्टी प्रत्याशी मो. हसन अपने समर्थकों के साथ घुटवा, पीरी, मेसमोहना, बरकाकाना, डुरगी, हेहल, चेनगड्डा, महुआटोला, में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने वोटरों से अपने पक्ष में वोट देने की अपील किया। मो.हसन ने लोगों से डोर टू डोर मिले और लोगों से कहा कि महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार विस्थापित प्रभावित एवं पुनर्वास के सवालों पर मै जनता के सभी समस्याओं का समाधान करने का कार्य करूंगा। मौके पर जगदीश राम, ललन तुरी, गुलबहार अंसारी, पिंकी देवी, श्वेता देवी, आरती देवी इत्यादि शामिल थे।

बड़कागांव सीट पर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने

रामगढ़ : बड़कागांव विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को मतदान होने हैं। सभी प्रत्याशी पूरी ताकत के साथ जनता के बीच मौजूद हैं। यदि कड़ी टक्कर देखी जाए तो भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही थी कि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के उम्मीदवार बालेश्वर कुमार की तरफ भी जनता का रुझान बड़े पैमाने पर आएगा लेकिन अभी तक ऐसा करिश्मा जेएलकेएम नहीं कर पाई है। चुनाव प्रचार के आखिरी वक्त में टाइगर जयराम महतो ने भी इस क्षेत्र की जनता के समक्ष उन्हें समर्थन देने की अपील की। इसके लिए उन्होंने बकायदा पैदल और बाइक रैली निकाली। बड़कागांव से लेकर उरीमारी, पतरातु, भुरकुंडा और बरकाकाना तक रैली निकाल कर जनता से आशीर्वाद मांगा। अब मतदान के आखिरी समय में जनता ने भी लगभग लगभग अपना नजरिया तय कर लिया है। बड़कागांव विधानसभा में देखा जाए तो भाजपा के उम्मीदवार रोशन लाल चौधरी और कांग्रेस उम्मीदवार अंबा प्रसाद के बीच सीधी टक्कर होगी। भाजपा जहां भ्रष्टाचार और बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर बड़कागांव विधानसभा सीट जीतने की उम्मीद रख रही है, वहीं कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने विकास के दावे और किए गए कार्यों के आधार पर जनता से वोट मांग रही है। कांग्रेस की उम्मीदवार अंबा प्रसाद का परिवार पिछले 15 वर्षों से इस क्षेत्र में अपना वर्चस्व बनाए रखने में कामयाब रहा है। उस परिवार को शिकस्त देकर इस बार भाजपा किसी भी कीमत पर इस सीट को जितना चाह रही है। दोनों ही पार्टियों के मुद्दे पर जनता अपना विचार बना रही है। एक तरफ झामुमो सरकार के द्वारा किए गए कार्यों का आंकलन हो रहा है तो दूसरी तरफ भाजपा द्वारा जारी किए गए चुनावी वादों पर भी लोग मंतव्य दे रहे हैं।

एक नजर

तीन भालुओं ने महिला को किया घायल, रिम्स रेफर

रांची : लापुंग थाना क्षेत्र के दोलैचा करंज टोली में तीन भालूओं ने 56 वर्षीय सुकरो मुंडाईन को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सुबह 5:35 बजे की है। भालूओं ने महिला पर उसके के घर से 50 कदम दूरी पर हमला किया गया। अचानक हुए हमले से महिला को संभलने का मौका नहीं मिला। भालूओं ने महिला के शरीर को पूरी तरह से जख्म कर दिया है। उनका बाल, सिर, पीठ, पेट और कंधे पर हमला किया गया। इससे महिला पूरी तरह से खून से लथपथ हो गई। घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो में प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

मुक्ति संस्था ने 51 शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची : मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 51 अज्ञात शवों का पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। मुक्ति संस्था के सदस्य रिम्स के मोर्चरी गृह से शवों को निकालकर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि मुक्ति संस्था द्वारा अबतक कुल 1883 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया।

आज आएंगे योगी

रांची : यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 नवंबर को नगरउटारी, हुसैनाबाद, पांकी और डाल्टनगंज में करेंगे जनसभा। 11 नवंबर की सुबह 10:30 बजे से गढ़वा जिले के नगरउटारी स्थित गोसाईबाग मैदान, बंशीधर नगर में जनसभा को संबोधित करेंगे। उसके बाद पलामू जिले के हुसैनाबाद स्थित सबडिवीजन ग्राउंड में दोपहर 11:30 बजे से आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे।

खिजरी से राजेश कच्छप को विजयी बनायें, फिर से हम गठबंधन सरकार बनायेंगे : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : खिजरी विधानसभा क्षेत्र से गठबंधन समर्पित कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी राजेश कच्छप के पक्ष में नामकुम प्रखण्ड के भुसूर मैदान, लालखटंगा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपके घर के प्रत्याशी राजेश कच्छप को भारी मतों से विजय बनावें और फिर से हमारी गठबंधन सरकार बनायेंगे। आगे उन्होंने कहा कि आपके वर्तमान विधायक राजेश कच्छप जी को सोनिया गांधी, राहुल गांधी, झारखण्ड के दिशूम गुरु शिबू सोरेन, लालू यादव ने आशिर्वाद मिला है। हमने बिजली का बिल 200 यूनिट माफ किया और 24 घंटे बिजली की सुविधा उपलब्ध कराया। हमारी गठबंधन सरकार बनते ही देश में कोरोना काल आया और देश के प्रधानमंत्री ने बिना कोई सूचना दिये लाकडाउन लगा दिया। कोरोना काल में हमने हवाई चप्पल पहनने वाले को हवाई जहाज से घर लाने का काम किया। देश के बीजेपी सरकार ने अचानक नोट बंदी कर देश बर्बाद कर दिया। इन्होंने गो-गो दीदी योजना लाया है। ये योजना कैसे देगा ना ये सरकार में है ना सरकार बनायेगी। इन्होंने 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा कर रहा है। ये योजना कैसे देगा क्या इन्होंने अपने राज्य असम, गुजरात, बिहार में दे रहा है कहीं नहीं दे रहा है और झारखण्ड में देने का घोषणा कर चल रहा है। हमारे झारखण्ड में असम के मुख्यमंत्री घुम रहे हैं और हमारे चुनी हुई गठबंधन सरकार को गिराने का ठिक्का ले रखा है। मणिपुर में चिर हरण हो रही है लेकिन इनके प्रधानमंत्री चुप बैठे हुए हैं। ये लोग दलितों को मुंह में पेशाब करवाता है और बाद में शुद्ध करवाता है। हमने राज्य के महिलाओं को खुशहाली के लिए मंईया सम्मान योजना जैसी लाभकारी योजना लाया कर दे रहे हैं। फिर से राजेश कच्छप को खिजरी विधानसभा से जीताकर भेजिए और फिर से हमारी सरकार बनायेंगे और एक-एक लाख रूपए देने का काम करेंगे। हमारी सरकार 1,000 से बढ़ाकर 2,500 देगी। खिजरी विधायक और कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी राजेश कच्छप ने कहा कि हमें हाथ छाप पर वोट देकर खिजरी का इतिहास दोहरायेंगे। आज इस चुनावी सभा में भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। मौके पर झामुमो के जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम, सतीश पंडा, नरेश भरद्वाज, झारखण्ड आन्दोलन कारी ललीत कुमार महतो, विजय टोप्पो, रमेश पाण्डेय, महादेव मुण्डा, माधो कच्छप, सिलाश टुटी, मेरी तिर्की, बिरू साहू, मंटू लाला, नन्हे कच्छप, चामु बेक, रंजन यादव, जीता कच्छप, अनु बेक, राजु कच्छप, नीतू देवी, अशफाक आलम, महादेव मुण्डा, संजय सारिया, धरमु नायक, कल्याण लिण्डा, रंजीत बडाईक, मंगरा कच्छप, अरुण गोप, नरेश कच्छप, सुकरा उरांव एवं हजारों के संख्या में उपस्थित थे।

प्रथम चरण के चुनाव के भोंपू सोमवार शाम हो जाएंगे बंद : के रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि प्रथम चरण के चुनाव प्रचार का कार्य सोमवार को थम जाएगा। जहां शाम पांच बजे तक मतदान होना है, वहां के लिए शाम पांच बजे और जहां शाम चार बजे तक मतदान का समय है वहां चार बजे थम जाएगा। कुमार रविवार को धुर्वा स्थित निर्वाचन सदन में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार की समाप्ति के साथ चुनाव कार्य को लेकर वहां गये (जो वहां के वोटर नहीं हैं) राजनीतिक लोगों को वहां से चले जाना होगा। ऐसे लोगों को कैंपेन की अवधि समाप्ति के बाद पकड़े जाने पर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी। सोमवार को पांच जिले पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, लोहरदगा, गुमला और गढ़वा में हेलीड्रापिंग के माध्यम से 225 बूथों पर चुनाव कर्मियों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन प्रत्याशियों के द्वारा मतदान केंद्रों पर अपना कैंप लगाया जाता है, जिसकी पूवार्नुमति सक्षम पदाधिकारी से लेना अनिवार्य होता है। कैंप मतदान केंद्र की 200 मीटर की परिधि के बाहर होना चाहिए। धार्मिक स्थल या अतिक्रमित स्थान पर कैंप नहीं लगाया जा सकता। उस कैंप में प्रत्याशी से जुड़ा झंडा-बैनर, सिंबल, फोटो आदि लगाने पर भी पाबंदी रहेगी। प्रत्याशी कैंप में सिर्फ एक टेबुल और दो कुर्सी रख सकते हैं। वहां खान-पान भी प्रतिबंधित होगा। साथ ही मतदान के बाद कैंप में वापस आने पर भी रोक होती है। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से अपील करते हुए कहा कि वे निर्वाचन आयोग के नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगे।

झारखंड के जख्मों को कुरेदने का काम कर रहे हैं मोदी : सुखदेव भगत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर झारखंड की उपेक्षा और आदिवासी समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने पीएम को जुमलों का बाजीगर कहते हुए कहा कि मोदी जब झारखंड की बात करते हैं, तो राज्य के लोगों के जख्मों को कुरेदने का काम करते हैं। भगत ने कहा कि जब इंडिया गठबंधन रोटी की बात करता है, तो मोदी बेटी और गाय के मुद्दे उठाकर ध्रुवीकरण का प्रयास करते हैं। सांसद भगत ने मणिपुर में महिलाओं पर अत्याचार का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदन में इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा तक नहीं कराई और मणिपुर में जाकर स्थिति का जायजा लेने की भी आवश्यकता नहीं समझी। साथ ही भगत ने झारखंड की सामुदायिक भूमि को उद्योगपतियों को देने की भाजपा सरकार की कोशिशों का विरोध करते हुए कहा कि सीएनटी और एसपीटी कानूनों के बावजूद भाजपा ने इन जमीनों को लैंड बैंक में शामिल करने का प्रयास किया। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी भगत ने पीएम मोदी पर निशाना साधा।

संक्षिप्त खबरें

हटिया में इस बार बदलाव करें : अजय नाथ

रांची: हटिया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अजय नाथ शाहदेव ने रविवार को जनसंपर्क के दौरान कहा कि लोकप्रिय हेमंत सरकार ने आम जनता को अनेक योजनाओं के साथ काफी राहत दिया है। हटिया की जनता भी इस बार हटिया में बदलाव चाहती है और दोबारा गठबंधन की सरकार चाहती है। लंबे समय से हटिया विधानसभा क्षेत्र बदहाल है। लोग समस्याओं से त्रस्त होकर त्राहिमाम कर रहे हैं। इस बार जुमलेबाजी के चक्कर में न पड़ें और कांग्रेस के पक्ष में वोट करें और इंडिया गठबंधन की सरकार दोबारा बनाएं। उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ी पहल है। अगले महीने यानी कि दिसंबर से यह राशि 2500 होने जा रही है। 200 यूनिट फ्री बिजली से लोगों को महंगाई में काफी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि आप सब किसी के जुमले और झांसा में न फंसिएगा नहीं तो हेमंत सरकार के सारे लोकप्रिय और जनप्रिय योजना को खत्म कर दिया जाएगा। यहां बहुत सारे बहुरुपिए घूम रहे हैं, जो न जाने कहां-कहां से आएं और यहां हवाबाजी कर रहे हैं। आप सब मतदाताओं से अनुरोध है कि वोट का चोट देकर हटिया में बदलाव करें। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके एक एक वोट पर मैं खरा उतरुंगा। अजय नाथ शहदेव ने रविवार को बनहोरा, बड़ा घाघरा,कुसई, डोरंडा, नेपाल हाउस, कडरू न्यू एजी कालोनी, हरमू, विद्यानगर, गंगानगर, यमुनानगर और हेसल में पदयात्रा और बैठक कर लोगों से जनसंपर्क किया। उनके साथ काफी संख्या में युवा कार्यकर्ता, समर्थक और गठबंधन दलों के साथी उपस्थित थे।

संत पॉल्स कथिड्रल चर्च में 61वें आनंद मेला का शुभारंभ, लगाये गये झारखंडी व्यंजनों के स्टॉल

रांची: बहुबाजार स्थित संतपॉल्स कथिड्रल चर्च में 61वें आनंद मेला का आयोजन किया गया। पुरोहित डेविड की अगुवाई में परमेश्वर अराधना की गयी। इसके बाद रेड रीबन काटकर द्वीप प्रज्वलित और गुब्बारा उड़ाकर मेला का शुभारंभ किया गया। मेला में एक सौ स्टॉल लगाया गया, इसे तीन कैटेगरी में बांटा गया। मेले में झारखंडी व्यंजन मड़ुवा लड्डू, पिट्ठा, छिलका रोटी स्टॉल में लगाया गया है। प्रत्येक मंडली से दो-दो सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सरकारी अधिकारी दीपक कच्छप शामिल हुए। उन्होंने लोगों को संदेश देते हुए कहा कि मसीही जीवन के कारण ही परमेश्वर की स्तुति करते हैं। विनती करते हैं। इससे परिवार में संगती बनी रहती है। विशिष्ट अतिथि बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल के प्रिंसिपल जे एडविन और अर्चना कच्छप ने कहा कि मेला का आयोजन करने से सभी मसीही एक स्थान पर मिलते हैं। एक दूसरे से बातचीत करते हैं। एक दूसरे से संगती बनाये रखते हैं। सभी मसीही एक साथ टीम वर्क के रूप में काम करते हैं। मौके पर पुरोहित एस भुईया,रेव्ह सलायन पूर्ति,रेव्ह निस्तार कुजूर, रेव्ह जोहन भेंगरा, रेव्ह आशिष मुंडा, रेव्ह सामुएल तिग्गा, रेव्ह मार्सल कुजूर समेत अन्य शामिल थे।

पीएम मोदी का 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' संवाद कार्यक्रम आज

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से 11 नवंबर को 12.30 को सीधा संवाद करेंगे और जीत का मंत्र देंगे। मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस अभियान के माध्यम से बूथ कार्यकर्ताओं से सीधा चर्चा करके और उन्हें झारखंड विजय के लिए प्रेरित करेंगे। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश में किए गए विकास कार्यों व चलाए गए अभियानों के बारे में इस कार्यक्रम में चर्चा होगी। इससे पूर्व प्रधानमंत्री मोदी देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यकर्ताओं से चर्चा करके उन्हें मजबूत भाजपा और सशक्त भाजपा के संकल्प को दोहराने के अपील की है। प्रधानमंत्री के इस संवाद को लेकर भाजपा के कार्यकर्ता बेहद ही उत्साहित हैं।

सत्तारूढ़ पार्टी के लिए व्यापारियों से वसूली कर रहे हैं पुलिस पदाधिकारी : मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि सूचना मिल रही है कि झारखंड के कुछ ज़िलों में प्रमुख प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी सत्तारूढ़ पार्टी के लिये व्यापारियों, कारोबारियों से मोटी रकम वसूल कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि ऐसी ही एक सटीक जानकारी मिलने पर मैंने मुख्य सचिव को सूचित कर कहा है कि ऐसे सारे अधिकारियों को ये गलत काम करने से रोकें। प्रशासनिक मयार्दा एवं शासन पर जनता का विश्वास बनाये रखने के लिये मैं ऐसे किसी बेईमान वसूलीकर्ता अफसर का नाम अभी सार्वजनिक नहीं कर रहा हूं.झारखंडी पर्यटन स्थल चुनावी लेवी वसूलने के बेजा हरकतों से बाज आयें अफसर बाबूलाल ने आगे लिखा है कि मैं राज्य के छोटे-बड़े अफसरों के करवद्ध अपील करता हूं कि वे सत्तारूढ़ पार्टी के लिये चुनावी लेवी वसूलने के बेजा हरकतों से बाज आयें। मैं वादा करता हूं कि राज्य में एनडीए की सरकार बनते ही बिहार की तर्ज पर कानून बनाकर वैसे बेईमान अफसरों की सम्पत्ति, जमीन-जायदाद, मकान सीधे जब्त कर उसका उपयोग स्कूल, अस्पताल खोलने जैसे पब्लिक के सार्वजनिक कार्यों के लिये किया जायेगा।

कल मनाया जायेगा बाबा श्याम का जन्मोत्सव

रांची : बाबा के जन्मदिन पर सात आरती खाटूधाम के परंपरा के अनुसार कार्तिक शुक्ल एकादशी दिन मंगलवार 12 नवंबर को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में बाबा श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर संपूर्ण दिवस खुला रहेगा। साल में मात्र इसी दिन बाबा श्याम की सात आरती सुबह 5.30 बजे,8.30 बजे 12.15 बजे 7.00 बजे 8.30 बजे 12 बजे 2 बजे पंचदीप व शंख आरती की जाएगी। मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि संपूर्ण मंदिर को सुगंधित फूल से एवं विद्युत साज से सजाया जा रहा है।

इंडो-अफ्रीकी आदिवासी व्यंजन सहयोग : मंडी एडपा, रांची और ट्राइब्स टू वर्ल्ड रेस्टोरेंट, ओडिशा के बीच संयुक्त उद्यम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंडी एडपा, रांची और ट्राइब्स टू वर्ल्ड रेस्टोरेंट, मलावी से उत्पन्न, ओडिशा के बीच एक अभिनव और महत्वपूर्ण संयुक्त उद्यम का शुभारंभ हुआ है।इस सहयोग का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदायों को भोजन और सांस्कृतिक मेलजोल के माध्यम से सशक्त बनाना है। इस संयुक्त उद्यम के माध्यम से, हम इंडो-अफ्रीकी आदिवासी व्यंजनों के बीच समानताओं और परंपराओं के प्रतीकात्मकता को उजागर कर रहे हैं। जब ट्राइब्स टू वर्ल्ड भुवनेश्वर, ओडिशा में लॉन्चिंग की तैयारी कर रहा था, तब मंडी एडपा के संस्थापक कपिल विनोद टोप्पो ने मलावी, अफ्रीका की महिला उद्यमी अभिलाषा टॉमी चिनकोंडे से संपर्क किया। इसका उद्देश्य इंडो-अफ्रीकी आदिवासी व्यंजनों के ऐतिहासिक मेल की स्थापना करना था। हमें गर्व है कि हम मंडी एडपा, रांची और ट्राइब्स टू वर्ल्ड, जो भुवनेश्वर, ओडिशा में स्थित है लेकिन मलावी, अफ्रीका से उत्पन्न हुआ है, के बीच इस संयुक्त उद्यम की घोषणा कर रहे हैं। यह जल्द ही रांची, करमटोली में आने वाला है। मंडी एडपा के संस्थापक कपिल विनोद टोप्पो हैं, जिनके नेतृत्व में शेफ उपेंद्र मुंडा और एंजेला कच्छप इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ट्राइब्स टू वर्ल्ड के संस्थापक अभिलाषा टॉमी चिनकोंडे हैं, जिनके साथ शेफ प्रिंसेस बी. ओला (लाइबेरिया), शेफ फ्राइडे इबंगा (नाइजीरिया) और शेफ एंड्रयू के. डीन (लाइबेरिया) इस सहयोग में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। यह सहयोग इंडो-अफ्रीकी आदिवासी व्यंजनों के मेल के माध्यम से खाद्य संस्कृति, परंपरा और समानता को दशार्ता है। पारंपरिक और कबीलाई मूल्यों के संरक्षण के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। मंडी एडपा और ट्राइब्स टू वर्ल्ड के बीच यह संयुक्त उद्यम आदिवासी खाद्य संरक्षण, पोषण मूल्य और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभाव को मान्यता देगा। यह दोनों राष्ट्रों के आदिवासी समुदाय के लिए एक उलगुलान (क्रांति) के समान है। इस संयुक्त उद्यम का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदायों को उनके खाद्य परंपराओं के माध्यम से सशक्त बनाना और उन्हें एक मंच प्रदान करना है जहां वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर को साझा कर सकें। यह पहल आदिवासी व्यंजनों के महत्व को पुनर्स्थापित करने और उन्हें व्यापक समाज में पहचान दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। कपिल विनोद टोप्पो ने कहा, मंडी एडपा और ट्राइब्स टू वर्ल्ड के बीच यह सहयोग हमारे आदिवासी समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

एक नजर

अमृतवेले भजन कीर्तन करते हैं सिख समुदाय के लोग : हरबंश सिंह सलूजा

बोकारो : रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा, चास द्वारा गुरु नानक देव जी के प्रकाश पूरब के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी गुरुद्वारा से निकलकर जोढ़ाडिह मोड से यू टर्न लेकर वापस गुरुद्वारा पहुंची। गुरुद्वारे में प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया गया उपरांत गुरदासपुर पंजाब से आये कीर्तनी जत्थे ने शबद कीर्तन का गायन किया। शबद कीर्तन अरदास करने के उपरांत गुरु का लंगर बरताया गया। आज के प्रभात फेरी का आयोजन श्री जसबीर सिंह सलूजा एवं श्री हरबंश सिंह सलूजा के परिवार की ओर से किया गया था। गुरुद्वारा चास के धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन श्री हरबंश सिंह सलूजा ने बताया कि प्रभात फेरी का इतिहास काफी पुराना है। सिख संगत गुरुपूरब से 10 से 15 दिन पहले से प्रभात फेरियां निकालना शुरू कर देती हैं, तड़के-तड़के गुरुद्वारे से निशान साहिब लेकर सैकड़ों की संख्या में सिख समुदाय के लोग गलियों मोहल्लों में निकलते हैं। जिन-जिन घरों के सामने से प्रभात फेरी गुजरती है वो श्रद्धालु अपने घर के पास अरदास करवाते हैं और प्रसाद एवं चाय वितरण करते हैं। प्रभात फेरी का मकसद अमृत वेले गुरबाणी, शबद कीर्तन, नाम सिमरन करते हुए अकाल पुरख को याद करने का होता है, ताकि आने वाला जीवन अच्छा बीते। श्री सलूजा ने बताया प्रभात फेरी 13 नवंबर तक निकाली जाएगी। 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती बहुत ही धूमधाम से मनाई जाएगी। गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में 14, 15 एवं 16 नवंबर को विशेष कीर्तन दरबार लगाया जाएगा, जिसमें बाहर से पहुंच रहे राग्गी जत्थों द्वारा कीर्तन गायन किया जाएगा।

झारखंड की खनिज संपदा को बचाने का नारा ले किया डोर टू डोर जनसंपर्क

बोकारो : जनसंपर्क अभियान के तहत आज बोकारो विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेक्टर 5 के धोबी मोहल्ला में एनडीए प्रत्याशी बिरंची नारायण ने डोर टू डोर जनसम्पर्क कर भाजपा के पक्ष में 20 नवंबर को मतदान करने का आग्रह किया। बोकारो विधायक सह प्रत्याशी बिरंची नारायण ने कहा कि हेमंत सरकार पर वादा खिलाफी, झूठे वादे, लुट, भय, अत्याचार से अविश्वास से आम जनता में रोष है। जिस वादे के साथ 2019 में सरकार बनी पांच साल पूरे हो गए मगर कोई भी जनता से किया गया वादा पूरा न कर सके। दिन प्रतिदिन प्रखंड हो या जिला या प्रदेश भ्रष्टाचार चरम सीमा पर। संतरी से मंत्री तक जेल जा चुके हैं। कुछ मंत्री अभी जेल में तो कोई आईएस अधिकारी जेल में।
झारखंड की खनिजों की लूट मची जिसमे उनका परिवार के लोग भी शामिल हैं।
बोकारो विधानसभा के जनता ने अपना मन बना चुके है कि राज्य में फिर से भाजपा की सरकार आए और जनहित कार्यों का काम पुनः शुरू हो ताकि राज्य का सर्वाधिक विकास हो और जरूरत मंदो को उनका हक अधिकार मिल सके।

अक्षय नवमी पर महिलाओं ने की आंवला पेड़ की पूजा

बोकारो : धार्मिक मान्यता के अनुसार, अक्षय नवमी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि रविवार को मनाई गई। ऐसी मान्यता है कि आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का वास होता है। इस दिन आंवले के पेड़ छाया में बैठना और उसके नीचे भोजन बनाना शुभ माना जाता है। इस भोजन का भोग भगवान विष्णु को पुनः पूरे परिवार को खिलाने से श्रीहरि विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। अक्षय नवमी की मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले पुण्य कर्म का अक्षय फल प्राप्त होता है। और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। अक्षय नवमी के दिन आंवले के पेड़ में भगवान विष्णु के साथ ही शिवजी का भी वास होता है।

झारखंड में रोजगार और महिला सुरक्षा के लिए भाजपा की सरकार जरूरी : मोदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को झारखंड के गुमला में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में घुसपैठ रोकने के लिए, युवाओं के रोजगार के लिए, झारखंड की पहचान बचाने के लिए और महिला सुरक्षा के लिए प्रदेश में भाजपा सरकार जरूरी है। मोदी ने यूपीए 2004 से 2014 तक केंद्र में रही कांग्रेस नीत यूपीए सरकार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तो सोनिया गांधी सरकार चलाती थीं। उन्होंने झारखंड को कुछ नहीं दिया। राज्य बनने का भी विरोध किया। कांग्रेस और उसके सहयोगी जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 वापस लाने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव लाए। उनका ये सपना कभी पूरा नहीं होगा। हमनें 370 को जमीन में गाड़ दिया है। अब ये इसे कभी नहीं लागू कर पाएंगे।मोदी ने कांग्रेस के जातिगत गणना करवाने के वादे पर कहा कि कांग्रेस सत्ता के लालच में छोटी-छोटी जातियों को बांटकर उन्हें आपस में लड़ाना चाहती है। इसलिए वे जातिगत जनगणना कराने की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो-कांग्रेस ओबीसी की जातियों को आपस में लड़ाना चाहती हैं। ये चाहते हैं कि ओबीसी की छोटी-छोटी जातियां खुद को ओबीसी मानना छोड़ दें और अपनी-अपनी जातियों में उलझे रहें। क्या आप चाहते हैं कि यहां का ओबीसी समाज टूट जाए आपको मंजूर है यदि टूट गए तो आपकी आवाज कमजोर होगी या नहीं इसलिए हमें यह याद रखना है, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।' वो ऐसा इसलिए करना चाहते हैं, क्योंकि ये चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। वर्ष 1990 से कांग्रेस कभी लोकसभा में 250 सीटें नहीं जीत पाई है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन को जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने का मौका मिला तो उन्होंने कश्मीर के खिलाफ साजिशें शुरू कर दीं। कुछ दिन पहले उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा में धारा 370 को बहाल करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया। क्या देश इसे स्वीकार करेगा जब भाजपा विधायकों ने पूरी ताकत से इसका विरोध किया, तो उन्हें विधानसभा से बाहर फेंक दिया गया। पूरे देश को कांग्रेस और उसके गठबंधन की सच्चाई समझनी होगी।झारखंड में घुसपैठ को हेमंत सरकार दे रही बढ़वामोदी ने कहा कि झारखंड में घुसपैठ को कांग्रेस और जेएमएम की सरकार बढ़ावा दे रही है। यह खतरनाक है। यदि अपनी बेटियों को बचाना है तो यहां भाजपा को जिताइए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सरकार ने तुरंत बिना खर्ची, बिना पर्ची युवाओं को नौकरी देना शुरू कर दिया है। यहां की सरकार तो खर्ची का मतलब पैसा, पर्ची का मतलब पैरवी समझती हैं। हमारी सरकार आई तो हम यहां भी बिना खर्ची, बिना पर्ची कल्चर को लागू करेंगे। हरियाणा वाले इनके झांसे में नहीं आए। आप लोगों को भी नहीं आना है। बिजली बिल जीरो करने का भी हो रहा काममोदी ने कहा कि बिजली बिल जीरो करने का काम हो रहा है। सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना देशभर में शुरू हो चुकी है। आप अपने घर में सोलर पैनल लगाएंगे।

अनूप सिंह ने आशीर्वाद यात्रा निकाल मांगा समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बेरमो विधायक सह महा गठबंधन के प्रत्याशी व कांग्रेस विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनुप सिंह ने रविवार को जरीडीह प्रखंड के तिरो, गांगजोरी, गायच्छन्दा, बांधटाड़, बारहमसिया, तिलैया, वीरसाड़म, समेत अन्य कई गांवो में पहुंचे एवं जन आशिर्वाद यात्रा के तहत जनसंपर्क अभियान चलाया। विधायक श्री सिंह ने कहा कि साढे तीन साल के कार्यकाल में विकास का लकीर जो खीचे है। साथ ही 24 घंटे बेरमो की जनता के लिए सेवारत रहे। इसी सेवा का आशीर्वाद मांगने के लिए आपके पास आया हुं। ताकि आपके आशीर्वाद से हमे शक्ति मिलता है। ओर हम आपके बीच सेवक के रूप में सेवा देते रहे है। इस दौरान श्री सिंह ने महिला समूह, कई सामाजिक संगठन, क्लब के लोगो से मिलकर इंडिया गठबंधन के चुनावी एजेडे के मिशन व विजन से अवगत कराया। मौके पर अंबिका देवी, राजू तिवारी, सुबोध मिश्रा, वकील अंसारी, अजय किस्कू, मुरलीधर साव, विष्णु भगवान, राजेश सिंह, विनोद महतो, रविशंकर सिंह, काली मांझी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

विभिन्न इलाकों का दौरा कर चर्च सभागार में जीत के लिए की प्रार्थना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विधानसभा चुनाव के निमित इंडिया गठबंधन प्रत्याशी श्वेता सिंह का विभिन्न ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रवास किया। प्रवास की शुरूआत मसीही समाज के जनवृत 4 स्थित कैथलिक चर्च में आयोजित रविवार प्राथना सभा से हुई जहां मसीही समाज ने इंडी गठबन्धन प्रत्याशी का स्वागत करते हुए अपनी समस्या से अवगत करवाया इसी क्रम में सिंह ने सभी मामले का निष्पादन करने का आश्वाशन दिया। नन पंचायतों क्षेत्रों जैसे जोशी कॉलोनी, माराफारी कैंप - 1,मनसासिंह गेट, लेप्रोसी कॉलोनी के पश्चात कुमीडीह कांग्रेस कार्यालय में कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी और जनता के बीच में एक पुल का काम करते हैं और समाज में राज्य सरकार की योजनाओं को धरातल पर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक माध्यम होते है जिसके कारण ही समाज की विश्वसनीयता पार्टी के प्रति होती है। इस दौरान स्वामी सहजानंद स्कूल, बजरंगी नगर का प्रवास किया। वही बालीडीह क्षेत्र के गोविंद मार्केट, शांति नगर,मुस्लिम मोहल्ला, शिवपुरी कॉलोनी, गोल मार्केट, टेंपल कॉलोनी, हनुमान मंदिर में दर्शन कर गोविंद मार्केट चौक, बियादा, कोरीडीह बस्ती, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, धातकीडीह, पिपराडीह, गोडॉबली, सुइयांडीह, बारूडीह, सिंह टोला, पाण्डेयटोला, गोस्वामीटोला, बिशनपुर, ठाकुर साहब टोला, बस्ती टोला प्रवास के बाद जनवृत-09 हटिया चौक,आंबेडकर नगर जनवृत-1 का प्रवास किया और आग्रह करते हुए कहा कि इस बार आप सभी मिल कर दिनांक 20.11.2024 को इंडी गठबन्धन के प्रत्याशी और आपकी बेटी के रूप में मुझे वोट के माध्यम से जिताएं,तभी जाकर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जा सकता है।

बरौनी के दिवंगत प्वाइंट्समैन और पटना के पी डबल्यू आई को दी गई श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : ईसीआरकेयू की डिविजनल कौंसिल की बैठक रविवार को पतरातू यूनियन औफिस सभागार में सम्पन्न हुई। यूनियन के मान्यता प्राप्त करने के लिए 4 से 6 दिसम्बर तक होने वाले चुनाव के लिए धनबाद मंडल में ईसीआरकेयू के सभी चौदह शाखाओं के प्रतिनिधियों ने सामुहिक सहमति से रणनीति तैयार किया?। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता ईसीआरकेयू के केन्द्रीय अध्यक्ष कॉम डी के पाण्डेय तथा संचालन सहायक महामंत्री सह धनबाद मंडल के सांगठनिक को ओर्डिनेटर ओमप्रकाश ने किया। मौके पर ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री सह पी एन एम प्रभारी मो ज्याऊद्दीन, एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा, केन्द्रीय संगठन मंत्री सोमेन दत्ता तथा नेताजी सुभाष सहित सभी शाखाओं के सचिव, अध्यक्ष तथा युवा, महिला तथा रनिंग कौंसिल के सक्रिय सदस्य उपस्थित हुए।यूनियन के मीडिया प्रभारी एन के खवास ने बताया कि इसके पूर्व कॉम डी के पाण्डेय के रविवार सुबह पलामू एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा पटना से पतरातु पहुंचने पर कॉम ओमप्रकाश एवं पतरातु शाखा सचिव आर एन चौधरी एवं सक्रिय सदस्यों द्वारा पुष्पहार और इंकलाबी नारों के साथ स्वागत किया गया। पतरातु शाखा कार्यालय सभागार में डिविजनल कौंसिल की बैठक के पहले यूनियन के झंडोत्तोलन तथा शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सभागार में बैठक के प्रारंभ में कोरोना काल में दिवंगत हुए पटना शाखा के अध्यक्ष स्व धनराज राम तथा दिनांक 09 नवंबर को बरौनी स्टेशन पर शंटिंग के दौरान दिवंगत हुए कार्यरत प्वाइंट मैन अमर कुमार के प्रति दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। बैठक का संचालन करते हुए सहायक महामंत्री ओमप्रकाश ने चुनाव प्रक्रिया के दरमियान विभिन्न चरणों में कार्य योजना बना कर एकजुटता से काम करने का संदेश दिया। उन्होंने कई टीम बना कर विभिन्न जिम्मेदारियों को संतुलित नियंत्रण के साथ काम करने का आह्वान किया।

माकपा ने इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी श्वेता सिंह को किया समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी बोकारो लोकल कमिटी की बैठक को संबोधित करते हुए माकपा के वरिष्ठ व मजदूर नेता बी डी प्रसाद ने कहा कि झारखंड विधानसभा का चुनाव एक महत्वपूर्ण चुनाव है क्योंकि जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत भाजपा के केंद्रीय मंत्री और नेता झारखंड मे झूंड के रुप में आकर यहां की साझी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा को नकार कर विभाजन और नफरत की राजनीति कर रहे हैं इसको झारखंड की जनता बखूबी जानते हैं और इसका माकूल जवाब दिया जाएगा। लोकल कमिटी सचिव राज कुमार गोराई ने कहा कि बोकारो में विस्थापन और विस्थापितों की समस्या के निदान की बात हो या यहां के जल जंगल जमीन के संरक्षण का सवाल, यह केवल इंडिया गठबंधन ही कर सकता है। इसलिए झारखंड को कारपोरेट लूट से बचाने के लिए व धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करने के लिए हमारी पार्टी ने बोकारो विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी श्वेता सिंह को समर्थन करती है। बैठक की अध्यक्षता कुमार सत्येन्द्र ने किया। बैठक में मो अब्बास, के एन सिंह,आर एन सिंह,आर बी सिन्हा आदि मौजूद थे।

महिलाओं ने शुक्ल पक्ष की अक्षय नवमी में आंवला वृक्ष का किया पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी पुलिस लाईन शिव मंदिर के प्रांगण में आज महिलाओं ने पारंपरिक रूप से आंवला वृक्ष का विधि विधान से पूजन किया। वहीं हजारों की संख्या में महिलाओं ने विधिपूर्वक अपने अपने परिवार के लिए सुख, शांति, समृद्धि, के लिए पूजा अर्चना किया। कहा जाता है कि कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की नवमी बहुत खास और शुभ मानी जाती है। इस दिन अक्षय नवमी या आँवला नवमी का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन अच्छे कार्य करने से अगले कई जन्मों तक हमें इसका पुण्य फल मिलता रहेगा। धर्म ग्रंथो के अनुसार आँवला नवमी के दिन आँवले के पेड़ पर भगवान विष्णु एवं शिव जी वास करते हैं। इसलिए इस दिन सुबह उठकर इस वृक्ष की सफाई करनी चाहिए। साथ ही इस पर दूध एवं फल चढ़ाना चाहिए। पुष्प अर्पित करने चाहिए और धूप-दीप दिखाना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार आँवला नवमी या अक्षय नवमी उतनी ही शुभ और फलदायी है जीतनी की वैशाख मास की अक्षय तृतीया। मान्यता है कि जो व्यक्ति आँवला नवमी या अक्षय नवमी का व्रत रखता है अथवा पूजा करता है उसे असीम शांति मिलती है। उसका मन पवित्र होता है और वह जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। इसलिए उसे बार-बार जन्म लेने की आवश्यकता नही होती है। वह अपने लक्ष्य को भली-भांति समझता है। जो महिलायें आँवला नवमी की पूजा करती हैं उन्हें उत्तम सन्तान की प्राप्ति होती है। वह दीर्घायु होता है और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। वह अपने वंश का नाम रोशन करने वाला होता है। इसके अतिरिक्त इस पूजा से घर का वंश भी बढ़ता है। कहते हैं आँवला नवमी की पूजा से पति-पत्नी के बीच रिश्ता बहुत ही मधुर होता है। दोनों के बीच आपसी तालमेल बहुत अच्छा रहता है। इसका एक वैज्ञानिक फायदा भी है। कहा जाता है कि ये आँवले के सेवन से गरिष्ठ भोजन जल्दी पच जाता है। आँवला नवमी के दिन आँवले के पेड़ के नीचे बैठकर ही भोजन करना चाहिए। मान्यता है कि इस दिन भोजन करते समय यदि आपकी थाली में आँवला या उसका पत्ता गिरे तो यह बहुत ही शुभ संकेत होता है। माना जाता है कि इससे आप वर्ष भर स्वस्थ्य रहेंगे। अक्षय नवमी को कार्तिक शुक्ल नवमी भी कहते हैं।

संक्षिप्त खबरें

मौलाना आजाद स्कूल के बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

धनबाद : मौलाना आजाद स्कूल आजाद नगर भूली ने रविवार को अपना 42वां वार्षिकोत्सव मनाया। विश्व विज्ञान दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्कूल मे बच्चों के द्वारा कुल दस स्टॉल लगाए गए थे। जिसमें बच्चों के द्वारा सोलर सिस्टम, नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत, दूषित जल प्रबंधन, स्मार्ट सिटी की परिकल्पना आदि को मॉडल के द्वारा प्रदर्शित किया गया। वहीं गरीब बच्चों के शिक्षा के लिए निधि संकलन हेतु चैरिटी फूड स्टॉल का भी आयोजन किया गया जिससे प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग गरीब बच्चों के पढ़ाई लिखाई पर खर्च किया जाएगा । इस मौके पर स्कूल के अध्यक्ष एहसानूल हक व संयुक्त सचिव मो. शाकिर अंसारी ने बताया कि बच्चों मे विज्ञानी समझ,पर्यावरण संतुलन, व सकरात्मक प्रतिस्पर्धा विकसित करने हेतु स्कूल प्रबंधन द्वारा समय समय पर ऐसा आयोजन किया जाता है। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन के द्वारा बच्चों के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया।

सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा ने किया पोस्टल बैलट से मतदान

धनबाद : रविवार को समाहरणालय के प्रथम तल पर बने फैसिलिटेशन सेंटर में सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी आलोक कुमार मिश्रा ने पोस्टल बैलट से अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक अच्छी सरकार चुनने के लिए हमें एक बार फिर से पाच साल बाद मौका मिल रहा है। इसलिए इस मौका का फायदा सभी मतदाताओं को उठाना चाहिए। मताधिकार हमारी सबसे बड़ी ताकत है, हमें मजबूत राष्ट्र व मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान अवश्य करना चाहिए। सभी मतदाताओं को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए 13 एवं 20 नवंबर को बिना किसी डर और लालच के मतदान केंद्रों पर जाकर अपना मतदान करें। साथ हीं उन्हीने युवा पीढ़ी को खासकर आगे आकर अपने अच्छे भविष्य के लिए वोट करने हेतु अपील की।

सांसद से मिलना एक संयोग था, स्वार्थ के लिये कुछ लोगों ने गलत ढंग से वायरल किया वीडियो : पप्पू दुबे

कतरास (धनबाद) : बाघमारा विधानसभा के आकाश किनारी में हुये भु-धसान की घटना के बाद पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुचे थे उसी दौरान धनबाद सांसद भी पहुचे चलते चलते यू ही बात विचार हुई ,जिससे चुनाव का कोई लेना देना नही है उक्त बातें बाघमारा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव के खासमखास पप्पू दुबे ने महथाडीह में निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव के चुनाव कार्यालय में रविवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी,श्री दुबे ने कहा कि कुछ गलत मानसिकता के लोगो ने गलत ढंग से वीडियो को वायरल किया है,जिसकी चुनाव से कोई लेना देना नही है,मैं निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव के साथ था,है और रहेंगे,हमारे प्रत्याशी भारी मतों से जीत दर्ज करेंगे,क्योंकि बाघमारा की जनता परिवारवाद के खिलाफ व इस बार बदलाव का मन बना चुकी है। प्रेस वार्ता में पप्पू दुबे, प्रदीप उपाधयाय, हंजलबिन हक,डब्लू महथा,दीपक सिंह,विक्रांत यादव,सूरज यादव, राजा सिंह आदि उपस्थित थे।

निर्दलीय प्रत्याशी रोहित की धुआंधार बैटिंग से भाजपा और कांग्रेस की बेचैनी बढ़ी

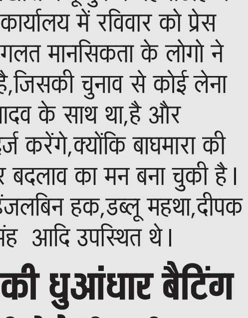

धनबाद : झारखंड विधानसभा चुनाव में बाघमारा सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में रोहित यादव के मैदान में आने से लड़ाई दिलचस्प होती जा रही है। राजनीतिक पंडित भी बता नहीं पा रहे हैं किसका पलड़ा भारी है। अब तक वे समझ रहे थे, कि कांग्रेस के बागी नेता रोहित यादव के निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने से नुकसान भी कांग्रेस को ही होगा। लेकिन रोहित के धुआंधार जनसम्पर्क अभियान और उनसे जुड़ते जा रहे विभिन्न दल, संगठन व समाज के लोगों को देख कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के नेताओं की धड़कनें बढ़ गयी है। भाजपा के पूर्व कतरास मंडल अध्यक्ष भारत शर्मा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के नेता हन्जला बिन हक, कांग्रेस के नेता रवींद्र पांडे, राम बचन पासवान, जावेद रजा जैसे कई नेता और कार्यकर्ता रोहित के पक्ष में प्रचार में जुटे है। विगत दिन तेतुलिया में आयोजित पत्रकार वार्ता में बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी एनुल अंसारी के अलावा जेएलकेम प्रदेश महासचिव फैयाज अहमद व बसपा नेता कन्हाई सिंह ने रोहित यादव को समर्थन देने की घोषणा की। इन लोगो ने यह तर्क दिया कि जब निर्दलीय विधायक मुख्यमंत्री बन सकता है, तो रोहित यादव को क्यों नही जीता कर भेजा जाय। फैयाज अहमद व एनुल अंसारी ने कहा कि हमलोग बाघमारा को बचाने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव को समर्थन कर रहे हैं। कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को हमेशा दिग्भ्रमित किया है। भाजपा ने हमेशा मुस्लिमों के साथ उपेक्षात्मक रवैया अपनाया है। जलेश्वर महतो विधायक बनकर पीएचडी मंत्री बने, बावजूद बाघमारा की जनता पानी की घोर समस्या झेल रही है। ढुल्लू महतो जनता का सहानुभूति लेकर तीन बार विधायक बने। अब वे पुरी तरह परिवारवाद की राजनीति में उतर चुकें हैं। ढुलू के बड़े भाई शत्रुघ्न महतो भाजपा प्रत्याशी के रूप में इस बार बाघमारा के चुनावी मैदान में हैं। ढुलू महतो तीन बार यहां से विधायक रह चुके हैं। फि लहाल वे धनबाद के सांसद हैं और राजनीति में पूरी तरह से परिपक्व माने जाते हैं। बाघमारा में दो बार ढुलू महतो के बदौलत भाजपा का झंडा बुलंदी से फहरा। इस बार भी ढुलू जीत के प्रति आश्वस्त नजर आ रहे हैं। वही कन्हाई सिंह ने कहा कि बाघमारा की जनता को भाजपा और कांग्रेस ने बारी बारी से छलने का काम किया है। विगत शुक्रवार को तेतुलिया में आयोजित पत्रकार वार्ताब में बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी एनुल अंसारी के अलावा जेएलकेम प्रदेश महासचिव फैयाज अहमद व बसपा नेता कन्हाई सिंह ने बाघमारा विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव को समर्थन देने का घोषणा किया।

झारखंड के विकास में भाजपा सबसे बड़ा रोड़ा : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बड़कागांव विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अंबा प्रसाद की जीत सुनिश्चित करने के लिए हेमंत सोरेन खुद मैदान में उतरे हैं। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा थाना मैदान में रविवार को उन्होंने चुनावी सभा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा के खिलाफ जमकर आग उगला। उन्होंने कहा कि झारखंड के विकास की राह में सबसे बड़ा रोड़ा भाजपा है। जो एक मुख्यमंत्री को झूठे केस में जेल भेज सकती है, चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का साजिश रच सकती है, वैसे पार्टी की बातों पर क्या भरोसा। भाजपा जुमलेबाजों की पार्टी है। हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा की साज़िश के खिलाफ झारखंड में इंडिया गठबंधन मजबूती से कायम रहा है। झामुमो, कांग्रेस और राजद ने गोलबंद होकर अपना कार्यकाल पूरा किया। उन्होने कहा कि पांच वर्षो तक राज्य की सरकार ने विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया है। मतदाता भाजपा को राज्य से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए तैयार हो चुके है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने पंचायत स्तर तक जनता को मूलभूत सुविधा दिलाने के लिए अधिकारियों को चौपाल लगाया, जिसका लाभ जनता को मिला। हेमंत सोरेन ने भाजपा उम्मीदवार रोशन लाल चौधरी पर भी चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक बार फिर बाहरी उम्मीदवार को बड़कागांव भेजा है। जनता इसका जवाब 13 नवंबर को एवं में वोट डालकर भेज देगी। हेमंत सरेन ने कांग्रेस उम्मीदवार अंबा प्रसाद के पक्ष में वोट डालने की अपील की।

एक नजर

रामगढ़ में पोस्टल बैलेट से मतदान शुरू

रामगढ़ : विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के लिए पोस्टल बैलेट से वोटिंग शुरू हो गई है। डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर रामगढ़ जिले में कुल 6 मतदान केंद्रों पर मतदान की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पोस्टल बैलेट कोषांग कर्मी एवं पदाधिकारी द्वारा 85 वर्ष से अधिक वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं जो मतदान केंद्र जाने में सक्षम नहीं है, उन सभी मतदाताओं के घर-घर जाकर कराया गया मतदान।
अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि ने बताया कि 6 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। समाहरणालय कार्यालय ब्लॉक ए, पुलिस लाइन, परिवहन कार्यालय वाहन कोषांग, गांधी प्लस 2 हाई स्कूल में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। कुल 6000 मतदाता पोस्टल बैलेट से वोट डालेंगे, जिनमें मीडिया कर्मी सहित अन्य मतदाता शामिल हैं।

सभी लोग सपरिवार मतदान कर लोकतंत्र के इस महा पर्व को सफल बनाएं : आयुक्त

मेदिनीनगर (पलामू) : प्रमंडलीय आयुक्त बालकिशुन मुंडा ने रविवार को समाहरणालय परिसर में बनाये गये सुविधा केंद्र में पोस्टल बैलेट से खूंटी विधानसभा क्षेत्र के लिये मतदान किया। उन्होंने कहा कि अपने मताधिकार का प्रयोग करना, लोकतंत्र में अपनी सीधी भागीदारी का प्रमाण है।मैंने मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपना योगदान दिया अब आम जनमानस भी लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने में अपना योगदान दें।उन्होंने कहा कि युवाओं के हाथ में देश के भविष्य की जिम्मेवारी है। उनकी भागीदारी से लोकतंत्र को और भी मजबूती मिलेगी।उन्होंने समस्त प्रमंडलवासियों से आह्वान किया कि वे 13 नवंबर को अपने मतदान केन्द्र पर सपरिवार जाकर उत्सवी माहौल में मतदान करें और चुनाव का पर्व,देश का गर्व को सफल बनाएं।

झामुमो नेता अविनाश देव ने विधानसभा क्षेत्र में चलाया जनसंपर्क अभियान

मेदिनीनगर (पलामू) : महागठबंधन के प्रत्याशी के. एन त्रिपाठी के पक्ष में आज झामुमो के युवा नेता व इंडियन रोटी बैक के झारखंड प्रदेश को-ऑर्डिनेटर दीपक तिवारी एवं संत मेरियम स्कूल के निदेशक एवं माटी कला बोर्ड के सदस्य व झामुमो नेता अविनाश देव ने डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया। दीपक तिवारी एवं अविनाश देव ने सदर प्रखंड के चियांकी पंचायत, सुआ पंचायत, कौड़िया और पोलपोल पंचायत एवं भीमगढ़ा, पुराना टोला, पीपरडीह, बखारी, भुसड़िया, नउवा ढोड़ आदि विभिन्न गांव-टोला में घर-घर घूमकर जनसंपर्क अभियान चलाते हुए महागठबंधन के प्रत्याशी के. एन त्रिपाठी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के दौरान दीपक तिवारी, अविनाश देव एवं उनके समर्थकों ने ग्रामीणों के साथ बैठक भी की। युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों से मुलाकात की। उनकी समस्याओं को सुना और झारखंड सरकार एवं महागठबंधन के विकास का विजन से अवगत कराया।

रोटी, बेटी और माटी को बचाने का चुनाव है : मनोज तिवारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : भाजपा नेता मनोज तिवारी ने रविवार को लातेहार जिले के सरयू प्रखंड में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मनिका विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी हरिकृष्ण सिंह के समर्थन में वोट मांगा और कहा कि झारखंड का यह चुनाव माटी, रोटी और बेटी को बचाने का चुनाव है। तिवारी ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने वोट बैंक के लिए झारखंड को घुसपैठियों के हवाले कर दिया, जिससे झारखंड की डेमोग्राफी बदल गई है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार 5 वर्षों तक सिर्फ लूट और भ्रष्टाचार में लगी रही। इस कारण पूरे देश में झारखंड का नाम बदनाम हुआ। राज्य का विकास ठप रहा। सरकार के संरक्षण में घुसपैठिए इतने निडर हो गए कि झारखंड में यह नारा लगाने लगे कि हिंदू भारत छोड़ो और आदिवासी भारत छोड़ो लेकिन बीजेपी की सरकार बनते ही घुसपैठियों को झारखंड छोड़कर भागना होगा। मनोज तिवारी ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां महिलाओं को 2100 प्रत्येक माह दी जाएगी। इसके अलावा युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के रूप में 2000, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार रुपये सहायता दी जाएगी। पोस्ट ग्रेजुएट तक की पढ़ाई पूरी तरह निशुल्क कराई जाएगी । राज्य में रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। इस दौरान सांसद मनोज तिवारी ने भोजपुरी स्टाइल में गीत गुनगुना कर भी लोगों का जमकर मनोरंजन किया।

रामगढ़ के पतरातू में अधिकारियों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी चंदन कुमार एवं एसपी अजय कुमार की उपस्थिति में रविवार को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पतरातू प्रखंड क्षेत्र में मतदाता जागरुकता रैली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीसी चंदन कुमार एवं एसपी अजय कुमार का ढोल-मांदर बजाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पतरातू प्रखंड कार्यालय से हुई। यहां नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान की प्रति मतदाताओं को जागरुकता संदेश दिया गया। इसके उपरांत मतदाता रैली निकली गई, जो प्रखंड कार्यालय से पतरातू बस्ती होते हुए राजकीय संपोषित प्लस टू विद्यालय तक आयोजित की गई। यहां सभा आयोजित कर लोगों को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को मतदान करने के लिये विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही मतदाता जागरुकता आमंत्रण कार्ड देकर मतदान करने की अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान डीसी चंदन कुमार एवं एसपी अजय कुमार ने चुनाव अंकित तख्ती को रंग-बिरंगे गुब्बारे के साथ आसमान में छोड़ा। मतदाताओं से स्वच्छ व निष्पक्ष रूप से मतदान करने की अपील की। साथ ही उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदाता जागरुकता शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम के दौरान राजकीय संपोषित प्लस टू विद्यालय पतरातु के बच्चों ने मतदाता जागरुकता पेंटिंग डीसी व एसपी को भेंट दिया दिया। साथ ही बच्चों ने मतदाता जागरुकता के उद्देश्य से बनाए गए रंगोली का डीसी एवं एसपी ने अवलोकन किया गया। साथ ही सभी ने 13 नवंबर को मतदान करने के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरीय पदाधिकारी सह डीडीसी रोबिन टोप्पो, उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर, स्वीप नोडल पदाधिकारी इंदु प्रभा खालको, एसडीपीओ पतरातू पवन कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने दलितों व आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी की : मायावती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : जिले के हुसैनाबाद के कपूर्री मैदान में रविवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा, कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों पर तीखा हमला बोला। मायावती ने जोर देते हुए कहा कि अब जनता को कांग्रेस, भाजपा व अन्य जातिवादी पार्टियों को आजमाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इन दलों पर आरक्षण को प्रभावहीन बनाने और एससी, एसटी एवं ओबीसी वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित रखने का आरोप लगाया। मायावती ने कहा कि केंद्र और राज्य में रही भाजपा व कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यह सरकारें आरक्षण की व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से कमजोर करने के प्रयास में लगी हुई हैं। साथ ही आरोप लगाया कि ये जातिवादी दल राजनीतिक लाभ के लिए संविधान प्रदत्त आरक्षण के लाभ को कमजोर कर रहे हैं। मायावती ने उत्तर प्रदेश में अपने शासनकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने गरीबों और भूमिहीनों को जमीन देकर उन्हें मालिक बनाया। उनकी सरकार ने सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है और बसपा ही वह पार्टी है जो बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान और कांशीराम के सपनों का देश बनाने की लड़ाई लड़ रही है। मायावती ने दलितों, आदिवासियों, अति पिछड़े वर्गों और अपर कास्ट के गरीब लोगों से अपील की कि वे एकजुट होकर बसपा के पक्ष में मतदान करें। उन्होंने कहा कि बसपा ही ऐसी पार्टी है जो सर्वजन का विकास और उत्थान कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा विरोधी अन्य विपक्षी दल भी केवल नाम मात्र की मदद देकर इन समुदायों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रखते हैं और नहीं चाहते कि बहुजन समाज का समुचित विकास हो। मायावती ने जनता से आग्रह किया कि वे 13 नवंबर को बसपा के चुनाव चिह्न 'हाथी' पर भारी संख्या में मतदान करें और झारखंड प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने में सहयोग करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बसपा की सरकार ही संविधान में प्रदत्त आरक्षण का समुचित लाभ सुनिश्चित कर सकेगी।

मल्लिकाअर्जुन खड़गे कल छतरपुर में करेंगे चुनावी सभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

छतरपुर (पलामू) : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कल छतरपुर के हाई स्कूल के मैदान में चुनावी सभा करेंगे। जिसकी जानकारी कांग्रेस के पलामू जिला अध्यक्ष रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने छतरपुर कांग्रेस के चुनावी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में महागठबंधन सरकार के कार्य के आधार पर आम जनता महागठबंधन को अपार मतों से जीतने जा रही है। पलामू लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत विधानसभा की पांचो सीट महागठबंधन अपार मतों से जीत रही है। हेमंत सरकार के द्वारा झारखंड में मैंया सम्मान योजना, बिजली बिल माफी योजना सहित कई ऐसे लाभकारी योजनाओ से जनता को लाभान्वित किया है। जिससे झारखंड के लोग लाभान्वित हुए हैं। जिला अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा है कि जिनकी जितनी आबादी उनको उतना हक मिलना चाहिए। पलामू जिले में सिर्फ छतरपुर विधानसभा ही एससी रिजर्व सीट है जहां इंडिया गठबंधन ने राधा कृष्ण किशोर को टिकट देकर सम्मान दिया है। वहीं भाजपा पर निशाना चाहते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नफरत की राजनीति कर बांटने का काम कर रही है। उक्त प्रेस कांफ्रेंस के दौरान ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष धनंजय यादव, छतरपुर कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष गोपाल सिंह, छतरपुर नगर अध्यक्ष मुस्ताक आलम, छतरपुर मंडल अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष फिरदौस आलम समेत कई कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेरे पिता इंदर सिंह नामधारी मेरे स्टार प्रचारक हैं हमारी जीत सुनिश्चित है : दिलीप सिंह नामधारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : डालटनगंज चैनपुर भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सदर प्रखंड के चियांकी एवं चैनपुर प्रखंड के धावाटांड़, कंकारी, बसरिया, सोकरा, दोकरा, अलगडीहा, चांदो, भुइयांराजा, अवसाने, पीड़हे, चुनगाबांसडीह का तूफानी दौरा निर्दलीय प्रत्याशी दिलीप सिंह नामधारी ने किया। दिलीप जी ने अपने संबोधन में कहा कि मेरे पिता इंदर सिंह नामधारी मेरे स्टार प्रचारक है, चुनाव मैदान में उनकी मजबूत स्थिति को देखकर बाकी के प्रत्याशियों को चुनौती महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि वे जनता के बीच में रहकर उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उन्हें हल करने का प्रयास करेंगे। दिलीप सिंह ने जनता से अपील की कि वे अपने मत का सही उपयोग करें और उनके साथ मिलकर एक मजबूत और विकासशील क्षेत्र का निर्माण करें। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अगर उन्हें मौका मिला, तो वे क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस दौरे के दौरान, दिलीप जी ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को समझा। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दिलीप जी के विचारों का समर्थन किया और उन्हें अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

जेएलकेएम प्रत्याशी मोहम्मद सलीम अंसारी से निर्वाची पदाधिकारी ने मांगा स्पष्टीकरण

सरिया(गिरिडीह) : बगोदर विधानसभा से जे एल के एम प्रत्याशी मोहम्मद सलीम अंसारी के द्वारा अपने चुनावी सभा कार्यक्रमों एवं चुनाव प्रचार सामग्री में अपने नाम के पहले डॉक्टर शब्द का उपयोग किया है। इस संबंध की शिकायत बगोदर विधानसभा से चुनाव लड़ रहे निर्दलीय प्रत्याशी श्रीकांत प्रसाद ने बगोदर के निवार्ची पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर किया है। जिस पर निवार्ची पदाधिकारी बगोदर ने उक्त प्रत्याशी को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया है। दिए आवेदन में बताया है कि चुनाव आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देश की अवहेलना करते हुए उक्त प्रत्याशी अपने नाम के संबोधन के पहले डॉक्टर शब्द का इस्तेमाल करते हैं। जबकि मोहम्मद सलीम अंसारी के पास ना ही एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त है और ना ही डॉक्टरेट की डिग्री। इस तरह वह क्षेत्र के मतदाताओं को भ्रमित करने का कार्य कर रहे हैं। इस पर चुनाव आयोग को संज्ञान लेने की आवश्यकता है। उक्त शिकायत पर निवार्ची पदाधिकारी बगोदर ने जे के एल एम के प्रत्याशी मोहम्मद सलीम अंसारी को अपने कार्यालय के पत्रांक संख्या 472 दिनांक 10 नवंबर 2024 के तहत स्पष्टीकरण जारी करते हुए पूछा है कि उक्त आरोप निर्दलीय प्रत्याशी के द्वारा लगाया गया है। उससे संबंधित साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए हैं। जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के विरुद्ध है। इस संबंध में स्पष्टीकरण देते हुए जवाब दाखिल किया जाए। अन्यथा क्यों ना उक्त शिकायत के आलोक में जवाब नहीं मिलने की स्थिति में इन धारा के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की जाए।

विकास की दौड़ में पलामू को अग्रणी बनाना मेरे जीवन का लक्ष्य है : केएन त्रिपाठी

मेदिनीनगर (पलामू) : इंडिया महागठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी के० एन० त्रिपाठी ने आज मेदिनीनगर प्रखंड सह नगर निगम क्षेत्र के पोखराहां कला-खैराट, बारालोटा, जोड़, मउआर पैलेस, शाहपुर किला के पास, रेड़मा, नावाटोली, सुदना, पहाड़ी कर्बला के पास, जनकपुरी सहित शहर के दर्जनों मुहल्लों में सघन चुनाव प्रचार करते हुए मतदाताओं से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पलामू एक ऐतिहासिक स्थान है और और अपनी खूबसूरती के लिए पूरे देश में सुप्रसिद्ध है। लेकिन वर्तमान विधायक की अयोग्यता और निष्क्रियता की वजह से विकास की दौड़ में समूचे झारखंड में सबसे पिछले पायदान पर आ खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि संयुक्त बिहार सहित वर्तमान झारखंड की राजनीति में पलामू सदैव चर्चित रहा है लेकिन पिछले एक दशक से पलामू में बदहाली का अंधेरा छाया हुआ है। पलामू लगातार अकाल झेलने के लिए अभिशप्त है। सिंचाई तो दूर लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। झारखंड बने 24 साल हो गए लेकिन छोटी मोटी बीमारी होने पर भी यहां के लोगों को ईलाज के लिए रांची, पटना, बनारस और दिल्ली जाना पड़ता है। आखिर कौन है इसका जिम्मेवार। त्रिपाठी ने कहा कि एक जाति -धर्म से परे एक योग्य विधायक ही पलामू को खुशहाल और विकसित बनाकर बदहाली से उबार सकता है। लेकिन आपने जिसे चुना, उसी ने पलामू को बदहाली के रसातल में पहुंचा दिया।
त्रिपाठी ने कहा कि झारखंड में पांच प्रमंडल हैं लेकिन सबसे पिछड़े प्रमंडल के रूप में पलामू की चर्चा होती है। इसी धरती का पुत्र होने की वजह से उन्हें यह जानकर बेहद अफसोस होता है। उन्होंने कहा कि वे देश की सीमाओं पर एक सैनिक के रूप राष्ट्र सेवा के उपरांत राजनीति में आये ही इसीलिए हैं ताकि पलामू को बदहाली से उबारकर पलामू को विकास के सर्वोच्च शिखर पर पंहुचा सकें। उन्होंने कहा कि पलामू को विकास की दौड़ में अग्रणी बनाना उनका जीवन लक्ष्य है। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि अगर उन्होंने उन्हें मौका दिया तो शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, खेलके क्षेत्र में पलामू को अग्रणी जिला बनायेंगे ।

नीलगाय को बचाने के क्रम में अनियंत्रित होकर टेंपो पलटा, आधा दर्जन व्यक्ति घायल

मेदिनीनगर (पलामू) : पाटन थाना क्षेत्र के भंडार गांव के पास रविवार की शाम अचानक नीलगाय टेंपो के पास दौड़ गया। जिसमे टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गई। टेम्पो पर सवार करीब आधा दर्जन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के कांदू मोहल्ला निवासी सुनील राम की पत्नी प्रियंका कुमारी उम्र 28,पुत्र लवीश कुमार उम्र 5,शाली पम्मी कुमारी उम्र18 वर्ष वही पाटन थाना क्षेत्र जांघासी गांव निवासी अजय भुइयां की पत्नी ममता देवी उम्र 25 वर्ष और एक अन्य व्यक्ति का नाम शामिल है।इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा सभी घायल व्यक्ति को इलाज के लिए पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां इलाज के बाद भी चिकित्सको ने सभी घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिएमदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के बाद भी एक बच्चा लवीश कुमार और दो महिला पम्मी कुमारी और ममता देवी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। वही चिकित्सको ने ममता देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया है।वही घटना की जानकारी मिलने पर पाटन पश्चिमी जिला परिषद सदस्य संग्राम सिंह अस्पताल पहुंचकर अपने देखरेख में सभी घायलों का इलाज करवा रहे हैं।

गढ़वा में मारपीट के पांच आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

पलामू : गढवा जिले के मेराल थाना क्षेत्र के सोहवरिया गांव में शनिवार की रात अशोक चौधरी के घर में लोवादाग के सात-आठ महिला पुरुष लाठी डंडा से लैस होकर घुस गए तथा मारपीट करने लगे। हो-हल्ला सुनकर गांव के लोग वहां पहुंच गए तब जाकर घर वालों की जान बची। लोगों ने इसकी सूचना मेराल थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विष्णु कांत दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर मारपीट करने के तीन पुरुष व दो महिला आरोपितों को पकड़ लिया। इस दौरान दो-तीन लोग मौके का फायदा उठाकर भाग निकले। पकड़े गए पांचों आरोपितों को हिरासत में रखा गया, जिन्हें रविवार को जेल भेज दिया गया। जेल भेजे गए आरोपितों में लोवादाग निवासी अजउद्दीन अंसारी, इजराइल अंसारी, इसराइल अंसारी, शैरा बीबी तथा जुबैदा बीबी शामिल हैं। इस मामले को लेकर अशोक चौधरी द्वारा थाना में दिए गए आवेदन में कहा गया है कि वह शनिवार को गांव के शितला पेड़ नदी में मछली पकड़ने गया था। वहां दो व्यक्ति पहुंचे तथा ट्रैक्टर से खेत जोतने को लेकर बकझक करने के बाद मारपीट पर उतारू हो गए। मामला बढ़ता देख अशोक चौधरी वहां से घर लौट गया। रात करीब साढ़े सात बजे महिला पुरुष आठ लोग लाठी-डंडा, भाला, गड़ासा से लैस होकर घर मे घुस कर मार पीट करने लगे थे।

शांति और विकास के लिए विज्ञान के साथ अध्यात्म जुड़े

भारत डोगरा

इतिहास गवाह है कि प्राचीन समय से ही गुलाम और मालिक, गरीब और अमीर, पराजित और विजेता, कमजोर और बलशाली, यहां तक कि स्त्री और पुरुष के संबंध में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति ने बहुत से लोगों को अत्यधिक दुख दिए। बहुत से लोगों पर यह प्रवृत्ति इतनी हावी हो गई है कि उन्होंने अपने आदर्श के रूप में उन्हीं को ग्रहण करना आरंभ किया जो अपना आधिपत्य जमा सकें। सोचने-समझने के ढंग, बातचीत, कथा-कहानियों, यहां तक कि इतिहास में भी उन लोगों को अधिक महत्व दिया गया- और प्रायः प्रशंसा की भावना से ही दिया गया-जिन्होंने अपने आधिपत्य को फैलाने में सफलता प्राप्त की, चाहे इस प्रयास में उन्होंने कितने ही लोगों को नाहक ही अथाह कष्ट पहुंचाए हों।

इतिहास के अध्ययन का अति महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि कौन-सी प्रवृत्तियां दुख का सबसे बड़ा कारण रही हैं, और किन प्रवृत्तियों को कम करने से दुख-दर्द को कम किया जा सकेगा। बहुत सी गंभीर, व्यापक समस्याओं की गहराई में जाएं तो कहीं न कहीं टूटते, बिखरते मानवीय संबंधों की भूमिका हमें दिखाई देगी। मनुष्यों के आपसी संबंधों की एक प्रमुख कमजोरी और कमी यह है कि एक-दूसरे पर आधिपत्य करने, शासन करने, अपना बड़प्पन सिद्ध करने की प्रवृत्ति बहुत प्रबल रही है। इतिहास के पन्नों को पलटें तो इस प्रवृत्ति के साथ अधिकतर एक-दूसरे का हक छीनने, अधिक संचय करने या अधिक लालच की प्रवृत्ति जुड़ी रही है पर जहां यह लालच नहीं है, वहां भी अहं के कारण अपनी उच्चता स्थापित करने या अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति प्रायः देखी गई है। कारण अहं हो या लालच, मनुष्य के आपसी संबंधों में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति बहुत सशक्त और व्यापक रही है।

जहां जनसाधारण के दैनिक जीवन में इस प्रवृत्ति ने तरहझ्तरह के दुख-दर्द उत्पन्न किए, वहां युद्ध के मैदान में इस कारण भयानक खून-खराबा भी हुआ। इतिहास गवाह है कि प्राचीन समय से ही गुलाम और मालिक, गरीब और अमीर, पराजित और विजेता, कमजोर और बलशाली, यहां तक कि स्त्री और पुरुष के संबंध में आधिपत्य करने की प्रवृत्ति ने बहुत से लोगों को अत्यधिक और असहनीय दुख दिए। बहुत से लोगों पर यह प्रवृत्ति इतनी हावी हो गई है कि उन्होंने अपने आदर्श के रूप में उन्हीं को ग्रहण करना आरंभ किया जो अपना आधिपत्य जमा सकें। सोचने-समझने के ढंग, बातचीत, कथा-कहानियों, यहां तक कि इतिहास में भी उन लोगों को अधिक महत्त्व दिया गया- और प्रायः प्रशंसा की भावना से ही दिया गयाझ्जिन्होंने अपने आधिपत्य को अधिक फैलाने में सफलता प्राप्त की, चाहे इस प्रयास में उन्होंने कितने ही लोगों को नाहक ही अथाह कष्ट पहुंचाए हों ।

दूसरी ओर, अनेक धर्म-गुरुओं, दार्शनिकों और समाज सुधारकों ने इंसान की इस मूल कमजोरी और इससे जुड़े दुख-दर्द को पहचाना और लोगों को इससे बचाने का प्रयास किया । इनमें से अनेक प्रयासों का असर दूर-दूर तक हुआ और काफी समय तक हुआ। अतः इतिहास में ऐसे दौर भी आए जब आधिपत्य पर आधारित मानव संबंधों को बहुत से लोगों ने एक बुराई के रूप में पहचाना और इसके स्थान पर भाईचारे, समता, सहनशीलता, एक-दूसरे के विचारों की इज्जत करने और समझने का प्रयास करने की प्रवृत्ति को अपनाया। कुछ समयों और स्थानों में इन विचारों का प्रसार विभिन्न धर्मों और पंथों के रूप में हुआ, अन्य मौकों पर इनका प्रसार नई आर्थिक-राजनीतिक विचारधाराओं और उनसे जुड़ी क्रांतियों के रूप में हुआ। अनेक सराहनीय शुरूआतों के बावजूद बाद में इन प्रयासों में भी प्रायः कुछ कमजोरियां आ ही जाती थीं, और आधिपत्य की प्रवृत्ति को फिर प्रबल होने या पहले से भी अधिक प्रबल होने का मौका प्रायः मिल जाता था। आरंभ में इस प्रवृत्ति को हावी करने का अवसर किसी व्यक्ति को छोटे से समूह के स्तर पर ही मिल सकता था, पर बाद में आधिपत्य की महत्त्वाकांक्षा का बेहद विस्तार कर ऐसे साम्राज्य स्थापित किए गए जो लाखों पराजित लोगों और गुलामों पर आधिपत्य कर सकें। जब तक शक्तिशाली लोगों पर यह विचारधारा हावी थी,

यह स्वाभाविक ही था कि वे उपलब्ध संसाधनों और नये तौर-तरीकों का उपयोग इसी के विस्तार के लिए करते। इस प्रवृत्ति के विश्वव्यापी विस्तार का अवसर पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में नये समुद्री मार्गों और स्थानों की खोज से हुआ। यूरोप के देशों के लिए सबसे बड़ी खोज यह थी कि अमेरिकी महाद्वीपों और वहां के बहुमूल्य खनिजों के बारे में उन्हें पता चला। इसके साथ ही विश्व इतिहास के शायद सबसे निर्मम शोषण और तबाही की शुरूआत हुई।

यूरोप से दौलत और जमीन के लालच में गए लोगों ने यहां के मूल निवासियों (रेड इंडियनों) पर हर तरह के अत्याचार किए, उनसे जबरन मजदूरी करवाई, उनकी जमीन छीनी, अनेक जगह उनका कत्लेआम किया। करोड़ों की संख्या में यहां के मूल निवासी मारे गए। हजारों वर्ग मील के क्षेत्रों में वे खत्म ही कर दिए गए। अमेरिकी महाद्वीपों में कोलंबस के आगमन के समय (वर्ष 1500 के आसपास) लगभग 10 करोड़ लोग रहते थे। यूरोप के लोगों के यहां आने के बाद के डेढ़ सौ वर्षों में ही 90 प्रतिशत मूल निवासियों की मृत्यु हो गई, मात्र 10 प्रतिशत बचे। बाद में ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के मूल निवासियों पर भी ऐसा ही अत्याचार हुआ। उधर अमेरिका के मूल निवासी बड़ी संख्या में मारे जा रहे थे, इधर यूरोप के लुटेरों ने अफ्रीका के गुलामों को पकड़ कर अमेरिका के खेतों और खदानों में भेजना आरंभ किया। लगभग 350 वर्षों तक जारी रहे इस व्यापार में लगभग डेढ़ करोड़ अफ्रीकावासियों को गुलाम के रूप में अमेरिकी महाद्वीपों में भेजा गया। भेजने का तरीका इतना निर्दयी था कि लाखों गुलाम तो यात्रा के दौरान ही मर गए और अधिकांश अन्य की मौत कार्यस्थल पर निर्मम शोषण के कारण कुछ वर्षों में ही हो गई। साथ ही एशिया के अधिकांश देशों का इतना कठोर शोषण हुआ कि भुखमरी और अकाल से लाखों लोग मरने लगे। भारत का बंगाल प्रांत हो या इंडोनेशिया का जावा प्रांत, यूरोपीय शासकों के आने के कुछ ही समय बाद वहां आबादी के एक तिहाई से एक चौथाई हिस्से की अकाल में मृत्यु हुई।

औपनिवेशिक दौर ने कुछ देशों को बाहरी लूट के आधार पर भौतिक सुख-सुविधाओं और संपत्ति की ऐसी व्यवस्था खड़ी करने दी जिसे बनाए रखने के लिए आज भी अनेक तौर-तरीकों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विषमता और आधिपत्य की प्रवृत्ति को दृढ़ किया जा रहा है। अनेक राष्ट्रों की आंतरिक हालत भी ऐसी ही है-वहां संपत्ति और आय के वितरण में घोर विषमता है, और इसे बलपूर्वक कायम रखा जा रहा है। दूसरों के हक छीनने की, सब कुछ अपने लिए संचय करने की प्रवृत्ति हावी है। यह लालच एक प्रमुख कारण तो है पर मनुष्यों के आपसी संबंधों में आधिपत्य की प्रवृत्ति का एकमात्र कारण नहीं है। जहां लालच या छीनाझपटी की भावना नहीं है, वहां भी अपना मत स्थापित करने, अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने के अहंकार ने मनुष्यों के आपसी संबंधों में आधिपत्य को बनाए रखा है।

आधिपत्य के संबंधों में चाहे ऊपरी और फौरी तौर पर क्षति केवल दबाए गए व्यक्ति की होती है, पर गहरे और दीर्घकालीन स्तर पर क्षति दबाने और कुचलने वाले व्यक्ति की भी होती है। जो दूसरों से शोषण और निर्दयता का व्यवहार करते हैं, वे या तो इस कारण ऐसे अपराधबोध से पीड़ित होते हैं जो उनके जीवन की सुख-शांति छीन लेता है, अथवा (इस अपराधबोध से बचने के लिए) उन्हें अपने जीवन में इतनी संवेदनविहीनता लानी पड़ती है कि वे जीवन के अनेक प्रसन्नता और संतोष देने वाले अनुभवों से वंचित हो जाते हैं। इसका असर उनके जीवन के सबसे नजदीकी रिश्तों पर भी पड़ सकता है। यही कारण है कि जहां आधिपत्य के आधार पर बहुत सी भौतिक संपदा अर्जित कर ली जाती हैं, वहां भी तनाव, अवसाद और नैतिक पतन से जीवन तबाह रहता है। इन ऐतिहासिक सच्चाइयों को समझते हुए आधिपत्य, अन्याय और अहंकार के अभिशाप को कम करने को मानव प्रगति का एक महत्त्वपूर्ण आधार बनाना चाहिए।

संपादकीय

रिक्तियों पर मनमानी

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा है कि सरकारी नौकरी की प्रक्रिया चालू होने के बाद नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता। मामले में नौकरी से जुड़ी लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के उपरांत 75प्र. नंबर पर नियुक्ति का नियम बना दिया गया था। मामला राजस्थान हाई कोर्ट में अनुवादकों की भर्ती प्रक्रिया से संबंधित है। अदालत ने इस पर कहा कि नियमों में पहले से इसकी व्यवस्था हो कि पात्रता में बदलाव हो सकता है तो ही ऐसा किया जा सकता है लेकिन समानता के अधिकार का उल्लंघन करते हुए मनमाने तरीके से ऐसा नहीं हो सकता। पीठ ने कहा कि मौजूदा नियमों या विज्ञापन के तहत मानदंडों में बदलाव की अनुमति है तो इन्हें संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुरूप होना चाहिए।

चयन सूची में स्थान मिलने से नियुक्ति का कोई अपरिहार्य अधिकार नहीं मिल जाता। राज्य या उसकी संस्थाएं वास्तविक कारणों से रिक्त पद न भरने का विकल्प चुन सकती हैं। पीठ ने 1965 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यह अच्छा सिद्धांत है। राज्य या उसके तंत्रों को नियमों से छेड़छाड़. की अनुमति नहीं देनी चाहिए। मामले में तीन असफल उम्मीदवारों ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर कर इस परिणाम को चुनौती दी थी जिसे मार्च, 2010 में खारिज कर दिया गया। बाद में वे शीर्ष अदालत पहुंच गए। सरकारी नौकरियों में होने वाली धांधली कोई नई बात नहीं है पर कम ही मामलों में हताश अभ्यर्थी अदालत की शरण लेते हैं क्योंकि न्याय प्रक्रिया में जाते ही समय और धन का अतिरिक्त खर्च कांधों पर आ जाता है। जैसा कि इस मामले में चौदह सालों के इंतजार के बाद अन्ततः उनके पक्ष में फैसला आया। देश में बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। युवाओं की सारी जवानी रिक्तियों की आपूर्ति के इंतजार में निकल जाती है। कई दफा परिणाम देरी से आते हैं या रद्द तक हो जाते हैं। जो परीक्षाएं और साक्षात्कार होते हैं, उनमें होने वाली धांधली को लेकर परीक्षार्थी सशंकित रहते हैं। मगर राज्य सरकारों की कोताही को लेकर सब मौन हैं। नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़.का खमियाजा तो इन्हें भुगतना ही चाहिए।

चिंतन-मनन

पूर्वाग्रह न पालें

पुत्र वयस्क हो चुका था। उसने एक दिन पिता से कहा, पिताजी! आज से मैं आपके साथ भोजन नहीं करूंगा। यह कथन तनाव पैदा करने वाला था। पर पिता समझदार था। उसने तत्काल कहा, बेटा! कोई बात नहीं है। इतने दिनों तक तुम मेरे साथ भोजन करते रहे तो आज से मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। कोई खास बात नहीं है। पुत्र प्रसन्न हो गया। तनाव मिट गया। आप्रोश समाप्त हो गया। कोई अन्तर नहीं आया। पुत्र के मन में अहं जाग गया कि अब मैं पिता के साथ भोजन क्यों करूं? पिता ने उसके अहं को परोक्षतः पुष्ट करते हुए कह दिया, मैं तुम्हारे साथ भोजन करने लग जाऊंगा। यह है समन्वय की दृष्टि। समन्वय के दृष्टिकोण ने समस्या को सुलझा दिया।

आदमी में अनेक प्रकार के आग्रह होते हैं, पूर्वाग्रह होते हैं। एक बात पकड़ ली तो फिर उसे छोड़ने का मन ही नहीं होता। जैसे मकोड़ा टूट जाता है, पर अपनी पकड़ नहीं छोड़ता, वैसे ही आदमी टूट जाता है, पर आग्रह को नहीं छोड़ता। मकोड़ा अज्ञानी है। उसकी चेतना विकसित नहीं है। आदमी ज्ञानी है। उसकी चेतना बहुत विकसित है। वह पकड़ को, आग्रह को छोड़ भी सकता है। सामाजिक या पारिवारिक जीवन में आग्रह जितना कम होता है, उतना ही जीवन सुखद और शांत रहता है। आग्रही व्यक्ति छोटी-सी बात को इतना तान देता है कि वह बड़ी समस्या पैदा कर देती है। सारी उलझनें पूर्वाग्रह के कारण पैदा होती हैं। दोनों ओर का पूर्वाग्रह स्थिति को बिगाड़ देता है। एक व्यक्ति यदि आग्रह को छोड़ देता है, तो स्थिति सुलझ जाती है। खींचने का अर्थ ही है समस्या का उलझना। इससे तो समस्या सुलझती नहीं।

छोटे कारोबारियों एवं मध्यम वर्ग की आवाज बने, राहुल गांधी

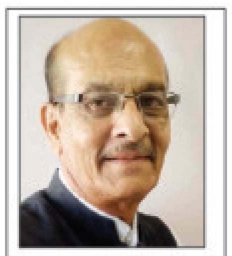

सनत जैन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक लेख लिखा है, जो कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का एकाधिकार सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। उसके कारण स्थानीय रोजगार, छोटे-छोटे कारोबारियों तथा लघु उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत छोटी एवं मध्यम इकाइयों को वर्तमान समय में जिस चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लेख में उन्होंने अपनी सोच प्रदर्शित की है। व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ती असमानता की समस्या, छोटे व्यापारियों को मिल रही गंभीर चुनौतियों ने मध्यम वर्ग के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से, बड़े कॉरपोरेट्स ने अपनी जड़ें भारत में गहरी कर ली हैं। जिसके कारण छोटे और मंझले व्यापारियों के लिए बाजार में टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले एक दशक में लाखों छोटे कारोबारियों ने अपना काम बंद कर दिया है। स्थानीय रोजगार बड़ी तेजी के साथ कम होता जा रहा है। पिछले दो दशक में गांव-गांव में ब्रांडेड पैक्ड फूड बिकने लगा है। अब पानी भी गांव-गांव में बिक रहा है। ऑनलाइन ब्रांडेड सामान अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। यह स्थिति छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय उत्पादनकताओं के हितों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा में बने रहना मुश्किल हो गया है। दुग्ध उत्पादक, होटल व्यवसाय, छोटे-छोटे कारोबारी जो स्थानीय स्तर पर अपने उत्पाद तैयार करते थे, वह सब धीरे-धीरे बेरोजगार होते जा रहे हैं। बाजारबाद के चलते बड़े-बड़े कॉरपोरेट ने स्थानीय बाजारों में अपना कब्जा जमा लिया है। शहरों की बीमारियां अब गांव-गांव तक पहुंचने लगी हैं। कारोबार पर कॉर्पोरेट का एकाधिकार होता चला जा रहा है। इस बदलती हुई परिस्थितियों में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेख के माध्यम से अर्थव्यवस्था और भारतीय जीवन शैली को अर्थव्यवस्था के आधार के साथ-साथ रोजगार और महंगाई इत्यादि से जोड़कर उन्होंने समग्र चिंतन रखा है। राहुल गांधी छोटे एवं मध्यम स्तर के कारोबारियों एवं उद्योगों के लिए एक समान अवसर की मांग कर रहे हैं। ताकि स्थानीय स्तर पर कमजोर और मध्यम वर्ग अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ सकें। वर्तमान में बड़े व्यवसायिक घराने और कॉरपोरेट्स को विशेष सुविधाएं, कर रियायतें और अन्य लाभ सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे एवं मध्यम वर्ग के कारोबारियों को प्रशासनिक कठिनाइयों और कानून की जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास सीमित संसाधन होते हैं। यह असमानता उनके विकास और आर्थिक आधार के अवसरों को सीमित कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने भी छोटे व्यापारियों की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है। बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को अत्याधिक रियायतें और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। रियायत देकर वह पहिले सस्ते में सामान बेचते हैं। करोड़ों रुपए का घाटा उठाते हैं, जब मार्केट में एकाधिकार हो जाता है। उसके बाद कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का शोषण करते हैं। बड़े कारपोरेट की इस चुनौती का सामना परंपरागत कारोबारियों को नुकसान के रूप में हो रहा है। ऑनलाइन खरीदारी का चलन बढ़ने से छोटे व्यापारी पारंपरिक व्यापार एवं ग्राहकों से दूर होते चले जा रहे हैं। उन्हें अपना व्यापार बंद करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने अपने लेख में सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया है। उन्होंने लिखा है, सरकार को चाहिए वह इस समस्या का समाधान खोजे। छोटे व्यापारियों को भी समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत बदलाव करे। सरकार बड़े कॉरपोरेट्स के लिए अनुकूल नीतियाँ उनकी मांग और उनके मुनाफे के आधार पर बनाती है। सरकार को छोटे एवं मध्यम कारोबारियों के विकास और संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जो स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध करा पायें एवं उपभोक्ताओं का हितों की लंबे समय तक पूर्ति कर पाएं। एकाधिकार के स्थान पर प्रतिस्पर्धा का माहौल बने। इसके लिए कर प्रणाली में सुधार, छोटे व्यवसायों के लिए अनुदान, ऋण की सुलभता, सरल नियम, छोटे कारोबारी और उत्पादकों के लिए बाजार को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराना आवश्यक है। राहुल गांधी ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर छोटे व्यापारियों के उत्पादों को भी समान अवसर मिले, इसके लिए एक नवीन नीति तैयार करने की मांग सरकार से की है। भारत में खान-पान की विविधता, पारंपरिक वेशभूषा, पारंपरिक संस्कृति भारत के प्रत्येक राज्य में अलग-अलग है। सरकार को इसको बनाए रखने के लिए इसको बढ़ावा देने की जरूरत है। समय की मांग है, व्यापारिक क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जाए। हर व्यापारी, चाहे वह बड़ा हो या छोटा, अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हो सके। स्थानीय, प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार में समान अवसर उपलब्ध कराने से स्थानीय जरूरत के अनुसार रोजगार के अवसर

बढ़ेंगे। आर्थिक तंत्र मजबूत होगा। बेरोजगारी, महंगाई एवं आर्थिक समृद्धि की दिशा में राहुल गांधी के जो सुझाव हैं उसमें वास्तविक समस्याओं का समाधान है। यदि सरकारी नीतियों में बदलाव किया जाता है, तो निश्चित रूप से इसका लाभ समाज के सभी वर्गों को होगा। राहुल गांधी का जो आर्थिक चिंतन है, उसकी सराहना की जाना चाहिए। बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के वर्तमान में जो वास्तविक स्थिति है, उसके निराकरण के लिए पक्ष और विपक्ष को बेहतर सोच के साथ मिलकर काम करना होगा। तभी इसके बेहतर और दीर्घकालीन परिणाम मिलेंगे। भारत के आर्थिक और सामाजिक आधार को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव होगा। इससे सामाजिक एवं आर्थिक संतुलन भी बना रहेगा। समय के साथ भारतीय समुदाय भी विकास के इस क्रम में सारी दुनिया के साथ कदमताल कर पाएगा। राजनीति का वास्तविक स्वरूप भी यही है। जिसमें समाज के सभी वर्गों के लिए लोक कल्याण की भावना हो। सभी राजनीतिक दल उसके लिए एकजुट होकर प्रयास करें।

वैश्विकी : ट्रंप की अगली पारी

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल करीब 70 दिन बाद शुरू होगा। इस बीच, दुनिया के विभिन्न देश इस बात का लेखा-जोखा ले रहे हैं कि ट्रंप प्रशासन की नीतियों से उन पर क्या असर पड़ेगा। आम तौर पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप घरेलू नीतियों को प्राथमिकता देंगे, लेकिन दुनिया की नजर इस बात पर है कि अमेरिका की विदेश नीति में क्या बदलाव होगा। वैसे अमेरिका की घरेलू आर्थिक नीतियों का दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा असर पड़ता है। यदि ट्रंप संरक्षणवादी आर्थिक नीतियों पर अमल करते हैं तो विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक असर पड़ेगा। आर्थिक नीतियों का प्रयोग राजनीतिक और रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भी किया जाता है। उदाहरण के लिए यदि चीन से आयात होने वाले माल पर शुल्क बढ़ाया जाता है तो यह चीन के खिलाफ एक रणनीतिक कदम माना जाएगा लेकिन आयात शुल्क में बढ़ोतरी से अमेरिका के सहयोगी यूरोपीय देशों पर भी विपरीत असर पड़ेगा।

इसी तरह अन्य देशों से अमेरिका आने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई अथवा उन्हें देश से निकालने का फैसला भी अनेक देशों के लिए चिंता का विषय है। सबसे अधिक प्रभावित होने वाले देशों में मैक्सिको तथा दक्षिणी अमेरिका के देश शामिल हैं। भारत पर भी कुछसीमा तक इसका असर पड़ेगा।

दुनिया का सबसे अधिक ध्यान इस बात पर केंद्रित है कि यूक्रेन-रूस युद्ध के बारे में ट्रंप क्या पहल करते हैं। चुनाव प्रसार के दौरान उन्होंने कहा था कि वह 24 घंटे के अंदर युद्ध समाप्त करा देंगे। ट्रंप का कार्यकाल जब शुरू होगा उस समय यूक्रेन युद्धको करीब तीन साल पूरे हो जाएंगे। इस समयावधि में युद्ध के मोर्चे पर हालात बदल गए हैं। रूस के खिलाफ यूक्रेन की सेना लड़खड़ा रही है। अमेरिका और यूरोपीय देशों के आर्थिक और सैन्य समर्थन-सहयोग के बावजूद समीकरण रूस के पक्ष में हैं। यदि वहां युद्ध-विराम होता है तो यूक्रेन का करीब एक तिहाई हिस्सा रूस के अधिकार में होगा। इसे अमेरिका और पश्चिमी देशों की रणनीतिक पराजय के रूप में देखा जाएगा।

चुनाव परिणाम आने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने ट्रंप से टेलीफोन पर बातचीत की। उस समय ट्रंप के साथ उद्यमी एलन मस्क भी मौजूद थे। ट्रंप ने बातचीत के लिए टेलीफोन मस्क को सौंप दिया। अमेरिकी विशेषज्ञ इसे इस बात का संकेत मान रहे हैं कि नये ट्रंप प्रशासन में मस्क की प्रमुख भूमिका होगी। कुछ समीक्षक तो यह भी ऐलान कर रहे हैं कि मस्क अमेरिका के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के रूप में उभर सकते हैं। सरकार के काम-काज ही नहीं, बल्कि विदेश नीति में भी उनका निर्णायक दखल होगा।

बातचीत के दौरान मस्क ने कथित रूप से जेलेंस्की को भरोसा दिलाया कि वह अपनी उपग्रह संचार प्रणाली स्टारलिंक की सेवाएं यूक्रेन को देना जारी रखेंगे। यूक्रेन की सेना अपनी कार्रवाइयों में स्टारलिंक का इस्तेमाल कर रही है। जेलेंस्की की ओर से दावा किया गया कि ट्रंप ने उन्हें अमेरिका का समर्थन जारी रखने का आश्वासन दिया है। मस्क पिछले काफी दिनों से रूस के राष्ट्रपति पुतिन से संपर्क बनाए हुए हैं। संभव है कि यूक्रेन और रूस युद्ध विराम और उसके बाद शांति वार्ता शुरू करने में सहमत हो जाएं। ट्रंप प्रशासन में भारतीय मूल अथवा भारत समर्थक लोगों को शामिल किए जाने पर कयास लगाए जा रहे हैं। सबसे अधिक चर्चा इस बात की है कि खुफिया एजेंसी सीआईए अथवा संघीय जांच एजेंसी एफबीआई की कमान प्रमोद कश्यप पटेल (काश पटेल) को सौंपी जा सकती है। काश पटेल को ट्रंप का विश्वस्त माना जा रहा है तथा वह ट्रंप विरोधियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए जाने के हिमायती हैं। इसके अलावा, विवेक रामास्वामी और तुलसी गबार्ड. को भी नये प्रशासन में महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जा सकती हैं। हालांकि अमेरिका का सत्ता प्रतिष्ठान इस बात की पूरी कोशिश करेगा कि ट्रंप प्रशासन में ऐसे लोगों की घुसपैठ कराई जाए जो अमेरिका की पुरानी नीतियों को जारी रखने की कोशिश करेंगे। ट्रंप के लिएआगे की डगर आसान नहीं है।

एक नजर

गुवा के कल्याण नगर में हुई जागरूकता रैली महिलाओं ने ली मतदान की शपथ

चाईबासा : गुवा पश्चिमी पंचायत कलस्टर की महिला समूह की महिलाओं ने गुवा के कल्याण नगर में रविवार शाम 5 बजे मतदाता जागरुकता अभियान के तहत जागरुकता रैली सह शपथ ग्रहण का आयोजन किया। जागरुकता रैली गुवा के कल्याण नगर, भट्टी साई, विवेक नगर, बिरसा नगर, थाना रोड आदि होते वापस कल्याण नगर पहुंचा।
तमाम लोगों को हर हाल में मतदान करने की अपील
सारी महिलाओं ने गुवा थाना के एसआई अजय कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में गुवा के तमाम लोगों को हर हाल में अपने-अपने बूथों पर जाकर 13 नवंबर को स्वयं एवं आसपास के लोगों को भी ले जाकर मतदान कराने की अपील की। उपस्थित महिलाओं को मतदाता जागरुकता अभियान को लेकर शपथ ग्रहण कराया गया। इस अभियान में जेएसएलपीएस जेंडर सीआरपी ममता देवी, गीता देवी, अनुराधा राव, संजू कर्मकार, लता कर्मकार, रेहाना खातून सहित अन्य मौजूद थी।

दूसरे दिन तक होम वोटिंग से 97 मतदाताओं ने माताधिकार का किया प्रयोग

साहिबगंज : विधानसभा चुनाव 2024 के तहत शुरू हुई होम वोटिंग प्रक्रिया के दुसरे दिन तक 85 प्लस व दिव्यांग सहित कुल 97 मतदाताओं ने होम वोटिंग के जरिये अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राजमहल विधानसभा से साहिबगंज, राजमहल व उधवा के कुल 37 चिन्हित 85 प्लस मतदाताओं में 35, बोरियो विधानसभा के मंडरो, बोरियो, तालझारी व बोआरीजोर के 19 में 13 व बरहेट विधानसभा के बोआरीजोर, सुंदरपहाड़ी, बरहेट व पतना के 11 में 07 वोटर ने होम वोटिंग की। वहीं राजमहल विधानसभा से 37 दिव्यांगों में 31, बोरियो विधानसभा से 09 में 04 एवं बरहेट विधानसभा से 11 में 7 दिव्यांग मतदाताओं ने होम वोटिंग से अपने माताधिकार का प्रयोग किया।

अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी, पांच महुआ चुलाई भट्ठी ध्वस्त

जमशेदपुर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार अवैध शराब कारोबारियों के विरूद्ध लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। उत्पाद विभाग की टीम ने अवैध शराब के विनिर्माण के विरुद्ध जादूगोड़ा एवं घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टेड़गा, थाना जादूगोड़ा के दुर्गम पहाड़ी जंगलों में छापामारी अभियान चलाया। छापामारी में कुल पांच अवैध महुआ चुलाई शराब भट्ठियों को पूर्णतया ध्वस्त किया गया। 130 लीटर अवैध चुलाई शराब, 2000 किलोग्राम जावा महुआ बरामद प्राप्त जानकारी के अनुसार इन अवैध शराब भट्ठियों से कुल 130 लीटर अवैध चुलाई शराब तथा शराब बनाने के लिए रखा गया कुल 2000 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया गया। अवैध चुलाई शराब विनिर्माण में संलिप्त सभी अभियुक्तों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के उल्लंघन का मामला दर्ज करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

जनता अपने भूमिपुत्र को विजयी बनाने को कमर कस चुकी है : सुदेश महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : एनडीए उम्मीदवार हरेलाल महतो के पक्ष में रविवार को नीमडीह के रघुनाथपुर में भव्य पदयात्रा निकाली गई। इस पदयात्रा में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सामिल हुए। पदयात्रा अमूल्य महतो मेला टांड़ से शुरू होकर पूरे रघुनाथपुर बाजार का भ्रमण किया, पदयात्रा का समापन शहिद निर्मल महतो चौक पर हुआ, जहां सुदेश महतो ने शहीद निर्मल महतो के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। पूरे पदयात्रा में एनडीए कार्यकताओं ने जोश और उत्साह के साथ खूब नारेबाजी की। पदयात्रा के दौरान रघुनाथपुर बाजार के दुकानदारों एवं स्थानीय लोगों ने अपने प्रतिष्ठान एवं घर की छतों से सुदेश महतो का अभिवादन किया। सुदेश महतो ने नीमडीह क्षेत्र के मतदाताओं से केला छाप पर वोट देकर एनडीए उम्मीदवार हरेलाल महतो को विजय बनाने का अपील किया। इस दौरान सुदेश महतो ने कहा कि ईचागढ़, नीमडीह, कुकड़ू और चांडिल वीर शहीदों की भूमि है इस भूमि की सेवा के लिए हरेलाल महतो उपयुक्त जनसेवक है। हमने एक दायित्वन एवं कर्मठ जनसेवक को अपना उम्मीदवार बनाया है। सुदेश महतो ने कहा कि ईचागढ़ की जनता इस बार बदलाव चाहती है तथा अपने भूमि पुत्र को विजय बनाने के लिए कमर कस चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारे संकल्प पत्र जनमुद्दों पर आधारित है हम युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है। मौके पर एनडीए उम्मीदवार हरेलाल महतो ने पदयात्रा में सामिल आजसू एवं भाजपा के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक एवं जनता के प्रती आभार व्यक्त किया। इस मौके पर नीमडीह जिला परिषद सदस्य सह आजसू केंद्रीय सदस्य असित सिंह पात्र, सत्यनारायण महतो, भाजपा नेता देवाशीष राय, वरिष्ठ भाजपा नेता पप्पू वर्मा, अशोक साव, नवकिशोर महतो, अनिता पारित, बैद्यनाथ महतो, अमूल्य महतो, दिगम्बर सिंह, विशाल चौधरी, महेश कुंडू, भरत महतो, प्रभात पोद्दार, दुर्योधन गोप, दिलीप महतो, विपुल सिंह सरदार, अमला मुर्मू , कंचन सिंह, भोला सिंह सरदार, राजू दत्ता, सुलोचना प्रमाणिक, रेखा प्रमाणिक, रेणुका पुरान, अरुण महतो, सुदर्शन महतो समेत हजारों कार्यकर्ता सामिल थे। आज चांडिल बाजार में एनडीए उम्मीदवार के समर्थन में पदयात्रा का आयोजन किया गया है, जिसमें आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो समेत कई भाजपा के दिग्गज नेता सामिल होंगे।

भाजपा प्रत्याशी अनन्त ओझा ने किया जनसंपर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : राजमहल विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी अनन्त कुमार ओझा ने राजमहल प्रखंड के पश्चिमी जामनगर,दरला सहित विभिन्न पंचायतों में जनसंपर्क व जनसंवाद किया। दस वर्षों में क्षेत्र में किये गए विकास योजनाओं को जनता को बताया और क्षेत्र में किये गए कार्यो का पत्रक भी लोगो के बीच दिया। भाजपा प्रत्याशी अनन्त कुमार ओझा ने लोगो से कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली हेमन्त सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए राजमहल विधानसभा क्षेत्र में फिर एक बार कमल खिलाना। कहा कि हेमन्त सोरेन सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही हैं जिस से यहाँ की डेमोग्राफिक में तेजी से बदलाव आया हैं,भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में घोषणा किया हैं कि एक एक घुसपैठियों को यहाँ बंगलादेश भगाया जाएगा। कहा कि विपक्षी लोग हिंदुओ को जाती में बांटकर अपना तुष्टिकरण की राजनीति को कायम रखना चाहते है जबकि यही लोग मुस्लिमों का जाती का बात नहीं करते हैं जनता इन्हें करार जवाब देगी।भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि राजमहल में एक भी सरकारी कॉलेज नहीं था मेरे द्वारा राजमहल में मॉडल डिग्री कॉलेज का निर्माण कराया गया। कॉलेज के बगल में परीक्षा भवन का निर्माण चल रहा हैं राजमहल में आजादी के बाद पहली बार स्टेडियम का निर्माण हुआ। बस स्टैंड का निर्माण हुआ। शहरी पेयजलापूर्ति योजना और ग्रामीण पेयजलापूर्ति योजना जो मैं पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में लाया था उसको हेमन्त सोरेन सरकार पांच वर्षों तक लटकाने और भटकाने का काम किया।

वोट बैंक की राजनीति करने वालों को जनता इस बार सबक सिखाएगी : बाबुधन मुर्मू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : लिट्टीपाड़ा विधानसभा भाजपा के प्रत्याशी ने भ्रमण के दौरान लोगों से की समर्थन की अपील। रविवार को लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से एनडीए के उम्मीदवार श्री बाबुधन मुर्मू ने भाजपा के कई पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ विभिन्न गावों में भ्रमण कर आमजनों से संवाद किया। उनका यह अभियान सूरज बेड़ा से शुरू होकर लखनपुर और कर्मा टाड़ होते हुए बैद्यनाथ पुर पहुंचा। इस दौरान उनके साथ ST मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किस्टू सोरेन , ST मोर्चा जिला कार्यसमिति सदस्य रुशील हेमब्रम, मण्डल अध्यक्ष राजदीप कर्मकार , जिला कार्य समिति सदस्य राम मंडल , सह संयोजक राजू मरांडी, युवा नेता जय मालतो, मुखिया शिव टुडू एवं प्रधान चंदू पहाड़िया उपस्थित रहे। विभिन्न सभाओं के दौरान उन्होंने JMM और झारखंड सरकार पर कई आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछले 40 वर्षों से लिट्टीपाड़ा में कोई विकास कार्य नहीं हुए। कई गावों की समस्याएं देखकर मेरी आंख भर आती है। JMM सिर्फ वोट बैंक की राजनीति कर चुनाव जीतती रही है। उन्होंने आगे बढ़ते हुए दावा किया कि इस बार लिट्टीपाड़ा की जनता नफरत फैलाने वाली पार्टी JMM को करारा सबक सिखाएगी। 20 नवंबर को मतदान के दौरान जनता अपने मत के प्रयोग से उन्हें जवाब देगी। जनसंपर्क के दौरान उन्हें सुनने के लिए ग्रामवसियों में काफी उत्साह दिखा, विभिन्न स्थानों पर उनका उत्साह के साथ स्वागत किया गया।

जिला पदाधिकारी ने होम वोटिंग, रिसीविंग सेंटर एवं कमीशनिंग कार्य का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विधानसभा आम चुनाव 2024 निष्पक्ष, निर्भिक एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती ने जिला में चल रहे होम वोटिंग का निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में 01-राजमहल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के 85+ वरिष्ठ मतदाता अंजनी कुमार सिन्हा से मिले एवं उन्हें पुष्प देकर लोकतांत्रिक के इस महान पर्व में सम्मिलित होने को लेकर आभार प्रकट किया। वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा माइक्रो आब्जर्वर, पीठासीन पदाधिकारी को होम वोटिंग से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तत्पश्चात जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज,साहिबगंज में बनाए जा रहे रिसीविंग सेंटर में चल रहे कार्यों का जायजा लिया।साथ ही समाग्री कोषांग का निरीक्षण किया निरीक्षण के क्रम में निर्वाचन आयोग के द्वारा दिए गए निर्वाचन कार्य से जुड़े समाग्री का अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं विधानसभा चुनाव 2024 अंतर्गत ईवीएम-वीवीपीएटी के कमीशनिंग आज से प्रारंभ किया गया। 03- बरहेट सामान्य प्रेक्षक मजीद खलील अहमद ड्राबु एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी हेमंत सती के द्वारा सीयू, बीयू एवं वीवीपीएटी के द्वितीय रेंडमाइजेशन के उपरांत कमीशनिंग का कार्य का जायजा लिया।

आजसू प्रवक्ता अप्पू तिवारी के नेतृत्व में चला जनसंपर्क, रामचंद्र सहिस के लिए मांगा वोट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : घोड़ाबंधा पंचायत क्षेत्र में आजसू प्रवक्ता अप्पू तिवारी के नेतृत्व में एनडीए प्रत्यासी रामचंद्र सहिस के पक्ष में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों से एकजुट होकर राष्ट्रहित और राज्यहित में मतदान करने का आग्रह किया गया।साथ ही 'बटेंगे तो कटेंगे' का नारा देते हुए वोट की अपील की गई। इस दौरान खड़ंगाझार बाजार, सब्जी मार्केट, शिवनगरी, ज्योति नगर, कार्तिक नगर, राधिका नगर सरीखे बस्तियों में डोर टू डोर व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जनसंपर्क में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष प्रकाश विश्वकर्मा, आकाश सिन्हा, भाजपा के धनुर्धर त्रिपाठी, पूर्व भाजपा जिला प्रवक्ता अंकित आनंद, पंकज मिश्रा, प्रकाश विश्वकर्मा, प्रकाश ठाकुर, सुमित जायसवाल, अभिनव राठौड़, अजय गिरी, अमन लोहार, गौरव सिंह, अजय पॉल, विकास पांडेय, गौरव कुमार, अशोक स्वामी, मनोज कुमार, प्रकाश पुरी, गौरव कुमार सहित कई नेता मौजूद रहे।

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ एक होकर लड़ें : मोहन यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दुमका : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि जहां-जहां बांग्लादेशी घुसपैठिए बढ़े हैं वहां-वहां सनातन और मंदिरों पर हमले बढ़े हैं। बांग्लादेशी घुसपैठिए यहां की संस्कृति को मिटाना चाहते हैं। यह चुनाव हमारी जवाबदेही का चुनाव है। इसलिए किसी के बहकावे में नहीं आएं। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर सभी को एक होकर लड़ना चाहिए। यहां बांग्लादेशी घुसपैठियों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यादव सरैयाहाट के चंपागढ़ मैदान में पोड़याहाट विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी देवेंद्रनाथ सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर में धारा 370 लगाकर वहां खून की नदियां बहाई। करीब 40 हजार लोग मारे गये, जिसमें कश्मीरी पंडित, भारतीय सैनिक और आम हिन्दू हैं लेकिन भाजपा ने देश से उस कलंक को मिटाया। जहां लोग मंदिर में पूजा नहीं कर सकते थे वहां आज भाजपा की वजह से लोग मंदिरों में जाकर पूजा कर रहे हैं। दिवाली और दुर्गा पूजा मना रहे हैं। यादव ने कहा कि अब तो कांग्रेस और उनके सहयोगियों की हालत यह हो गई है कि उनके मुख्यमंत्री जेल जा रहे हैं। झारखंड में भाजपा की सरकार आते ही यहां के चोरों को फिर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड का गठन अटल बिहारी वाजपायी की वजह से हुआ। उन्होंने झारखंड को देश के सबसे समृद्ध राज्य के रूप में विकसित करने का सपना देखा था लेकिन झारखंड को कोंग्रेस व झामुमो ने रसातल पर पहुंचा दिया। कृषि प्रधान क्षेत्र में आज किसानों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। राज्य में भाजपा की सरकार आते ही किसानों को इस समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। बड़े नदियों से पाईप लाईन के जड़िए सरैयाहाट के किसानों को सिंचाई का पानी पहुंचाया जाएगा। यादव ने कहा कि कोंग्रेस नहीं चाहती थी कि कभी इस देश में भगवान राम का मंदिर बने। कांग्रेस ने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में शपथ पत्र भी दिया था कि मंदिर नहीं बने। अब भगवान कृष्ण का मंदिर भी जल्द बनेगा, चाहे कांग्रेस की चंडाल चौकड़ी कितना भी व्यवधान डालें। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोलते हुए कहा कि जमानत पर बाहर आया मुख्यमंत्री घूम-घूमकर बेशर्मों की तरह वोट मांग रहा। अब आपकी बारी है। चुनाव के दिन भाजपा को वोट कर उनकी जमानत जब्त करवाते हुए उन्हें फिर से वहीं भिजवा दें जहां से होकर वे अभी आए हैं। सभा को सांसद निशिकांत दुबे और पोड़ैयाहाट भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र नाथ सिंह ने भी संबोधित किया।

संक्षिप्त खबरें

पटमदा में जवानों ने किया फ्लैग मार्च

पटमदा : पटमदा थाना से बेलटांड चौक तक जिला प्रशासन के निर्देश पर ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग,पटमदा डीएसपी वचनदेव कुजूर,बीडीओ, सीओ रंजन दास, थाना प्रभारी करम पाल भगत सहित एसएसबी आईटीबीपी बल के साथ फ्लैग मार्च आदर्श आचार संहिता को ध्यान में रहते हुए किया। इस दौरान लंबी कतार में पुलिस बल शामिल हुए।

निर्दलीय प्रत्याशी सुखराम हेंब्रम ने किया विभिन्न गांवों का दौरा, समर्थन में मांगा वोट

सरायकेला : ईचागढ़ विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी सुखराम हेंब्रम ने आज चांडिल, नीमडीह प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में दौरा करते हुए अपने पक्ष में समर्थन मांगा और फुटबॉल खिलाड़ी चुनाव चिन्ह में क्रमांक संख्या 23 में 13 नवंबर को अपने बहुमत मतदान दे कर विजय बनाए, इस दौरान विभिन्न गांवों में जनसंपर्क चलयागया ,बड़ालाखा, कांदरबेड़ा, सिमागोड़ा शहरबेड़ा, चिरुगोड़ा, रोयाडीह ,कुरली, जुनाडीह, तुलिन, माकुलाकोचा, कदमझोर, दुबराजपुर, हामसादा, काठझोर, घोड़ानेगी लेगंडीह, आमड़ा, वनडीह, हुटुब, फारेंगा, पाहाड़ मुड़ी, नीमडीह, दोड़दा, दारुदा आदि। जनसंपर्क के दौरान सुखराम हेंब्रम ने लोगों से मिले तथा उनकी समस्याओं से अवगत हुए। एवं अपने पक्ष में वोट करने का अपील किए। स्थानीय उम्मीदवार होने के कारण सुखराम हेंब्रम को जनता की आशीर्वाद मिल रहा हे। ग्रामीणों में परिवर्तन की लहर दिख रहा है। जनसंपर्क अभियान के दौरान मौके पर राकेश महतो,मोहन महतो,मेहिर सिंह मुंडा, रविन्द्र तिवारी, निर्मल टुडू, सोनाराम टुडू, अल्ताफ अंसारी, आसिम अंसारी,रोहन अंसारी, संतोष बेसरा,सोमचांद लायक, नकुल लायक,भीम लायक, विदेश कुमार,मलई कुमार,मनोज सिंह, मंगल सोरेन, देवलाल कुमार, शिवनाथ कुमार एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष बरकत खान ने प्रखंड के सभी पंचायतों में चलाया जनसंपर्क अभियान

बरहरवा : कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष बरकत खान ने बरहरवा प्रखण्ड अंतर्गत सातगाछी पंचायत के तेतुलिया, जगन्नाथपुर, कुसमी लखीपुर, श्यामपुर, सातगाछी, माधोपाडा, रानीग्राम, चापुजान, ग्रामसीर, अढ़ाईटीकर,मालिन, श्रीरामपुर, चांदना ग्रामों में नुक्कड़ सभा के माध्यम से प्रत्याशी निशात आलम के पक्ष में चुनाव प्रचार प्रसार किया, साथ ही डोर टू डोर जाकर निसात आलम को भारी बहुमत से चुनाव जीतने का आग्रह मतदाताओं से किया। बरकत खान ने नुक्कड़ सभा के माध्यम से मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 5 वर्ष में एक बार चुनाव आता है अपने मत का प्रयोग सोच समझ कर करें। चुनाव के समय आने वाले प्रत्याशियों के लोक लुभावने बातों पर ना आएं। इंडिया गठबंधन की सरकार ने झारखंड में अनेक जन उपयोगी योजनाए अबुवा आवास,बिजली बिल का माफी,200 यूनिट बिजली फ्री,किसानों का लोन माफी,मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना, फूले बाई सावित्री योजना के तहत छात्राओं को पेंशन का लाभ,फूलों झानो आशीर्वाद योजना का लाभ प्रदान किया है। पुनः झारखंड में गठबंधन की सरकार बनने के उपरांत अनेकों जन उपयोगी योजनाएं धरातल पर लाया जाएगा। मौके पर हीरालाल साहा, तकरीज आलम, तसद्दुक हुसैन,अजादुर रहमान, हिदायत खान, तूफानी शेख, मनोज रविदास, तामू शेख, संजय साहा, संदीप भगत सहित सैकड़ों कार्यकर्त्ता मौजुद थे।

अंतरराज्यीय व अंतरजिला सीमाओं पर बढ़ाई गई निगरानी, मतदान के 72 घंटा पूर्व बॉर्डर सीलिंग की कार्रवाई शुरू

पूर्वी सिंहभूम : जिला प्रशासन मतदान के 72 घंटे पूर्व भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत एसओपी का पालन करने में जुट गया है। इसके तहत जिले की अंतरराज्यीय व अंतरजिला सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है। मतदान के 72 घंटा पूर्व बॉर्डर सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने मतदान की तिथि से 72 घंटा पूर्व विधि-व्यवस्था एवं आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश मातहत अधिकारियों को दिया है। होटल, हॉस्टल, लॉज की सघन जांच की जायेगी जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि चुनाव में असामाजिक और विघटनकारी तत्वों का जिला की सीमा में प्रवेश को रोकने के लिए अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला सीमाएं सील की जाएं। वहीं मतदान के 48 घंटा पूर्व कल्याण मंडप, मैरिज हॉल, अतिथिगृह और धर्मशालाओं की निगरानी रखने के लिए कहा। साथ ही होटल, हॉस्टल, लॉज आदि की सघन जांच की जायेगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इनका उपयोग राजनीतिक दलों या अभ्यार्थियों द्वारा किसी भी तरह से मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए नहीं किया जाय। मतदान के दिन प्रत्याशियों को तीन वाहन की मिलेगी अनुमति निर्वाचन आयोग के एसओपी के तहत मतदान के दिन अभ्यर्थियों के लिए एक वाहन, निर्वाचन अभिकर्ता के लिए एक वाहन और अभ्यर्थी के कार्यकताओं अथवा दलीय कार्यकताओं के लिए एक वाहन की ही अनुमति रहेगी। मतदान के दिन बूथों पर जाने के लिए निजी वाहनों को मतदान केंद्र के 200 मीटर की त्रिज्या के भीतर अनुमति नहीं होगी। वहीं मतदान के दिन केंद्र के 100 मीटर की परिधि में अधिकारियों को छोड़कर किसी अन्य को सेल्यूलर फोन, मोबाइल, बेतार दूरभाष आदि पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा।

भाव बढ़ने, शादी-विवाह की मांग से तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

देश में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम 5-7 रुपए घटे

नई दिल्ली ।

विदेशी बाजारों में खाद्यतेलों के दाम मजबूत होने तथा शादी विवाह के मौसम की मांग बढ़ने के कारण देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। आवक बढ़ने और निर्यात मांग कमजोर रहने के बीच मूंगफली तिलहन के दाम पिछले सप्ताहांत के स्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार मूंगफली की आवक बढ़ रही है और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से भी नीचे दाम पर बिक रही है। मूंगफली तेल मिल वालों को मूंगफली तेल के निर्यात मांग बढ़ने का इंतजार है। विदेशी तेलों के दाम लगभग 15 प्रतिशत बढ़े हैं, अपितु देश में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में 5-7 रुपये लीटर घटे हैं। कुछ खाद्यतेल समीक्षकों को दाम में बेतहाशा वृद्धि की उम्मीद हो रही थी, लेकिन मूंगफली और सोयाबीन किसानों के उत्पादन में मुश्किलों के साथ कुछ समस्याएं हैं। सरकारी खरीद की गारंटी की वजह से कपास की अच्छे दामों पर खपत बढ़ रही है, जिससे किसान अपने माल को अच्छे दाम में बेच सक रहे हैं। सरकार को देशी तेल-तिलहनों का बाजार विकसित करने और तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने की प्राथमिकता देनी चाहिए। भावांतर में सरसों दाने का थोक भाव अपने पिछले सप्ताह की तुलना में 15 रुपये के सुधार के साथ 6,615-6,665 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल तो 14,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव में 175-175 रुपये की गिरावट के साथ अपने पिछले सप्ताह की तुलना में 4,550-4,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार मूंगफली और सोयाबीन किसानों को उत्पादन बढ़ाने के विविध योजनाओं की आवश्यकता है ताकि उन्हें हिम्मत और साहस बना रखने में मदद मिल सके। खुदरा मूंगफली और सोयाबीन की कीमतों में गिरावट से किसानों को नुकसान हो सकता है, इसलिए उन्हें उत्पादन के प्रोत्साहन और सुरक्षित बाजार देने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है।

एयरलाइन के पास वित्त वर्ष 25 के अंत तक होंगे 110 विमान!

मार्च, 2025 के अंत तक कुल 55 गंतव्यों के लिए उड़ानें भरने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया (एआई) एक्सप्रेस ने अपनी नई रूट प्लान जारी किया है, जिसके तहत वे छोटे शहरों और कस्बों को महानगरों से जोड़ने के साथ ही नए विदेशी गंतव्यों के लिए भी एक्सप्रेस उड़ानें भरेंगे।एयरलाइन के पास लगभग 90 विमानों का बेड़ा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह संख्या 110 को पार कर सकती है। कंपनी का लक्ष्य मार्च, 2025 के अंत तक कुल 55 गंतव्यों के लिए उड़ानें भरना है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) ने इस बारे में एक बयान जारी किया, कहते हैं, टियर-2 और टियर-3 शहरों और कस्बों पर जो सेवाएं शुरू होंगी, उनमें बाजार का सबसे बड़ा हिस्सा फालोवा में गैर-मेट्रो शहरों को शामिल किया गया है।एयर इंडिया एक्सप्रेस की यह नई योजना उड़ानें बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छोटे शहरों को विभिन्न गंतव्यों तक जोड़ने में मदद करेगा। इससे यात्रियों को अधिक विकल्प मिलेंगे और नए गंतव्यों का विकास होगा।यह योजना टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन थाईलैंड के बैंकॉक और फुकेट जैसे और विदेशी गंतव्यों के लिए भी सेवाएं शुरू करने की योजना बनाता है।आगे की योजनाओं में मलेशिया, हांगकांग और अन्य सीआईएस देशों के लिए भी उड़ानें जोड़ने की संभावनाएं शामिल हैं। इससे एयर इंडिया एक्सप्रेस अगले कुछ सालों में विस्तारित होकर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकती है।

कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम वीजा प्रोग्राम को बंद किया

- भारत सहित 14 देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए लागू किया गया था वीजा प्रोग्राम

नई दिल्ली ।

कनाडा ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) वीजा प्रोग्राम को बंद कर दिया है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी, और सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टडी परमिट आवेदनों में तेजी लाने के लिए 2018 में यह वीजा कार्यक्रम लागू किया था। इस कार्यक्रम को ब्राजील, चीन, कोलंबिया, कोस्टा रिका, भारत, मोरक्को, पाकिस्तान, पेरू, फिलीपींस और वियतनाम सहित 14 देशों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए लागू किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा सरकार ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि इस प्रयास को सभी छात्रों को आवेदन प्रक्रिया में समान और निष्पक्ष पहुंच प्रदान करने के लिए बंद किया जा रहा है। एसडीएस में अप्रूवल रेट अधिक थी और प्रोसेसिंग टाइम भी तेज था। इस प्रोग्राम के बंद होने से भारत और 13 अन्य देशों के छात्रों को अधिक लंबी वीजा प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। कनाडा कई वर्षों में पहली बार देश में आने वाले आप्रवासियों की संख्या में भारी कमी करने पर विचार कर रहा है। यह सत्ता में बने रहने की कोशिश कर रही एक अलोकप्रिय सरकार एक नाटकीय नीतिगत परिवर्तन है। कनाडा एक ऐसा देश रहा है जो लंबे समय से नए लोगों का स्वागत करने में गर्व महसूस करता रहा है, लेकिन अब यह प्रवासियों के प्रति अपनी नीति बदल रहा है। यह मुद्दा कनाडा की राजनीति में सबसे विवादास्पद मुद्दों में से एक बन गया है, क्योंकि वहां अक्टूबर 2025 से पहले संघीय चुनाव होने हैं। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा यह सोचता है कि कनाडा में बहुत अधिक आप्रवासी हैं।

पावर फाइनेंस ने शापूरजी ग्रुप को कर्ज देने से किया इनकार

बोर्ड ने करीब 20,000 करोड़ के लोन को अस्वीकार करने का फैसला लिया

नई दिल्ली ।

देश की सरकारी कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) ने शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप को कर्ज देने से मना कर दिया है, जिससे इस बड़ी कंपनी की कर्ज पुनर्वित्त योजना पर संकट गहरा गया है। पीएफसी की एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक विश्लेषक कॉल में बताया कि बोर्ड ने इस लोन को मंजूरी न देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पीएफसी ने इस मामले की गहन जांच-पड़ताल की और पाया कि यह कंपनी के लिए नया सेक्टर है, जिसमें फंडिंग करना सरल नहीं होगा। बोर्ड ने करीब 20,000 करोड़ रुपये (2.4 अरब डॉलर) के लोन को अस्वीकार करने का अंतिम फैसला लिया।

शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप, जो भारतीय अरबपति शापूर मिस्त्री के नियंत्रण में है, ने पुराने कर्ज को रिफाइनेंस करने के लिए पीएफसी से यह लोन मांगा था। पीएफसी से कर्ज न मिलने पर अब इस समूह को अपनी फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए कोई नया विकल्प तलाशने होगा। इस बीच शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप की इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन शाखा, अफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने हाल ही में शेयरों की बिक्री के माध्यम से पूंजी जुटाई है। इस शेयर बिक्री के दौरान संस्थापक गोस्वामी इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड ने 41.8 अरब रुपये के शेयर बेचे, जिससे कंपनी की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिली है। शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि पीएफसी से कर्ज मिलने पर इसे अपने मौजूदा वित्तीय दायित्वों को पुनर्वित्त करने में मदद मिल सकती थी। अब कंपनी को कर्ज जुटाने के लिए अन्य स्रोतों की तलाश करनी पड़ेगी।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ घटा

▶▶ रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बरकरार

मुंबई (ईएमएस)।

पिछले सप्ताह बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के लिहाज से देश की शीर्ष 10 कंपनियों में छह का बाजार पूंजीकण 1,55,721.12 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार मूल्यांकन घट गया। दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक को फायदा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 74,563.37 करोड़ रुपये घटकर 17,37,556.68 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 26,274.75 करोड़ रुपये घटकर 8,94,024.60 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 22,254.79 करोड़ रुपये घटकर 8,88,432.06 करोड़ रुपये और आईटीसी का मूल्यांकन 15,449.47 करोड़ रुपये घटकर 5,98,213.49 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में 9,930.25 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में 7,248.49 करोड़ रुपये की कमी हुई। दूसरी ओर टीसीएस का मूल्यांकन 57,744.68 करोड़ रुपये बढ़कर 14,99,697.28 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 28,838.95 करोड़ रुपये बढ़कर 7,60,281.13 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 19,812.65 करोड़ रुपये बढ़कर 7,52,568.58 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

क्रैश टेस्ट में मारुति स्वीफट डिजायर को मिली 5 स्टार सुरक्षा रेटिंग

नई दिल्ली ।

आगामी 11 नवंबर को भारतीय बाजार में अपनी धमाकेदार एंट्री से पहले मारुति स्वीफट डिजायर ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ग्लोबल एनकैप द्वारा किए गए क्रैश टेस्ट में इस कार को 5 स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है। यह मारुति सुजुकी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह कंपनी की पहली कार है, जिसे 5 स्टार रेटिंग मिली है। नई डिजायर ने एडल्ट ऑक्यूपेंट टेस्ट में 34 में से 31.24 अंक और चाइल्ड ऑक्यूपेंट टेस्ट में 49 में से 39.20 अंक हासिल किए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, डिजायर ने सेग्मेंट की प्रमुख कारों जैसे होंडा अमेज, टाटा टिगोर, और ह्यूंदै औरा को कड़ी टक्कर दी है। इसे एडल्ट और चाइल्ड सुरक्षा दोनों के लिए उत्कृष्ट रेटिंग मिली, जिसमें डिजायर ने 5-स्टार रेटिंग के साथ अपनी सुरक्षा का मानक स्थापित किया है। नई डिजायर में कई सुरक्षा फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें ड्युअल एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज और रियर पार्किंग सेंसर्स शामिल हैं। ये सभी सुविधाएं इसे हर यात्रा में सुरक्षित और भरोसेमंद बनाती हैं।

अप्रैल-सितंबर में कोयला आयात आठ फीसदी बढ़कर 14.06 करोड़ टन

- एक साल पहले इसी अवधि में आयात 13.03 करोड़ टन था

नई दिल्ली । देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर में 7.8 प्रतिशत बढ़कर 14.06 करोड़ टन हो गया। एक ई-कॉमर्स कंपनी के आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले इसी अवधि में देश का कोयला आयात 13.03 करोड़ टन था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि स्टॉक की अच्छी स्थिति और घरेलू बाजार में हाजिर ई-नीलामी के जरिये अधिक मात्रा की पेशकश के कारण कोयला आयात की मांग सामान्य रहने की संभावना है। सितंबर में कोयला आयात सालाना आधार पर 2.16 करोड़ टन से 10.09 प्रतिशत घटकर 1.94 करोड़ टन रह गया। सितंबर के कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयले की मात्रा 1.32 करोड़ टन थी, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 1.48 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 33.9 लाख टन रहा।

केंद्र ने अब तक पंजाब से 121 लाख टन धान खरीदा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पंजाब से अब तक कुल 120.67 लाख टन धान खरीदा है, जो अनुमानित लक्ष्य का 65 प्रतिशत है। हाल ही में एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। केंद्र सरकार ने चालू खरीफ विपणन सत्र 2024-25 के लिए 185 लाख टन धान खरीद का अनुमानित लक्ष्य रखा है, जो 30 नवंबर तक चलेगा। बयान के अनुसार आठ नवंबर 2024 तक पंजाब की मंडियों में कुल 126.67 लाख टन धान की आवक हो चुकी है, जिसमें से 120.67 लाख टन सरकारी एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा खरीदा जा चुका है। सरकार द्वारा ग्रेड ए धान की खरीद 2,320 रुपये प्रति क्विंटल के निर्दिष्ट न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जा रही है। बयान में कहा गया है, मौजूदा केएमएस (खरीफ विपणन सत्र) 2024-25 के दौरान, सरकार द्वारा अब तक कुल 27,995 करोड़ रुपये की धान खरीद की गई है, जिससे पंजाब के लगभग 6.58 लाख किसानों को लाभ हुआ है। इसके अलावा, 4,839 मिलों ने धान मिलिंग के लिए आवेदन किया है, और 4,743 मिलों को पंजाब सरकार द्वारा पहले ही काम आवंटित किया जा चुका है। पंजाब में केएमएस 2024-25 के लिए धान की खरीद 1 अक्टूबर, 2024 से शुरू हुई और किसानों से सुचारू खरीद के लिए पूरे राज्य में कुल 2,927 नामित मंडियां और अस्थायी यार्ड खोले गए हैं। मंडियों से धान की उठान जोरों पर है और उठाई जा रही मात्रा दैनिक आवक से अधिक है। बयान में पुष्टि की गई है, धान की खरीद इस तरह से सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

छोटे होटल संचालकों को सरकार से प्रोत्साहन मिले: एचएआई

- पांच सितारा और लक्जरी होटलों का रिकॉर्ड सराहनीय है

नई दिल्ली।

होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सुझाव दिया है कि छोटे होटल संचालकों को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए सरकार से प्रोत्साहन मिलना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े लक्जरी और पांच सितारा होटल संचालक पहले से ही टिकाऊ प्रथाओं को लागू करने में अग्रणी हैं, जबकि एचएआई के छोटे सदस्य लागत संबंधी मुद्दों के कारण पिछड़ रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस संबंध में पांच सितारा और लक्जरी होटलों का रिकॉर्ड सराहनीय है, लेकिन वे चाहते हैं कि छोटे सदस्य टिकाऊ अभियान में आगे बढ़ें। एचएआई अपने सदस्यों और गैर-सदस्यों को टिकाऊ प्रथाओं के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि इनमें से कुछ कार्यक्रम महंगे हो सकते हैं, जिससे कई छोटे होटलों के लिए इसे वहन करना चुनौती बन सकता है।

कई नामी फूड कंपनियां गरीब देशों में घटिया माल बेच रही हैं: रिपोर्ट

- जबकि उच्च आय वाले देशों में इन कंपनियों की हेल्थ स्टार रेटिंग अच्छी है

नई दिल्ली । एक अमेरिकी एनजीओ ने जारी की गंभीर रिपोर्ट, जिसमें दुनिया की बड़ी खाद्य और पेय कंपनियों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई नामी पैकेज्ड फूड कंपनियां भारत और अन्य कम आय वाले देशों में अधिकांश घटिया माल बेच रही हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके विपरीत, उच्च आय वाले देशों में इन कंपनियों की हेल्थ स्टार रेटिंग काफी अच्छी है। इस रिपोर्ट में भारत के साथ इथियोपिया, घाना, केन्या, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस, तंजानिया और वियतनाम जैसे गरीब देश शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में तैयार रेटिंग प्रणाली से पता चला कि निम्न आय वाले देशों में उत्पादों की स्वास्थ्यक स्कोर 5 से 1.8 है, जबकि उच्च आय वाले देशों के लिए 23. है। इस प्रणाली के अनुसार 3.5 से अधिक स्कोर वाले उत्पाद स्वास्थ्य के लिए ठीक माने जाते हैं। इस चौंकाने वाले खुलासे ने गहरी चिंता में डाल दिया है और सरकारों से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की है। यह सामग्री सभी लोगों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती है, खासकर उन्हें जिनकी आर्थिक स्थिति परेशानी में है।

व्यापक आर्थिक आंकड़ों, एफआईआई के रुख तय करेंगे बाजार की दिशा: विश्लेषक

- कच्चा तेल, रुपया-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का भी बाजार पर असर रहेगा

मुंबई ।

इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा व्यापक आर्थिक संकेतकों, तीसरी तिमाही के नतीजों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की धारणा से तय होगी। विश्लेषकों ने यह बात कही है। गुरु नानक जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेगा। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि भारत में सीपीआई और आईआईपी के आंकड़े 12 नवंबर को जारी होंगे, जबकि डब्ल्यूपीआई के आंकड़े 14 नवंबर को आ सकते हैं। वैश्विक स्तर पर, अमेरिका 13 नवंबर को अपनी मुद्रास्फीति रिपोर्ट जारी करेगा, जिसका असर फेडरल रिजर्व की आगामी नीति दिशा पर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि प्रमुख वैश्विक घटनाओं और तीसरी तिमाही के नतीजों के बाद बाजार का ध्यान प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर जाएगा। इस सप्ताह बैंक ऑफ इंडिया, बीईएमएल, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, ओएनजीसी, अपोलो टायर्स और ब्रेनबीज सॉल्यूशंस जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजों की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन महत्वपूर्ण होगा। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड और रुपया-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव का भी बाजार पर असर पड़ेगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक ने बताया कि बाजार की दिशा भारत के सीपीआई, औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण डेटा और यूएस सीपीआई, कोर सीपीआई, शुरुआती बेरोजगारी दावे, यूके के जीडीपी आंकड़े और चीन के औद्योगिक उत्पादन डेटा से प्रभावित होगी। उन्होंने कहा है कि भारतीय बाजार में कमजोरी का मुख्य कारण एफआईआई की ओर से लगातार बिकवाली का दबाव है, जो इस महीने भी जारी रहा है। उन्होंने कहा कि मिश्रित वैश्विक कारक और कमजोर तिमाही नतीजों से बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव हो सकता है।

विदेशी निवेशकों ने इक्विटी बाजार से 20,000 करोड़ निकाले

- एफपीआई 2024 में अब तक इक्विटी बाजार में शुद्ध विक्रेता बन गए

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजारों से विदेशी निवेशकों का पलायन जारी रहा। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले पांच कारोबारी सत्रों में लगभग 20,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। घरेलू शेयरों के अधिक मूल्यांकन और चीन में अपना आवंटन स्थानांतरित करने की वजह से एफपीआई ने बिकवाली की। ऐसे में एफपीआई 2024 में अब तक इक्विटी बाजार में शुद्ध विक्रेता बन गए हैं, और उन्होंने कुल 13,401 करोड़ रुपये की निकासी की है। आने वाले समय में एफपीआई की बिकवाली जारी रहने का अनुमान है। अगर तीसरी तिमाही के नतीजे और प्रमुख संकेतक आय में सुधार का संकेत देते हैं, तो यह परिदृश्य बदल सकता है और एफपीआई बिकवाली कम कर सकते हैं। एक मुख्य निवेश अधिकारी ने कहा कि अमेरिका में नव निर्वाचित राष्ट्रपति जनवरी 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। इसलिए भारतीय बाजार निकट अवधि में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों, कॉरपोरेट आय और खुदरा निवेशकों के रुख से प्रभावित होगा। आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने इस महीने अब तक 19,994 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। इससे पहले अक्टूबर में उन्होंने 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। यह एफपीआई की अब तक की सबसे अधिक बिकवाली थी। सितंबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई के भारतीय इक्विटी से बाहर निकलने का एक प्रमुख कारण चीन के प्रति उनका नया आकर्षण है। उनका मानना है कि इस समय चीन का मूल्यांकन आकर्षक है। उन्होंने कहा कि चीन ने हाल ही में अपनी धीमी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए कई उपाय किए हैं।

भारत में ओबेन रार ईझेड इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में अब ओबेन रार ईझेड इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध है। बाइक की शुरुआती कीमत 89,999 रुपए एक्स-शोरूम है। यह कीमत एक इंट्रोडक्ट्री ऑफर के तहत सीमित समय के लिए लागू है। इस बाइक की बुकिंग भी कंपनी ने शुरू कर दी है। ग्राहक केवल 2,999 रुपए का टोकन अमाउंट देकर इसे बुक कर सकते हैं। ओबेन रार ईझेड को तीन बैटरी वेरिएंट्स में पेश किया गया है- 2.6केडब्ल्यूएच, 3.4केडब्ल्यूएच, और 4.4केडब्ल्यूएच। 2.6केडब्ल्यूएच बैटरी वेरिएंट को फुल चार्ज करने पर यह 110 किलोमीटर तक रेंज देता है, और इसे चार्ज करने में 45 मिनट का समय लगता है। 3.4केडब्ल्यूएच वेरिएंट 140 किलोमीटर की रेंज देता है, और इसे फुल चार्ज करने में 1.5 घंटे का वक्त लगता है। सबसे बड़ा 4.4केडब्ल्यूएच बैटरी वेरिएंट 175 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है, जिसे चार्ज होने में 2 घंटे का समय लगता है। इस बाइक की टॉप स्पीड 95 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह केवल 3.3 सेकंड में 0 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पकड़ सकती है। इसके अलावा, बाइक में आईपी67 प्रमाणित बैटरी पैक, 52 एनएम का पीक टॉर्क, राउंड एलईडी हेडलाइट, और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। इसके अलावा, इसे ओबेन के सिग्नेचर नियो-क्लासिक डिज़ाइन में डिजाइन किया गया है और इसमें तीन ड्राइव मोड इको, सिटी, और हैवॉक भी दिए गए हैं।

छठ के बाद ट्रेनों में लंबी वेटिंग

हवाई किराया आसमान पर, परदेश लौटने में लोगों के छूट रहे पसीने

पटना। लोक आस्था का महापर्व छठ खत्म होने के साथ ही घर आए प्रवासी अब अपने कामकाज पर लौटने के लिए बेताब हैं। लेकिन वापसी की राह इतनी आसान नहीं है। छठ पूजा के बाद दरभंगा से बाहर जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी वेटिंग और हवाई किराया में असामान्य बढ़ोतरी ने लोगों को परेशान कर रखा है। हवाई किराया में अभूतपूर्व उछाल देखी जा रही है, जिससे दूसरे राज्य को लौटने वाले लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। हवाई सफर पर नजर डालें तो किराए की स्थिति काफी चिंताजनक है। उदाहरण के तौर पर, दरभंगा से मुंबई के लिए 10 दिसंबर का किराया 29,000 रुपये से भी अधिक हो गया है।

जबकि 11 दिसंबर का किराया 17,618 रुपये है। इसी तरह मुंबई से दरभंगा का किराया 12,678 रुपये तक पहुंच गया है। दरभंगा से दिल्ली जाने के लिए 10 दिसंबर का किराया 25,440 रुपये है। जबकि 11 दिसंबर को यह किराया 22,490 रुपये हो जाता है। दरभंगा से बेंगलुरु जाने के लिए भी 10 दिसंबर का किराया 19,955 रुपये है। इस प्रकार हवाई यात्रा के ये ऊंचे किराए परदेश लौटने वाले प्रवासियों की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं, जिससे कई लोग मजबूर होकर ट्रेन का विकल्प तलाशने को मजबूर हैं। ट्रेन यात्रा का विकल्प चुनने वाले यात्रियों की भी समस्याएं कम नहीं हैं। दरभंगा से निकलने वाली हमसफर एक्सप्रेस, क्लोन एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट, शहीद एक्सप्रेस, सरयू यमुना, स्वतंत्रता सेनानी सुपरफास्ट और पवन एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। कन्फर्म टिकट रखने वाले यात्री भी टीटीई के साथ समझौता कर किसी तरह अपनी यात्रा पूरी करने की कोशिश में हैं। वहीं, जिनके पास आरक्षण नहीं है, वे जनरल टिकट लेकर स्टेशन पर इंतजार करते हैं और जिस गाड़ी में चढ़ने का मौका मिलता है, उसमें किसी तरह सवार होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो रहे हैं। छठ के समापन के साथ ही दरभंगा जंक्शन पर प्रवासी मजदूरों और यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। अहले सुबह से ही सैकड़ों यात्री हमसफर, क्लोन एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट जैसी ट्रेनों में चढ़ने के लिए कतार में लगे रहते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेल प्रशासन ने आरपीएफ और जीआरपी के जवानों की पेट्रोलिंग बढ़ा दी है। रेलवे प्लेटफार्म पर सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखते हुए अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं ताकि यात्रियों की यात्रा सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से हो सके। प्रवासियों का कहना है कि अगर बिहार में पर्याप्त रोजगार के अवसर होते, तो उन्हें इतनी दूर काम करने के लिए नहीं जाना पड़ता। हर साल की तरह इस बार भी प्रवासी छठ मनाने अपने घर आए थे। लेकिन अब वापसी की परेशानी ने उनके त्योहार की खुशी को कुछ हद तक फीका कर दिया है।

छठ घाट पर लगा गंदगी का अंबार

जमुई । महा पर्व छठ पर्व की समाप्ति के बाद ही छठ घाट पर गंदगी का अंबार लग गया है। शहर के त्रिपुरारी सिंह छठ घाट, गरसंडा छठ घाट, हनुमान छठ घाट पर गंदगी है। कुछ घंटे पहले छठ पूजा को लेकर लोग घर के पास से लेकर छठ घाटों तक सफाई में जुटे थे। ताकि, छठ व्रती और श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े। छठ पूजा की समाप्ति होने के कुछ घंटे बाद ही लोगों ने जूठे पत्तल, ग्लास, कप, प्लेट अन्य गंदी चीज घाटों पर फेंक दिया। गंदगी से बचाव को लेकर नगर परिषद और पूजा समिति के सदस्यों ने छठ घाट पर गंदगी नहीं हो इसको लेकर डस्टबीन की व्यवस्था की थी। लेकिन, जो लोग कुछ घंटे पहले छठ पूजा को लेकर सफाई कर रहे थे। उन्होंने छठ घाट पर गंदगी का अंबार लगा दिया। जिससे खासकर कार्तिक माह में गंगा स्नान करने पहुंचने वाली महिलाओं और यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय छोटू कुमार ने बताया कि इसमें हम लोगों की भी काफी बड़ी गलती है। उन्होंने जिले वासियों से अपील की है कि इस तरह जूठे पत्तल व प्लेट ग्लास आदि को छठ घाट पर न फेंके। साथ ही उसने नगर परिषद के वरीय पदाधिकारी से अपील करते हुए कहा कि जल्द छठ घाटों की सफाई की जाए।

टिकट का फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगी: संजय सिंह

बाढ़ में जेडीयू एमएलए के स्वागत में अभिनंदन समारोह, बीजेपी बोली- पिकनिक मनाने के लिए आते हैं

पटना। बाढ़ विधानसभा सीट से जेडीयू एमएलसी संजय सिंह के चुनाव लड़ने की चर्चा है। रविवार को अगवानपुर हाई स्कूल खेल मैदान में अभिनंदन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। हालांकि कार्यक्रमें एनडीए में शामिल ज्यादातर कार्यकर्ता नजर नहीं आए। यहां से बीजेपी के ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू लगातर 4 बार से विधायक हैं। संजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आगामी 19 जनवरी 2025 को पटना में महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम है। इसकी का निमंत्रण देने आया हूं। किसको टिकट मिलेगा, इसका फैसला शीर्ष नेतृत्व करेगी । हमारे पार्टी के नेता नीतीश कुमार और ललन सिंह है। वही तय करेंगे। वहीं, इस कार्यक्रम पर

बीजेपी हमलावर हो गई है। बाढ़ बीजेपी संगठन उपाध्यक्ष राजेश सिंह राजू ने इस कार्यक्रम को मटन पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि एमएलसी संजय सिंह की ओर से बाढ़ विधानसभा क्षेत्र में चापाकल बांटा जा रहा है। जिसके लिए जनता से 10 हजार रुपए की ठगी की जा रही है। उसी पैसे से आज मटन पार्टी का कार्यक्रम रखा गया था। संजय सिंह पिकनिक मनाने और मटन खाने के लिए बाढ़ आ रहे हैं। एनडीए के सभी कार्यकर्ता और नेता उपचुनाव में लगे हैं। जबकि जदयू एमएलसी अक्षय नवमी के दिन मटन पार्टी कर रहे हैं। इनका बाढ़ आने का कोई विजन और रीजन नहीं है। एनडीए गठबंधन को इस मटन पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। बता दें, संजय सिंह ने 4 सितंबर को अपने सरकारी आवास पर बाढ़ के राजपूत समाज के लोगों की बैठक बुलाई थी। उस मीटिंग में संजय सिंह ने ऐलान करते हुए कहा था कि हम किसी भी कीमत पर बाढ़ से चुनाव लड़ेंगे। युद्ध के मैदान में कभी घबराना नहीं चाहिए। युद्ध के मैदान में जब उतर गए हैं तो अंतिम दम तक लड़ाई लड़ेंगे, आप लोगों का आशीर्वाद रहा तब। संजय सिंह के ऐलान के बाद से बातचीत में बाढ़ के विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ज्ञानू कहा था कि फिलहाल मैं वहां का सिटिंग एमएलए हूं। विपरीत परिस्थितियों में भी 4 बार से जीतते आ रहा हूं। लोकतंत्र में किसी को कहीं से भी चुनाव लड़ने की आजादी है। वैसे एनडीए में बाढ़ सीट पर कोई वैकेंसी नहीं है। हालांकि, यहां लोकतंत्र है, जहां किसी को किसी भी दल से या फिर निर्दलीय चुनाव लड़ने की स्वतंत्रता है।

फोन कर घर से बुलाया, फिर मार दी गोली

प्रेम-प्रसंग में चाचा-भतीजे की हत्या, लड़की के पिता ने दोस्तों संग मिलकर रची मर्डर की साजिश

मुजफ्फरपुर । चाचा और भतीजे की हत्या का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा करते हुए ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि राजू दास (18) और उसके भतीजे सूरज दास (14) की प्रेम प्रसंग में हत्या की गई थी। एसपी के मुताबिक, हत्याकांड का मुख्य आरोपी प्रेमिका का पिता है, जिसने राजू के दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची थी। घटना के बाद से ही लड़की का पिता फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। वारदात पारु थाना क्षेत्र की है। एसपी विद्या सागर ने बताया कि 'हत्या से पहले राजू के दोस्तों ने उसे कॉल कर पार्टी में बुलाया था। राजू अपने साथ भतीजे को भी ले गया था। शुक्रवार रात 10 बजे सभी ने पार्टी की थी। दोस्तों ने पहले से ही लड़की के पिता के साथ मिलकर राजू की हत्या की प्लानिंग की हुई थी। पार्टी के दौरान उसके दोस्तों ने राजू को गोली मार दी। गोली लगने के बाद दोनों भागने लगे। जिसके बाद अपराधियों ने दौड़ाकर दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी। राजू और सूरज की लाश उनके घर से 150 गज की दूरी पर शनिवार को मिली। एसपी के मुताबिक, राजू का अफेयर गांव की एक युवती के साथ पिछले एक साल से चल रहा था। राजू, युवती को घर से भी भगा कर ले गया था। इसके बाद पंचायत हुई तो लड़की अपने घर वापस आ गई थी। छठ से 2 दिन पहले युवती के पिता ने राजू की बाइक भी छीन ली थी। मुखिया ने जब पंचायत बुलाई तो लड़की के पिता ने उसकी बाइक वापस की। जानकारी के मुताबिक, लड़की के परिजन राजू को रास्ते से हटाने का प्लान बना रहे थे। राजू के कुछ दोस्त युवती के पड़ोसी थे। उन्हें भी अपने पड़ोसी लड़की से राजू का अफेयर पसंद नहीं था। जिसके बाद लड़की के पिता ने तीन दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या का प्लान बनाया। राजू के चाचा रंजीत ने बताया कि राजू गांव की ही एक लड़की से प्रेम करता था, जिसे लेकर उसके परिजन ने इसी साल अप्रैल में धमकी दी थी कि अगर मेरी तरफ आएगा तो जान से मार देंगे। शुक्रवार की रात किसी ने फोन कर राजू को बुलाया था। वह अपने भतीजे सूरज के साथ बाइक से गया था। अगले दिन सुबह नंदू ने पोखर के समीप उसकी लाश मिली।

पटना के होटल में यूपी की विधवा से रेप

पटना । एक होटल में विधवा महिला से रेप हुआ है। आरोपी ने महिला को नौकरी का झांसा देकर होटल बुलाया। जहां उसने महिला के साथ दरिंदगी की। आरोपी ने खुद को पुलिस पदाधिकारी बताया था। घटना जक्कनपुर थाना क्षेत्र की है। पीड़ित महिला ने थाने में लिखित शिकायत की है, जिसके आधार पर पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई हैं। पीड़ित महिला यूपी की रहने वाली है। पति की मौत के बाद को-ऑपरेटिव बैंक में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के रूप में काम करती है। पटना स्थित रामकृष्णा नगर में किराए के मकान में रहती है। पीड़िता ने थाना में दिए आवेदन में बताया है कि 4 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे चिकन खरीदने बाजार गई थी। इसी दौरान बाइक से एक शख्स मेरे पास आया। मेरा नाम लेते हुए कहा कि को-ऑपरेटिव बैंक में काम करती हो। खुद को पुलिस पदाधिकारी बताते

हुए कहा कि मेरी भाभी स्टेट बैंक में मैनेजर है। वहां आपको अच्छी नौकरी दिला दूंगा। इसी बहाने मुझे होटल लेकर चला गया। जहां मेरे साथ गलत काम किया। मुंह बंद रखने के लिए 50 हजार रुपए देने की बात कहकर वहां से चला गया। घटना के बाद पीड़ित महिला अपनी बहन के साथ पुलिस स्टेशन पहुंची। पीड़िता ने आरोपी का नाम नहीं बताया है, लेकिन आरोपी का मोबाइल नंबर पुलिस को दिया है। जक्कनपुर थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह ने बताया कि ऋक्क्क दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सदर एसपी अभिनव ने बताया कि घटना 4 नवंबर की है।

प्रसाद देने जा रहा था युवक, मौत: वाहन की ठोकर से गई जान

समस्तीपुर । अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मामला उजियारपुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास का है। युवक छठ का प्रसाद देने के लिए जा रहा था। लेकिन, रास्ते में वाहन के ठोकर से मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान ताजपुर थाना क्षेत्र के मोरवा चंदौली गांव निवासी मोहन पासवान का बेटा बबलू पासवान (19) के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर उजियारपुर थाने की पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना के संबंध में मृतक के ममेरा भाई मुकेश पासवान ने जानकारी दी। इन्होंने बताया कि बबलू अपने घर चंदौली से महापर्व छठ का प्रसाद लेकर अपने संबंधी के यहां उजियारपुर थाना क्षेत्र के चांदचौर गांव जा रहा था। इसी दौरान सलेमपुर चौक के पास किसी वाहन से उसकी ठोकर हो गई। सड़क पर घायल अवस्था में देखकर लोग उसे दलसिंहसराय अनुमंडलीय अस्पताल ले जा रहे थे। युवक की अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई है। मौत की सूचना परिवार के लोगों ने उजियारपुर थाने की पुलिस को दी। जिसके बाद पहुंची पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है।

ओसामा की सभा में हंगामा, शख्स को पीटा

शहाबुद्दीन के बेटे ने कहा: आरजेडी कैंडिडेट को माफ कर दीजिए, भीड़ में खड़ा शख्स बोला-बिल्कुल नहीं

गया। बाहुबली नेता रहे दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब राजद में शामिल होने के बाद इन दिनों बिहार उपचुनाव को लेकर लगातार कैंपेनिंग कर रहे हैं। शनिवार को वो बेलागंज विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में ऋखऊ प्रत्याशी विश्वनाथ यादव के समर्थन में सभा करने पहुंचे थे। चुनावी सभा में ओसामा ने कहा कि अगर डॉक्टर विश्वनाथ यादव से कोई गलती हुई हो, कोई भूल-चूक हुई हो, कोई कमी रह गई हो, तो उन्हें माफ कर दें। ओसामा की बात सुन भीड़ में मौजूद एक युवक ने आवाज लगाई कि ये माफी के लायक नहीं हैं। हमसे गाली-गलौज की गई है। भीड़ में मौजूद शख्स के बयान के बाद ओसामा के समर्थक भड़क गए। थोड़ी ही देर में समर्थकों ने शख्स को घेर लिया और उसकी पिटाई करने लगे। जनसभा में मौजूद कुछ लोगों ने मार खा रहे शख्स को बचाने की कोशिश की। किसी तरह स्थानीय लोगों ने शख्स को पास की दुकान में पहुंचाया और ओसामा शहाब के समर्थकों से बचाया। इस पूरी घटना का वीडियो अब वायरल हो रहा है। राजद प्रत्याशी डॉक्टर विश्वनाथ सिंह ने इस पूरे मामले पर कहा है कि किसी तरह का हंगामा नहीं हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने बीजेपी पर इशारों में हमला किया। राजद प्रत्याशी डॉक्टर विश्वनाथ ने कहा कि किसी तरह का हंगामा नहीं हुआ था। आप समझिए कि आज कुछ लोग पीला पहनकर घूम रहे हैं, वे विकास की बात करते हैं, जिन्होंने खुद कभी कुछ नहीं किया है, वे हिसाब भी मांगते हैं। राजद प्रत्याशी ने कहा कि उन्हें कुछ नहीं दिखा, तो बेला में कम से कम शांति और सौहार्द तो दिखा होगा। ये लोग बांटना चाहते हैं, प्रेम के बाजार में नफरत बेचना

चाहते हैं। राजद प्रत्याशी ने कहा कि बेलागंज विधानसभा पूरा हमारा परिवार है।

हम हमेशा से एक होकर रहे हैं और इस प्रकार की अशांति की प्रशंसा नहीं की जा सकती है। पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के इंतकाल के बाद उनका परिवार लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से नाराज चल रहा था। मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब इसी साल मई में हुए लोकसभा चुनाव में निर्दलीय ताल ठोंकी थीं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। 26 अक्टूबर को आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव की मौजूदगी हिना शहाब ने बेटे ओसामा शहाब के साथ राजद की सदस्यता ली। ओसामा साहब का जन्म 12 जून 1995 को सीवान में हुआ है। उनकी शुरुआती पढ़ाई घर में हुई, बाद में वह दसवीं की पढ़ाई के लिए दिल्ली चल गए थे। वहां करनल सत्संगी पब्लिक स्कूल में उन्होंने पढ़ाई की थी। इसके बाद उन्होंने ऋऊ गोयनका स्कूल नई दिल्ली से 12वीं पास की। ओसामा आगे की पढ़ाई के लिए लंदन चले गए और यहां उन्होंने छछइ की पढ़ाई की और फिर वह सीवान लौट आए। उनकी शादी साल 2021 में सीवान के ही जीरादेई के चांदपाली गांव के रहने वाले आफताब आलम की बेटी आयशा से हुई थी।

लंदन से वकालत पढ़कर लौटे ओसामा की शादी सीवान के ही जीरादेई के चांदपाली गांव के रहने वाले आफताब आलम की बेटी आयशा के साथ 2021 में हुई थी। ओसामा की पत्नी आयशा डॉक्टर हैं। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की पढ़ाई की है। ओसामा की शादी में तेजस्वी यादव भी शामिल हुए थे। राजद प्रत्याशी डॉक्टर विश्वनाथ सिंह बेलागंज विधानसभा सीट से लगातार 35 साल तक विधायक रहे सुरेंद्र यादव के बेटे हैं। सुरेंद्र यादव जहानाबाद से राजद के टिकट पर चुनाव जीतकर सांसद बने हैं। बेलागंज विधानसभा सीट को राजद का गढ़ माना जाता है। साल 1990 से इस विधानसभा सीट पर राजद प्रत्याशी चुनाव जीतते आ रहे हैं। 7 बार से राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर चुनाव जीतने वाले सुरेंद्र प्रसाद यादव फिलहाल जहानाबाद से सांसद हैं। सांसद चुने जाने के बाद ही बेलागंज विधानसभा सीट खाली हुई है और इस सीट पर उपचुनाव कराए जा रहे हैं। बेलागंज सीट पर राजद प्रत्याशी डॉक्टर विश्वनाथ सिंह का मुकाबला जेडीयू प्रत्याशी मनोरमा देवी से है। साथ ही प्रशांत किशोर की जन सुराज के मोहम्मद अमजद भी चुनावी मैदान में हैं, जो इस सीट से पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं।

संक्षिप्त डायरी

औरंगाबाद में डकैत गिरफ्तार, 2020 में की थी डकैती

औरंगाबाद । गोह प्रखंड के बंदिया थाना की पुलिस ने गया के सेंट्रल यूनिवर्सिटी पंचानपुर के पास से डकैती के एक पुराने मामले के अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। रविवार की शाम जानकारी देते हुए दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषिराज ने बताया कि बंदिया थाना क्षेत्र के दादर-बक्सर मोड़ पर 2020 में डकैती की घटना घटी थी। इस संदर्भ में बंदिया थाना कांड संख्या 13/20 दिनांक 22 जून 2020 दर्ज किया गया था। इस मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त गोह थाना क्षेत्र के राजाकोठी डेल्हा निवासी सुरेश पासवान को गिरफ्तार किया गया है। दाउदनगर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने आगे बताया कि बंदिया पुलिस को सूचना मिली कि वह पंचानपुर में रूम लेकर रह रहा है। अपने रूम से निकलकर डेल्हा की तरफ जा रहा है। उक्त सूचना से वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए प्राप्त सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए पु.अ.नि.सह थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने अपने सशस्त्र बल के साथ प्रस्थान किया। प्रस्थान के बाद सशस्त्र बल के सहयोग से उक्त अभियुक्त को सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी पंचानपुर से विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से नाम पता पूछने पर उन्होंने अपना नाम बताया कि सुरेश पासवान(48), पिता का नाम -बाबूलाल पासवान, घर -राजाकोठी डेल्हा, थाना-गोह, जिला-औरंगाबाद बताया, जिसे विधिवत गिरफ्तार कर थाना लाया गया। एसडीपीओ ने बताया कि उसका आपराधिक इतिहास रहा है। टेकारी थाना कांड संख्या-220/10 में साल 2010 में वह डेल्हा थाना से लूटकांड में जेल गया है। साल 1989-90 में लूटकांड में चंदौती थाना से जेल गया है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार और बंदिया थाना और अन्य सशस्त्र बल शामिल रहे।

सड़क पर शव रखकर परिजनों ने किया हंगामा

गोपालगंज । बच्चों के विवाद में हुए मारपीट के बाद घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान गोरखपुर में मौत हो गई। वहीं मौत के बाद परिजनों शव को लेकर गोपालगंज पहुंचे और हथुआ बाजार मोड़ स्थित सड़क पर शव रखकर सड़क जाम कर दिया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने आगजनी कर प्रदर्शन भी किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाया। हालांकि आक्रोशित लोग आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। मृतक की पहचान मीरगंज थाना क्षेत्र के सिंगह टोला पंडितपुर गांव निवासी सालिक साह के रूप में की गई। घटना को लेकर बताया जाता है कि 6 नवंबर की रात बच्चों के बीच हुए विवाद हुआ था। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई थी। इसमें दो लोग बुरी तरह घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया। यहां पर भी स्थिति में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने गोरखपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष किशोरी चौधरी ने कहा कि परिजनों ने थाने में लिखित आवेदन देकर पांच लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। वहीं मारपीट मामले में एक की मौत हो गई है। लोगों को समझा बुझा कर मामला शांत कराया गया। प्राथमिकी दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुकान में लगी आग

भागलपुर । रविवार को घरेलू गैस सिलेंडर के दुकान में अचानक आग लग गई। दुकान के अंदर रखे एक के बाद एक कर तीन सिलेंडर ब्लास्ट हो गई है। सिलेंडर ब्लास्ट होने से आग ने भयानक रूप ले लिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामला जोकसर थाना क्षेत्र के कोयला घाट की है। धमाके में आसपास के दो दुकान भी क्षतिग्रस्त है। घटना की सूचना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। ग्रामीण आग पर काबू नहीं पा सके। इसके बाद लोगों ने फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी। सूचना के बाद मौके पर फायर ब्रिगेड टीम पहुंची। सूचना के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची है। फायर ब्रिगेड के टीम ने डेढ़ घंटे के बाद आग पर काबू पा लिया है। राहगीरों के बीच भगदड़ की स्थिति हो गई। अगलगी की घटन में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि कोयला घाट स्थित एक गैस सिलेंडर के दुकान में अचानक आग लग गई।

भ्रम में ना रहें कि कोई युग लाखों वर्ष का होता है

युग क्या होता है इस संबंध में 5 तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। दूसरी बात यह कि भारत के धार्मिक इतिहास को युगों की प्रचलित धारण में लिखना या मानना कितना उचित है? जैसे कि श्रीराम जी त्रैता में और श्रीकृष्ण जी द्वापर में हुए थे। इस तरह तो इतिहास कभी नहीं लिखा जा सकता है। इतिहास को तो तारीखों में ही लिखना होता है और वह भी तथ्य और प्रमाणों के साथ। आओ जानते हैं कि युग की 5 मान्यताएं।

उल्लेखनीय है कि आपने सुना ही होगा मध्ययुग, आधुनिक युग, वर्तमान युग जैसे अन्य शब्दों को। इसका मतलब यह कि युग शब्द को कई अर्थों में प्रयुक्त किया जाता रहा है। मतबल यह कि युग का मान एक जैसी घटनाओं के काल से भी निर्धारित हो सकता है। तो क्या यह सही है या कि युग की धारणा कुछ और ही है?

पहली मान्यता

युग के बारे में कहा जाता है कि 1 युग लाखों वर्ष का होता है, जैसा कि सतयुग लगभग 17 लाख 28 हजार वर्ष, त्रेतायुग 12 लाख 96 हजार वर्ष, द्वापर युग 8 लाख 64 हजार वर्ष और कलियुग 4 लाख 32 हजार वर्ष का बताया गया है।

दूसरी मान्यता

एक पौराणिक मान्यता के अनुसार प्रत्येक युग का समय 1250 वर्ष का माना गया है। इस मान से चारों युग की एक चक्र 5 हजार वर्षों में पूर्ण हो जाता है।

तीसरी मान्यता

भारतीय ज्योतिषियों ने समय की धारणा को सिद्ध धरती के सूर्य की परिक्रमा के आधार पर नहीं प्रतिपादित किया है। उन्होंने संपूर्ण तारामंडल में धरती के परिभ्रमण के पूर्ण कर लेने तक की गणना करके वर्ष के आगे के समय को भी प्रतिपादित किया है। वर्ष को 'संवत्सर' कहा गया है। 5 वर्ष का 1 युग होता है। संवत्सर, परिवत्सर, इद्वत्सर, अनुवत्सर और युगवत्सर ये युगात्मक 5 वर्ष कहे जाते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि 60 वर्षों में 12 युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में 5-5 वत्सर होते हैं। 12 युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो 5 वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और 5वां युगवत्सर है।

चौथी मान्यता

ऋग्वेद के अन्य 2 मंत्रों से 'युग' शब्द का अर्थ काल और अहोरात्र भी सिद्ध होता है। 5वें मंडल के 76वें सूक्त के तीसरे मंत्र में 'नहुषा युगा मन्हारजांसि दीयथः' पद में युग शब्द का अर्थ 'युगोपलक्षितान कालान प्रसरादिसवनान अहोरात्रादिकालान वा' किया गया है। इससे स्पष्ट है कि उदय काल में युग शब्द का अन्य अर्थ अहोरात्र विशिष्ट काल भी लिया जाता था। ऋग्वेद के छटे मंडल के नौवें सूक्त के चौथे मंत्र में 'युगे-युगे विदध्यं' पद में युगे-युगे शब्द का अर्थ 'काले-काले' किया गया है। वाजसनेयी संहिता के 12वें अध्याय की 11वीं कंडिका में 'दैव्यं मानुषा युगा' ऐसा पद आया है। इससे सिद्ध होता है कि उस काल में देव युग और मनुष्?य युग ये 2 युग प्रचलित थे। तैतिरीय संहिता के 'या जाता ओ वधयो देवेभ्यस्त्रियुगं पुरा' मंत्र से देव युग की सिद्धि होती है।

पांचवीं मान्यता

धरती अपनी धूरी पर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड अर्थात 60 घटी में 1,610 प्रति किलोमीटर की रफ्तार से घूमकर अपना चक्कर पूर्ण करती है। यही धरती अपने अक्ष पर रहकर सौर मास के अनुसार 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट और 46 सेकंड में सूर्य की परिक्रमा पूर्ण कर लेती है, जबकि चन्द्रमास के अनुसार 354 दिनों में सूर्य का 1 चक्कर लगा लेती है। अब सौरमंडल में तो राशियां और नक्षत्र भी होते हैं। जिस तरह धरती सूर्य का चक्कर लगाती है उसी तरह वह राशि मंडल का चक्कर भी लगाती है। धरती को राशि मंडल की पूरी परिक्रमा करने या चक्कर लगाने में कुल 25,920 साल का समय लगता है। इस तरह धरती का एक भोगकाल या युग पूर्ण होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि लगभग 26,000 वर्ष बाद हमेशा ही उत्तर में दिखाई देने वाला ध्रुव तारा अपनी दिशा बदलकर पुनः उत्तर में दिखाई देने लगता है।

कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष

वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा के मकान को कुछ परिस्थिति को छोड़कर अशुभ और नकारात्मक प्रभाव वाला माना जाता है। दरअसल, हर दिशा में कोई न कोई ग्रह स्थित है जो कि अपना अच्छा या बुरा प्रभाव डालता है। यह निर्भर करता है मकान के वास्तु, मुहल्ले के वास्तु और उसके आसपास स्थित वातावरण और वृक्षों की स्थिति पर। प्रत्येक ग्रह का अपना एक वृक्ष होता है। जैसे चंद्र की शनि से नहीं बनती और यदि आपने घर के सामने चंद्र एवं शनि से संबंधित वृक्ष या पौधे लगा दिए हैं तो यह कुंडली में चंद्र और शनि की युति के समान होते हैं जो कि विषयोग कहा गया है। आओ जानते हैं कि कैसे दक्षिणमुखी मकान में नहीं होता दक्षिण दोष?

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने द्वार से दोगुनी दूरी पर स्थित नीम का हराभरा वृक्ष है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

यदि दक्षिणमुखी मकान के सामने मकान से दोगना बड़ा कोई दूसरा मकान है तो दक्षिण दिशा का असर कुछ हद तक समाप्त हो जाएगा।

दक्षिणमुखी मकान का दोष खत्म करने के लिए द्वारा के उपर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र भी लगाना चाहिए।

दक्षिण मुखी प्लाट में मुख्य द्वार आग्नेय कोण में बना है और उत्तर तथा पूर्व की तरफ ज्यादा व पश्चिम व दक्षिण में कम से कम खुला स्थान छोड़ा गया है तो भी दक्षिण का दोष कम हो जाता है।। बगीचे में छोटे पौधे पूर्व-ईशान में लगाने से भी दोष कम होता है।

आग्नेय कोण का मुख्यद्वार यदि लाल या मरून रंग का हो, तो श्रेष्ठ फल देता है। इसके अलावा हरा या भूरा रंग भी चुना जा सकता है। किसी भी परिस्थिति में मुख्यद्वार को नीला या काला रंग प्रदान न करें।

दक्षिण मुखी भूखण्ड का द्वार दक्षिण या दक्षिण-पूरब में कतई नहीं बनाना चाहिए। पश्चिम या अन्य किसी दिशा में मुख्य द्वार लाभकारी होता हैं।

यदि आपका दरवाजा दक्षिण की तरफ है तो द्वार के ठीक सामने एक आदमकद दर्पण इस प्रकार लगाएं जिससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति का पूरा प्रतिबिंब दर्पण में बने। इससे घर में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के साथ घर में प्रवेश करने वाली नकारात्मक उर्जा पलटकर वापस चली जाती है।

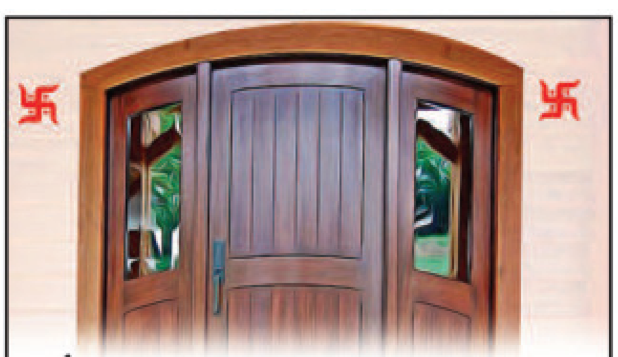

ये 10 प्रकार के दरवाजे नहीं होना चाहिए

घर के दरवाजे बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। कई बार हम मकान खरीदते वक्त या बनवाते वक्त यह ध्यान नहीं देते हैं कि किस प्रकार के दरवाजे लगाए जा रहे हैं। घर का मुख्य द्वार वास्तु अनुसार होता है तो कई समस्याएं स्वतः ही समाप्त हो जाती है। बेहतर होगा कि दरवाजा शीशम या सागौन की लकड़ी और धातु का बना हो।

दरजावा किसी भी प्रकार सा टूटा फूटा या तिरछा नहीं होना चाहिए। द्वार के खुलने बंद होने में आने वाली चरमराती ध्वनि स्वरवेध कहलाती हैं जिसके कारण आकस्मिक अप्रिय घटनाओं को प्रोत्साहन मिलता है। आओ जानते हैं कि घर का मुख्य द्वार कैसा होना चाहिए।

एक सीध में तीन दरवाजे नहीं होना चाहिए।

दरवाजे के भीतर दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।

एक पल्ले वाला दरवाजा नहीं होना चाहिए। दो पल्ले वाला हो।

ऐसा दरवाजा नहीं होना चाहिए जो अपने आप खुलता या बंद हो जाता हो।

घर का मुख्य द्वार बाहर की ओर खुलने वाला नहीं होना चाहिए।

कुछ दरवाजे ऐसे होते हैं जिनमें खिड़कियां होती हैं ऐसे दरवाजों में वास्तुदोष हो सकता है।

मुख्य द्वार त्रिकोणाकार, गोलाकार, वर्गाकार या बहुभुज की आकृति वाला नहीं होना चाहिए।

मुख्य दरवाजा छोटा और उसके पीछे का दरवाजा बड़ा नहीं होना चाहिए। मुख्य दरवाजा बड़ा होना चाहिए।

घर के ऊपरी माले के दरवाजे निचले माले के दरवाजों से कुछ छोटे होने चाहिए।

घर में दो मुख्य द्वार हैं तो वास्तुदोष हो सकता है। विपरीत दिशा में दो मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए।

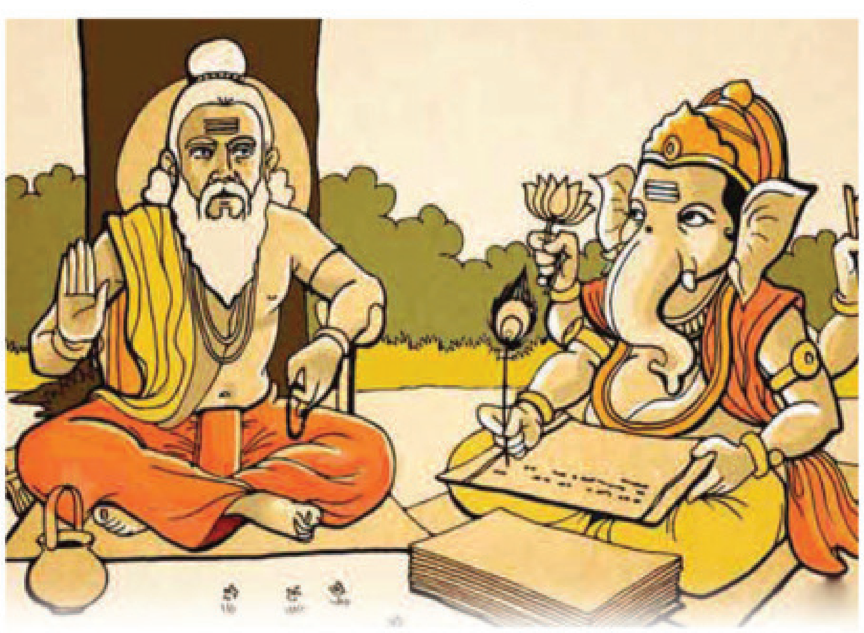

द्वापर युग के महाभारत काल में हुआ था गणेशजी का गजानन अवतार

मोदक प्रिय श्री गणेशजी विद्या-बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता हैं तथा थोड़ी उपासना से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें हिन्दू धर्म में प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी कार्य को प्रारंभ करने के पूर्व उन्हीं का स्मरण और पूजन किया जाता है। गणेशजी ने तीनों युग में जन्म लिया है और वे आगे कलयुग में भी जन्म लेंगे।

धर्मशात्रों के अनुसार गणपति ने 64 अवतार लिए, लेकिन 12 अवतार प्रख्यात माने जाते हैं जिसकी पूजा की जाती है। अष्ट विनायक की भी प्रसिद्धि है। आओ जानते हैं उनके द्वापर के अवतार गजानन के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

द्वापर युग में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं।

द्वापर युग में गणपति ने पुनः पार्वती के गर्भ से जन्म लिया व गणेश कहलाए।

परंतु गणेश के जन्म के बाद किसी कारणवश पार्वती ने उन्हें जंगल में छोड़ दिया, जहां पर पराशर मुनि ने उनका पालन-पोषण किया। ऐसा भी कहा जाता है कि वे महिष्मति वरेण्य वरेण्य के पुत्र थे। कुरुप होने के कारण उन्हें जंगल में छोड़ दिया गया था।

इन्हीं गणेशजी ने ही ऋषि वेदव्यास के कहने पर महाभारत लिखी थी।

इस अवतार में गणेश ने सिंदुरासुर का वध कर उसके द्वारा कैद किए अनेक राजाओं व वीरों को मुक्त कराया था।

इसी अवतार में गणेश ने वरेण्य नामक अपने भक्त को गणेश गीता के रूप में शाश्वत तत्व ज्ञान का उपदेश दिया।

सुनसान जगह पर क्यों नहीं रहना चाहिए?

हिन्दू पुराणों और वास्तु शास्त्र में कुछ जगहों पर एक सभ्य व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए। यदि वह वहां रहता है तो निश्चित ही उसके जीवन और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। घर यह सुकून का नहीं है तो कैसे जीवन में सुकून आएगा। जैसे चौराहे, तिराहे, अवैध गतिविधियों वाली जगह, शोर मचाने वाली दुकान या फैक्ट्री आदि। इन्हीं में से एक है सुनसान इलाका। दरअसल, आप जहां रहते हैं उस स्थान से ही आपका भविष्य तय होता है। यदि आप गलत जगह रह रहे हैं तो अच्छे भविष्य की आशा मत कीजिये। आओ जानते हैं कि क्यों नहीं रहना चाहिए सुनसान जगह पर।

दो तरह के सुनसान होते हैं एक मरघट की शांति वाले और दूसरे एकांत की शांति वाले। कई लोग एकांत में रहना पसंद करते हैं। इसके चलते वे सुनसान में रहने चले जाते हैं। सुनसान जगह पर रहने के कई खतरें हैं और साथ ही शास्त्रों में ऐसी जगहों पर रहने की मनाही है।

भविष्य पुराण अनुसार आपका घर नगर या शहर के बाहर नहीं होना चाहिए। गांव या शहर में रहना ही तुलनात्मक रूप से अधिक सुरक्षित होता है।

यदि घर बहुत सुनसान स्थान पर या शरह-गांव के बाहर होगा तो जब भी आप घर से बाहर कहीं जाएंगे उस दौरान आपके मन और मस्तिष्क में घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी।

यह तो आप भी जाते होंगे कि सभी सुनसान स्थान पर अपराधी आसानी से अनिष्ट संबंधी गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं।

दूसरी बात यदि शहर से दूर घर है तो रात-बिरात आने जाने में भी आपको परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, भले ही आपके पास कार या बाइक हो।

सुनसान जगहों को राहु और केतु की बुराई का स्थान माना जाता है। यहां पर घटना और दुर्घटना के योग बने रहते हैं।

सुनसान जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा और नकारात्मक विचार बहुत तेजी से पनपते हैं।

जहां अस्पताल, विद्यालय, नदी, तालाब, स्वजन या मनुष्य की आबादी नहीं है वहां पर नहीं रहना चाहिए।

सलामी बल्लेबाज यशवर्धन दलाल की रिकॉर्ड पारी, सीके नायडू ट्रॉफी में 400+ रन बनाकर रचा इतिहास

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के सलामी बल्लेबाज यशवर्धन दलाल ने अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले में मुंबई के खिलाफ रिकॉर्ड (नाबाद 426) रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। इसी के साथ वह टूर्नामेंट के इतिहास में चौहरा शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज हैं।

मुंबई ने टॉस जीतकर सुल्तानपुर हरियाणा के गुरुग्राम क्रिकेट ग्राउंड पर टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। यशवर्धन की शानदार पारी के दम पर हरियाणा ने तीसरे दिन रविवार सुबह आठ विकेट पर 742 रनों पर पारी घोषित कर दी। यशवर्धन 426 रन नाबाद बनाकर पवेलियन लौटे।

यशवर्धन ने इस पारी के साथ उत्तर प्रदेश के समीर रिजवी का पिछले सत्र में 312 रनों की बेहतरीन पारी का रिकार्ड भी तोड़ दिया। पिछले दो मैचों में मध्य प्रदेश के खिलाफ चार और झारखंड के खिलाफ 23 और 67 रन बनाने वाले यशवर्धन को इस मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में भेजा गया था और उन्होंने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए अर्श रांगा के साथ पहले विकेट के लिए 410 रन की साझेदारी की। रांगा ने भी 151 रनों की पारी खेली। यशवर्धन ने अपनी इस मैराथन पारी में 463 गेंद में 46 चौके और 12 छक्के लगाए हैं। यह पहली बार नहीं है जब झज्जर के इस बल्लेबाज ने बड़ी पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा है। यशवर्धन ने दिसंबर 2021 में अंडर-16 लीग मैच में 237 रन की पारी खेली थी। उस मैच में हरियाणा ने 40 ओवर के मैच में 452 रन बनाए थे।

रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड से मिली करारी हार के बाद भारत की कमजोरी का किया खुलासा

सिडनी (एजेंसी)। आईसीसी हॉल ऑफ फेम रिकी पोंटिंग ने न्यूजीलैंड की तारीफ की जिसमें स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन की गैरमौजूदगी में टीम ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से शानदार सीरीज जीती। आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने कहा, 'यह एक बहुत बड़ा परिणाम है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, खासकर तब जब आप केन विलियमसन की गैरमौजूदगी को देखते हैं। जब आप उपमहाद्वीप में उनके (विलियमसन के) रिकॉर्ड के बारे में सोचते हैं, तो वे उस टीम के लिए किस तरह की चट्टान और नेता रहे हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान का मानना है कि कोहली की हालिया बल्लेबाजी में गिरावट को देखते हुए टेस्ट क्रिकेट में कुछ ही लोग मौजूदा चयन के मामले में कोहली जैसा भरोसा रखते होंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने दूसरे दिन विराट के बारे में एक आंकड़ा देखा, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने पिछले पांच सालों में केवल दो-तीन टेस्ट शतक बनाए हैं। यह मुझे सही नहीं लगा, लेकिन अगर यह सही है, तो यह चिंता का विषय है।'

2016 से 2019 तक टेस्ट क्रिकेट में सालाना 50 से ऊपर का औसत रखने वाले कोहली ने तब से सबसे लंबे प्रारूप में खराब प्रदर्शन किया है, उन्होंने 34 टेस्ट में 31.68 की औसत से 1838 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक शामिल हैं। 2024 में 36 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करियर के सबसे कम टेस्ट औसत को छुआ जोकि अब तक छह मैचों में 22.72 है।

आईसीसी की नई पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में कोहली 10 वर्षों में पहली बार शीर्ष-20 सूची से बाहर हुए हैं। पोंटिंग ने कहा, 'संभवतः कोई भी ऐसा शीर्ष क्रम का बल्लेबाज नहीं होगा जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हो और जिसने पांच वर्षों में केवल दो टेस्ट मैच शतक बनाए हों।' 2020 से शीर्ष पांच पदों पर खेलने वाले और इतने ही (34) या उससे अधिक टेस्ट खेलने वाले 14 बल्लेबाजों में कोहली का टेस्ट औसत केवल बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो से अधिक है। बल्लेबाजों के इसी समूह में कोहली के नाम सबसे कम शतक भी हैं।

अपने हालिया फॉर्म के बावजूद पोंटिंग अभी भी कोहली के प्रदर्शन का समर्थन करते हैं क्योंकि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के लिए क्वालीफिकेशन के मामले में भारत के लिए अब दांव बढ़ गए हैं। पोंटिंग ने कहा, 'मैंने विराट के बारे में पहले भी कहा है, आप खेल के महान खिलाड़ियों पर कभी सवाल नहीं उठाते। इसमें कोई संदेह नहीं है, वह खेल के महान खिलाड़ी हैं। उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। वास्तव में, मुझे पता है कि उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। और जैसा कि मैंने कहा, ऑस्ट्रेलिया में उसका रिकॉर्ड बहुत अच्छा है। अगर उसके लिए इसे बदलने का कोई समय है, तो वह यह श्रृंखला होगी। इसलिए मुझे पहले गेम में विराट को रन बनाते देखकर आश्चर्य नहीं होगा।' भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष पर पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह शायद एक बात कहता है कि यह वास्तव में अच्छी गुणवत्ता वाली स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत की कमजोरी को उजागर करना शुरू कर रहा है। ऐसा लगता है कि आधुनिक भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन खेलने का कौशल शायद पहले जैसा नहीं रहा। शायद इसलिए क्योंकि वे भारत में अलग-अलग विकेटों पर खेल रहे हैं जो शायद तेज गेंदबाजों के लिए हैं, शायद इसलिए क्योंकि भारत में अब ज्यादा उच्च-गुणवत्ता वाले तेज गेंदबाज़ हैं क्योंकि वे पहले की तरह ज्यादा स्पिन गेंदबाजी नहीं खेल रहे हैं।'

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा की, दो अनकैप्ड प्लेयर्स शामिल

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अपनी 13 सदस्यीय टीम में दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल करके सभी को चौंका दिया है। पर्थ स्टेडियम में 22 नवंबर को शुरू होने वाला यह मुकाबला काफी रोमांचक होने वाला है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को खाली पड़े ओपनर की भूमिका के लिए चुना है, जो उनके उभरते करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए 156 रनों की शानदार पारी खेलने वाले मैकस्वीनी ने प्रशंसकों और चयनकर्ताओं को समान रूप से प्रभावित किया। होनहार दाएं हाथ के इस बल्लेबाज के शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के उस्मान ख्वाजा के साथ जोड़ी बनाने की संभावना है। व्हाइट-बॉल विशेषज्ञ जोश इंगलिस का एक और उल्लेखनीय समावेश है, जो शेफील्ड शील्ड में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद टेस्ट टीम में पदार्पण कर रहे हैं। इंगलिस के शामिल होने से ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम में गहराई आई है, जो पहले से ही नंबर 4 स्थान पर स्टीव स्मिथ की वापसी से मजबूत हुआ है, साथ ही नियमित खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श भी हैं। गेंदबाजी विभाग में टीम में कोई आश्चर्य नहीं है। अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड रीढ़ की हड्डी हैं जिनका साथ भरोसेमंद स्कॉट बोलैंड दे रहे हैं। अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के स्पिन विभाग में अपने व्यापक अनुभव को लाते हुए इस क्रम को पूरा किया। चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, 'नाथन ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और शेफील्ड शील्ड में जोश का फॉर्म शानदार रहा है। यह संतुलित टीम हमें वह लचीलापन देती है जिसकी हमें एक आकर्षक श्रृंखला के लिए आवश्यकता है।'

पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क।

पाक ने तीसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराकर 2-1 से सीरीज जीती

–नसीम और शाहीन ने लिए तीन–तीन विकेट

पर्थ (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज की है। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम पहला मैच जीती थी पर दूसरे और तीसरे मैच में उसे पाक टीम ने हरा दिया। इस सीरीज में पाक टीम की जीत में उसके गेंदबाजों की अहम भूमिका रही जिसके सामने मेजबान बल्लेबाज नहीं टिक पाये। इस मैच में पाक ने टॉस जीतकर मेजबानों को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 5 बदलाव के साथ ही लांस मॉरिस, कूपर कोनोली, मार्कस स्टोइनिस, सीन एबॉट और स्पेंसर जॉनसन के साथ उतरी पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी।

ऑस्ट्रेलिया की टीम 31.5 ओवर में 9 विकेट पर 140 रन ही बना पायी अंतिम बल्लेबाज कूपर कोनोली को चोटिल होने के कारण रिटायर होना पड़ा। वहीं पाक की ओर से नसीम शाह और शाहीन अफरीदी ने 3-3 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू शॉर्ट 22, जेक फ्रेजर मैकगर्क 7, आरोन हार्डी 12 और जोश इंग्लिस 7रन बनाये। कूपर कोनोली 7 बनाकर रिटाय हर्ट हुए। मार्कस स्टोइनिस ने 8, ग्लेन मैक्सवेल 0, सीन एबट 30, एडम जम्पा 13, स्पेंसर जॉनसन 12 और लांस मॉरिस शून्य पर आउट हुए। पाक की ओर से शाहीन अफरीदी और नसीम शाह ने 3-3 विकेट लिए। मोहम्मद हसनैन ने 1 विकेट लिए। हारिस रऊफ ने 2 विकेट लिए।

इसके बाद पाक टीम ने दो विकेट के नुकसान पर ही 141 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। सैम अयूब और अब्दुल्लाह शफीक के बीच पहले विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी के साथ ही पाक ने अच्छी शुरुआत की। अयूब ने 42 और अब्दुल्लाह शफीक ने 37 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद बाबर आजम ने नाबाद 28 और मोहम्मद रिजवान ने नाबाद 30 रन बनाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मेजबानों की ओर से पाकिस्तान ने तीसरे वनडे में शानदार शुरुआत की। मेजबानों की ओर से दोनो ही विकेट लांस मॉरिस ने लिए।

ईश्वरन, राहुल या शुभमन गिल में से किसी एक को मिल सकती है ओपनिंग की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि उनकी जगह पारी की शुरुआत कौन करेगा। अगर रोहित शर्मा पहले टेस्ट से बाहर रहते हैं, तो उनकी जगह ओपनिंग करने के लिए कई खिलाड़ी दौड़ में हैं। बीसीसीआई के अनुसार, अभिमन्यु ईश्वरन को बैकअप ओपनर के तौर पर टीम में चुना गया है। घरेलू क्रिकेट में उनके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल भी ओपनिंग के दावेदार हैं, जिन्हें खासतौर पर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भेजा गया था। हाल के समय में उनका बल्ला रन बनाने में नाकाम रहा है, लेकिन विदेशी धरती पर उनकी बेहतरीन पारियों को देखते हुए उन्हें पर्थ टेस्ट में मौका मिल सकता है। एक और विकल्प शुभमन गिल के रूप में है, जिन्होंने हालिया सीरीज में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की है, लेकिन उनका ओपनिंग में भी अच्छा रिकॉर्ड है। यदि टीम मैनेजमेंट को एक इन-फॉर्म बल्लेबाज की जरूरत होगी, तो गिल को यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग के लिए चुना जा सकता है। भारतीय टीम के लिए पर्थ टेस्ट में ओपनिंग की जिम्मेदारी को लेकर कई विकल्प खुले हैं, और आखिरी फैसला टीम की मौजूदा रणनीति और खिलाड़ी की फिटनेस पर निर्भर करेगा।

चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगा भारत

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने आईसीसी को बता दिया है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफ़ी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। ईएसपीएनक्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने आईसीसी को यह बताया है कि भारत सरकार ने टीम को पाकिस्तान जाने की सलाह नहीं दी है। आठ देशों का यह टूर्नामेंट अगले साल 19 फ़रवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान में होना निर्धारित है। अब इस टूर्नामेंट के लिए पिछले साल के एशिया कप की तरह हाइब्रिड मॉडल अपनाना पड़ सकता है। हालांकि शुक्रवार को ही पीसीबी प्रमुख मोहसिन नक़वी ने हाइब्रिड मॉडल की किसी भी संभावना से इनकार किया था और यह भी कहा था कि इस बारे में कोई बात नहीं हुई है। लेकिन ईएसपीएन क्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार इस बारे में महीनों पहले ही बात होनी शुरू हो गई थी और ज़रूरत पड़ने पर हाइब्रिड मॉडल के लिए एक योजना भी तैयार है। हाइब्रिड मॉडल के लिए श्रीलंका और यूएई दो देश शॉर्टलिस्ट हुए थे, लेकिन नज़दीकी की वजह से यूएई को प्राथमिकता दी जा सकती है। बीसीसीआई ने इस सप्ताह की शुरुआत में ही आईसीसी को इस बाबत जानकारी दे दी थी, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि यह जानकारी लिखित थी या सिर्फ़ मौखिक। हां यह संभव हो सकता है कि आईसीसी इस बारे में लिखित सूचना चाह रहा हो, ताकि इसके बारे में पीसीबी को भी बताया जा सके। शुक्रवार को नक़वी ने भी ज़ोर देकर कहा था कि अगर ऐसी कोई आपत्ति है तो उन्हें लिखित में चाहिए, तभी वे इस पर अपनी सरकार से चर्चा कर सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने इस बारे में आईसीसी, पीसीबी और बीसीसीआई से भी प्रतिक्रिया मांगी है। 11 नवंबर से इस टूर्नामेंट में बस 100 दिन बचेंगे और ईएसपीएन क्रिकइंफो को मिली जानकारी के अनुसार अगले सप्ताह लाहौर में टूर्नामेंट के शेड्यूल घोषणा का कार्यक्रम फ़िलहाल टाला जा सकता है।

गॉफ ने रोमांचक मुकाबले में झेंग को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता

नई दिल्ली(एजेंसी)। रियाद, 10 नवंबर (वेब वार्ता)। कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए चीन की झेंग किनवेन को 3-6, 6-4, 7-6(2) से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। यह उनके करियर का पहला साल का आखिरी चैंपियनशिप खिताब है।

रियाद में इस जीत के साथ गॉफ को 48,05,000 अमेरिकी डॉलर का इनाम मिलेगा, जो डब्ल्यूटीए टूर इवेंट का सबसे बड़ा पुरस्कार है। इसके साथ ही, अमेरिकी खिलाड़ी ने लगातार दूसरे साल सीजन के अंत में वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग हासिल की है।

तीसरी बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स में खेलते हुए गॉफ को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट में वह पिछड़ रही थीं, और तीसरे सेट में भी दो बार ब्रेक डाउन में थीं, जहां झेंग 5-4 पर मैच जीतने के करीब थीं। लेकिन गॉफ ने हर मौके पर संघर्ष करके बाधाओं को पार किया और अपने करियर का 9वां डब्ल्यूटीए टूर सिंगल्स खिताब जीता।

1972 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स शुरू होने के बाद से, गॉफ 21 वर्ष से कम उम्र में यह टूर्नामेंट जीतने वाली चौथी अमेरिकी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले क्रिस एवर्ट, ट्रेसी ऑस्टिन और सेरेना विलियम्स ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

इसके अलावा, गॉफ 1990 के बाद पहली अमेरिकी हैं जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में चार टॉप-10 खिलाड़ियों को हराया है। इससे पहले 1996 ओलंपिक में लिंडसे डेवनपोर्ट ने यह कारनामा किया था।

गॉफ ने इस साल का शानदार अंत रियाध में जीत के साथ किया। यूएस ओपन में हार के बाद, उन्होंने अपने पिछले 14 मैचों में से 12 मैच जीतकर इस साल को खत्म किया।

झेंग का भी सीजन शानदार रहा। विंबलडन के बाद से, इस साल की ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता झेंग ने 31-6 का जीत-हार का रिकॉर्ड बनाया।

फिल साल्ट के रिकॉर्ड शतक से जीता इंग्लैंड, वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

बारबाडोस। फिल साल्ट ने टी20इ में अपना तीसरा ऐतिहासिक शतक जड़ा। इसकी मदद से इंग्लैंड ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में चल रही पांच मैच की सीरीज के पहले टी20इ में वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हरा दिया। फिल साल्ट ने वेस्टइंडीज के ही खिलाफ अपने तीनों शतक जड़े हैं। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीककर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 9 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। ब्रैंडन किंग तीन रन बनाकर आउट हो गए। एविन लुइस भी 13 रन बनाकर चलते बने। वापसी कर रहे निकोलस पूरन के बल्ले से 38 रन निकले। वहीं, हेटमायर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। आंद्रे रसेल ने 30 रन की पारी खेली। रोमारियो शेफर्ड ने 22 गेंद पर पर नाबाद 35 रन बनाए। वहीं, स्पिनर गुडाकेश मोती ने 33 रन कैमियों पारी खेली। इसकी मदद से वेस्टइंडीज 150 प्लस का स्कोर बनाने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए साकिब महमूद ने 4 ओवर में 34 देकर 4 विकेट लिए। वहीं, आदिल रशीद ने 4 ओवर में तीन विकेट चटकाए। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड के लिए फिल साल्ट ने काम आसान कर दिया। हालांकि, शेफर्ड और मोती ने वेस्टइंडीज को दो जल्दी-जल्दी सफलताएं दिलाई थीं। विल जैक्स 17 रन बनाकर मोती का शिकार बने। वहीं, जोस बटलर बिना खाता खोले शेफर्ड की गेंद पर मोती को कैच थमा बैठे। इसके बाद इंग्लैंड ने कोई विकेट नही गंवाया और आसानी से मैच अपने नाम कर लिया। फिल साल्ट 54 गेंद पर 103 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जेकब बेथेल ने 36 गेंद पर 58 रन की नाबाद पारी खेली।

शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पहले टी20 में हराया

दांबुला (श्रीलंका) (एजेंसी)। शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने शनिवार को दो मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। डुनिथ वेलालेज ने 3-20 जबकि नुवान तुषारा, वानिंदु हसरंगा और मथीशा पथिराना ने क्रमशः 2-14, 2-30 और 2-25 विकेट चटकाए, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 19.3 ओवर में 135 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर रंगीरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। वेलालेज, थीक्षना और थर्सरा के शानदार प्रयासों से न्यूजीलैंड का स्कोर पावरप्ले में 31/3 हो गया, जिससे वे अंत तक उबर नहीं पाए। ग्लेन फिलिप्स (13) और माइकल ब्रेसवेल (27) ने संघर्ष किया, लेकिन मेजबान टीम के गेंदबाजों ने प्रतिद्वंद्वी बल्लेबाजी लाइनअप पर लगातार दबाव बनाए रखा और दो विकेट जल्दी गिरने से उनकी बढ़त एक बार फिर रुक गई। ईश सोढ़ी और फाउलकेस की 39 रन की साझेदारी ने न्यूजीलैंड की पारी को आगे बढ़ाया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में नौवें विकेट के लिए न्यूजीलैंड की सर्वोच्च साझेदारी है और इसने सेंटनर और ईश सोढ़ी के बीच 38 रन के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस साझेदारी ने न्यूजीलैंड को 135 रन के मामूली स्कोर तक पहुंचने में मदद की, जो अंततः अपर्याप्त साबित हुआ, हालांकि न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने कुछ शुरुआती झटके दिए। कुसल मेंडिस शून्य पर आउट हो गए, जिन्हें मिशेल सेंटनर ने एलबीडब्ल्यू आउट किया, जो मुंबई में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट से चूकने के बाद टीम में वापस आए थे। पथुम निसंका और कुसल परेरा ने स्कोर को 43 रन तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड ने शुरुआती दो विकेट चटकाए, लेकिन परेरा ने 17 गेंदों पर 23 रन (2M4, 1M6) बनाए, कामिंडू मेंडिस (23) और कप्तान चरिथ असालंका ने 28 गेंदों पर नाबाद 35 रन बनाए, इसके अलावा हसरंगा ने 22 रन की पारी खेली, जिससे श्रीलंका ने एक ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। वेलालेज ने 19वें ओवर की अंतिम तीन गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर श्रीलंका को 140/6 पर पहुंचाया और चार विकेट से जीत दर्ज की।

महिला एसीटी हॉकी : अपनी धरती पर खिताब बरकरार रखने उतरेगी भारतीय टीम

राजगीर (बिहार) (एजेंसी)। पूरे साल खराब फॉर्म से जूझती रही भारतीय महिला हॉकी टीम नए ओलंपिक सत्र की शुरूआत अपनी धरती पर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी (एसीटी) खिताब जीतकर करना चाहेगी और सोमवार को उसका पहला मुकाबला निचली रैंकिंग वाली मलेशियाई टीम से होगा। भारत ने अब तक सात बार हुए टूर्नामेंट में से सिंगापुर (2016) और रांची (2023) में खिताब जीते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद भारतीय टीम ने इस साल एफआईएच प्रो लीग में 16 में से 13 मैच गंवाए और सिर्फ दो जीते जबकि एक ड्रॉ रहा।

भारत ने सलीमा टेटे की कप्तानी में मिली जुली टीम उतारी है जिसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ी दोनों हैं। स्ट्राइकर नवनीत कौर उपकप्तान होंगी। भारत को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड से चुनौती मिलेगी। भारतीय डिफेंस की कमान उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू और वैष्णवी विट्ठल फाल्के के हाथ में होगी।

मिडफील्ड में कप्तान टेटे के अलावा नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिटा टोप्पो और लालरेम्सियामी जिम्मा संभालेंगी। फॉरवर्ड पंक्ति में नवनीत, संगीता कुमारी, दीपिका, प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग पर जिम्मेदारी होगी। गोलकीपिंग में पूर्व कप्तान सविता और युवा बिछू देवी खारीबम पर नजरें रहेंगी। सुशीला और ब्यूटी फिटनेस समस्याओं से उबरकर टीम में वापसी कर रहीं हैं।

भारतीय टीम विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चीन के साथ खिताब की प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। दक्षिण कोरिया ने तीन बार और जापान ने दो बार खिताब जीते हैं। पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने में नाकाम रही भारतीय महिला हॉकी टीम के लिये यह नई शुरूआत है। कोच हरेंद्र सिंह ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'पेरिस ओलंपिक नहीं खेल पाना अब अतीत की बात है। हम उससे आगे निकलकर अब लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं और उसके लिये यह पहला कदम है। काफी महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम जीत के साथ आगाज करना चाहेंगे।'

टेटे प्रो लीग के यूरोपीय चरण में भारत की कप्तानी कर चुकी है जिसमें प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने इसके लिए फिटनेस की कमी और मानसिक दृढता के अभाव को दोषी ठहराया था। तोक्यो ओलंपिक 2021 में इतिहास रचने के बाद टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी और पिछली बार एफआईएच प्रो लीग में भी खराब प्रदर्शन रहा।

टेटे ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'हमारे पास बेहतरीन टीम है जिसमें युवा और अनुभवी खिलाड़ी है। हमें पेरिस ओलंपिक को भुलाकर आगे बढ़ना है और अपनी धरती पर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी खिताब बरकरार रखकर हम अगले ओलंपिक चक्र की तैयारी शुरू करेंगे। कोच हरेंद्र सर ने भी हमें यही सिखाया है और हमें भी पता है कि अतीत का दुख मनाते रहने से कुछ हासिल नहीं होने वाला।'

सोमवार को बाकी मैचों में जापान का सामना दक्षिण कोरिया से और चीन की टक्कर थाईलैंड से होगी। टूर्नामेंट के सारे मैच अब फ्लडलाइट में कीट पतंगों के झुंड से संभावित व्यवधान से बचने के लिये शाम की बजाय दोपहर में खेले जाएंगे। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब दिन का पहला मैच 12.15 पर, दूसरा 2.30 और आखिरी 4.45 पर खेला जाएगा। पहले ये मैच दोपहर तीन बजे, शाम सवा पांच और साढ़े सात बजे से होने थे। भारत का मैच शाम 4.45 बजे से होगा।

पृथ्वी शॉ डांस करते दिखे

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का एक डांस वीडियो सामने आया है। इसमें पृथ्वी अपने जन्मदिन पर डांस करते नजर आये हैं। पृथ्वी का जन्मदिन 9 नवंबर था। इसी दिन उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई की 28 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किसे जाने की जानकारी भी मिली थी जिससे भी वह उत्याहित थे। मुश्ताक अली ट्रॉफी 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाएगी। इस वीडियो में पृथ्वीको नाचते और पार्टी का आनंद लेते देखा जा सकता है। इसे इस क्रिकेटर ने अपने सोशल मीडिया में भी जारी किया। उन्हें त्रिपुरा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए मुंबई की टीम से बाहर कर दिया गया था। इसका कारण है कि वह नियमित रूप से मुंबई के प्रशिक्षण सत्रों में भाग नही ले रहे थे और उनका वजन भी थोड़ा अधिक दिखाई दे रहा था, जिसके कारण चयनकर्ताओं ने उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को जगह देना बेहतर समझा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने कहा, आपको उनकी फिटनेस और मैदान पर उनकी दौड़ को देखना होगा। एमसीए का इतिहास समृद्ध है और किसी एक खिलाड़ी के लिए उसमें बदलाव नहीं हो सकता। इस घटना से सबक लेते हुए इस क्रिकेटर ने फिटनेस पर ध्यान देते हुए जमकर अभ्यास किया जिसका लाभ भी उन्हें मिला है।

राम मंदिर में अब लगेगा मकराना मार्बल, उठ रहे सवाल

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में कमजोर मार्बल लगाए जाने का मामला सामने आने के बाद एक बार फिर मंदिर निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखे जाने का मामला तूल पकड़ रहा है। भवन–निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र का कहना है कि राम मंदिर में लगाए गए मार्बल कई जगहों पर कमजोर दिख रहे हैं। इस कारण इन्हें हटाने और मकराना मार्बल लगाने का निर्णय लिया गया है। मंदिर निर्माण में करोड़ों खर्च होने के बाद यह स्थिति है, जिसे लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं। जानकारी अनुसार राम मंदिर भवन निर्माण समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि कमजोर मार्बल को हटाकर मकराना मार्बल लगाया जाएगा। राम मंदिर के भूतल में गूढ़ी मंडप की दीवारों और स्तम्भों पर सफेद मार्बल लगाया गया है। राम मंदिर के प्रथम तल पर भी गर्भगृह को छोड़ शेष स्थलों में भी मार्बल लगाया गया है। इन मार्बल्स को कमजोर बताया गया है, जिन्हें बदला जाएगा। कमजोर मार्बल की जगह मकराना मार्बल लगाए जाने की बात सामने आने के बाद से मंदिर निर्माण की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि हजारों करोड़ खर्च किए जाने के बाद निर्माण कार्य की स्थिति संतोषप्रद क्यों नहीं है? वर्षाकाल में भी मंदिर निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ चुके हैं, अब मकराना मार्बल लगाए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बिजनौर में पेचकेस से गोदकर कर दंपति और उसके बेटे की हत्या

बिजनौर : उत्तर प्रदेश में जनपद बिजनौर के शहर कोतवाली क्षेत्र में पति–पत्नी और उनके बेटे की पेचकस से गोदकर हत्या की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना का खुलासा रविवार को उस वक्त हुआ जब मृतक की मां उसके घर पहुंची। तिहरे हत्याकांड की खबर पाकर पुलिस के तमाम अधिकारी व फोर्स के साथ पहुंचे। पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटना की जांच पड़ताल कर शवों को पोस्टमार्टम भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने बताया कि खलीफा कॉलोनी निवासी मंसूर उर्फ भूरा (50) कबाड़ का काम करता है। रविवार की सुबह के वक्त पड़ोस में रहने वाले भाई के यहां रह रही उसकी मां हसीना जब मंसूर के घर पहुंची तो घर के बाहर से कई बार आवाज लगाई। काफी देर तक आवाज लगाने पर भीतर से कोई आहट नहीं आयी तो वह उसने खिड़की से झांककर देखा तो मंसूर उसकी पत्नी उबैदा के शव खून से सने बरामदे में पड़े थे। रक्तरंजित शव देखकर मां हसीना ने आस पड़ोसियों को इकट्ठा करके पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची तो देखा कि पति–पत्नी का शव बरामदे तो बेटे याकूब (18) की शव दूसरे कमरे में पड़ा था। पुलिस ने एक साथ तीन लोगों की हत्या की खबर अपने उच्च अधिकारियों को दी और साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाया। सूचना पर एसपी के अलावा एसपी सिटी संजीव बाजपेई, सीओ सिटी संग्राम सिंह, सीओ चांदपुर राजेश सिंह शहर कोतवाल उदय प्रताप मौके पर पहुंचे।

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर लगाया निजी निवेश और व्यापक उपभोग को पटरी से उतारने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को दावा किया कि भारत लगातार आय में स्थिरता के कारण मांग के संकट का सामना कर रहा है। मुख्य विपक्षी दल ने कहा कि संप्रग सरकार के दौरान लगातार जीडीपी वृद्धि को गति देने वाला निजी निवेश और व्यापक उपभोग का दोहरा इंजन मोदी सरकार के पिछले दस वर्षों में पटरी से उतर गया है।

कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सरकार से कहा कि वह कांग्रेस के प्रस्तावों को स्वीकार करे, जिसमें ग्रामीण भारत में आय वृद्धि को गति देने के लिए मनरेगा मजदूरी को न्यूनतम 400 रुपये प्रतिदिन तक बढ़ाना, किसानों के लिए एमएसपी और ऋण माफी की गारंटी देना तथा महिलाओं के लिए मासिक आय सहायता योजना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि समय बीतने के साथ ही भारत के घटते उपभोग की त्रासदी अधिक स्पष्ट होती जा रही है।

उन्होंने एक बयान में कहा कि पिछले सप्ताह, भारतीय उद्योग जगत के कई सीईओ ने सिकुड़ते मध्य वर्ग पर चिंता जताई थी और अब, नाबार्ड के अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (एनएएफआईएस) 2021-22 के नए आंकड़े भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत के मांग संकट की वजह लगातार आय में स्थिरता है।

रमेश ने सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि औसत मासिक घरेलू आय कृषि परिवारों के लिए 12,698 रुपये से 13,661 रुपये और गैर-कृषि परिवारों के लिए 11,438 रुपये है। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अनुमानित प्रति व्यक्ति आय 2,886 रुपये प्रति माह है, जो प्रतिदिन 100 रुपये से भी कम है। इसलिए ज्यादातर भारतीयों के पास बुनियादी जरूरतों के अलावा विवेकाधीन उपभोग के लिए बहुत कम पैसा है। उन्होंने दावा किया, लगभग हर सबूत इसी निष्कर्ष की ओर इशारा करते हैं कि औसत भारतीय आज 10 साल पहले की तुलना में कम खरीद सकता है। यह भारत की खपत में मंदी का मूल कारण है।

श्रम ब्यूरो के वेतन दर सूचकांक के आंकड़ों का हवाला देते हुए, रमेश ने कहा कि 2014 से 2023 के बीच मजदूरों की वास्तविक मजदूरी स्थिर रही और वास्तव में 2019 से 2024 के बीच इसमें गिरावट आई। उन्होंने कृषि मंत्रालय के कृषि सांख्यिकी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल में कृषि मजदूरों की वास्तविक मजदूरी हर साल 6.8 प्रतिशत बढ़ी।

रमेश ने कहा, मोदी के कार्यकाल में कृषि मजदूरों की वास्तविक मजदूरी हर साल -1.3 प्रतिशत घटी। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण श्रृंखला के आंकड़ों का हवाला देते हुए, रमेश ने कहा कि समय के साथ औसत वास्तविक आय 2017 से 2022 के बीच स्थिर रही है। उन्होंने सेंटर फॉर लेबर रिसर्च एंड एक्शन के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि ईंट भट्ठों में काम करने वाले श्रमिकों की वास्तविक मजदूरी 2014 से 2022 के बीच स्थिर रही या कम हो गई। उन्होंने दावा किया कि खपत में यह मंदी हमारी मध्यम अवधि और दीर्घकालिक आर्थिक क्षमता को नष्ट कर रही है। रमेश ने दलील दी कि खपत में पर्याप्त वृद्धि के बिना भारत का निजी क्षेत्र नए उत्पादन में निवेश करने के लिए इच्छुक नहीं होगा।

छात्रों का आरोप कहा– दाढ़ी होने पर क्लास में नहीं बैठने देते

बेंगलुरु। जम्मू–कश्मीर स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर कहा है कि कर्नाटक के एक कॉलेज में पढ़ने वाले जम्मू–कश्मीर के छात्रों की जबरन दाढ़ी कटवाई जा रही है। कॉलेज प्रशासन ने सख्ती से कहा है कि या तो उन्हें दाढ़ी ट्रिप करनी होगी या फिर क्लीन शेव करनी होगी। पत्र में कहा गया कि इस तरह दाढ़ी कटवाने का दबाव बनाकर छात्रों के सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। इस पत्र में कहा गया, जानकारी के मुताबिक कॉलेज प्रशासन ने छात्रों को दाढ़ी कटवाने का आदेश दिया है। जिन स्टूडेंट्स की दाढ़ी हैं उनकी एब्सेंट लगा दी जाती है। ऐसे में उनकी शिक्षा प्रभावित हो रही है।

छात्रों के मुताबिक यहां करीब 24 कश्मीरी छात्र हैं और उनसे कहा गया है कि वह या तो नंबर 1 पर दाढ़ी को ट्रिम करवा लें, या फिर क्लीन शेव कर लें। उन्होंने कहा कि दाढ़ी रखने की वजह से क्लास में उनकी अनुपस्थिति दर्ज हो जाती है और इसलिए उनका अकैडमिक रिकॉर्ड भी खराब हो रहा है। हसन जिले के सरकारी नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने दावा किया है कि दाढ़ी कटवाए बिना क्लीनिकर एक्टिविटी में उन्हें अनुपस्थित कर दिया जाता है। कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि वे किसी खास ग्रुप को टारगेट नहीं कर रहे हैं। कॉलेज के क्लीनिकल इन्सपेक्टर विजय कुमार ने कहा कि निर्देश सभी छात्रों के लिए जारी किए गए हैं। इसमें यहां के स्थानीय छात्र भी शामिल हैं। क्लीनिकल ड्यूटी के लिए हाइजीन मेनटेन रखना जरूरी है और इसलिए ये नियम बनाए गए थे। कॉलेज के बयान में कहा गया था, कॉलेज से निर्देशों के बावजूद छात्र उनका पालन नहीं कर रहे हैं। इस बार सख्त चेतावनी दी जा रही है।

अजित पवार की भाजपा को दो टूक कहा- बंटेंगे तो कटेंगे का नारा यूपी, झारखंड में चलाइए महाराष्ट्र में नहीं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार भाजपा से खुश नहीं हैं। उन्हे मौका मिलता है तो खरी खरी सुनाने में देर नहीं करते है। हाल ही में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर उन्होंने साफ कहा के बंटेंगे तो कटेंगे उप्र और झारखंड में चलता होगा, यहां महाराष्ट्र में नहीं चल सकता है। बता दें कि अजित पवार भाजपा के सहयोग से बनी महाराष्ट्र सरकार में उपमुख्यमंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस बीच एनसीपी के मुखिया अजित पवार ने सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान पर कहा, मैं उसका समर्थन नहीं करता हूं। महाराष्ट्र में ये नहीं चलता है। ये यूपी या झारखंड या कहीं और चलता होगा, यहां नहीं चलता। अजित पवार ने बंटेंगे तो कटेंगे के जवाब में कहा, सबका साथ सबका विकास।बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बयान बंटेंगे तो कटेंगे न सिर्फ यूपी बल्कि महाराष्ट्र में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। कुछ नेता इसका समर्थन कर रहे हैं तो वहीं कुछ इसके खिलाफ हैं। एनसीपी चीफ अजित पवार लगातार इस बयान से किनारा करते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में बाहर के लोग आकर ऐसे विचार बोल जाते हैं, दूसरे राज्यों के बीजेपी सीएम तय करें कि उन्हें क्या बोलना है। अजित पवार ने कहा कि हम महायुति में एक साथ काम कर रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टियों की विचारधारा अलग-अलग है। हो सकता है कि दूसरे राज्यों में यह सब चलता हो, लेकिन महाराष्ट्र में ये काम नहीं करता। दूसरे राज्यों के बीजेपी मुख्यमंत्रियों को तय करना चाहिए कि क्या बोलना है। वहीं, शिवसेना (शिंदे गुट) नेता संजय निरूपम ने कहा है कि योगी आदित्यनाथ कह रहे हैं कि अगर आप बिखर जाते हैं, तो कमजोर हो जाते हैं। अगर आप एकजुट रहते हैं, तो मजबूत रहते हैं। उन्होंने कहा कि अजीत दादा आज नहीं समझ रहे हैं, आगे समझ जाएंगे। बंटेंगे तो कटेंगे ये लाइन बिल्कुल चलेगी। अजित दादा को समझना पड़ेगा. सीएम योगी कोई गलत बात नहीं कर रहे हैं, इसे समझने में कुछ लोगों को समय लग सकता है। पीएम मोदी ने जहां एक रहेंगे सेफ रहेंगे का नारा दिया है, तो वहीं योगी आदित्यनाथ लगातार बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो नेक रहेंगे का नारा दे रहे हैं। योगी आदित्यनाथ के नारे पर एनडीए के ही साथी अजित पवार सवाल उठा रहे हैं। इससे पहले अजित पवार ने कहा था कि महाराष्ट्र शिवाजी, आंबेडकर, शाहू जी महाराज की धरती है।

बढ़ते आतंकी हमलों के बीच सेनाप्रमुख ने लिया सैन्य तैयारियों का जायजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कठुआ में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) से लगे सुदूर सीमाई इलाकों का दौरा वहां बनी हुई सैन्य तैयारियों का व्यापक रूप से जायजा लिया। इस दौरान सेना की राइजिंग स्टार कोर के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें आतंकवाद से दो-दो हाथ करने के लिए पूरी मुस्तैदी से तैनात सेना की रणनीतिक तैयारियों के प्रत्येक पहलू से अवगत कराया। सेना के सार्वजनिक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। इसमें बताया कि कठुआ की यात्रा के दौरान सेनाप्रमुख ने इलाके में तैनात सेना के जवानों से मुलाकात की और व्यावसायिकता और समर्पण के साथ किए जा रहे कर्तव्य निर्वाह के लिए उनकी सराहना की। यहां बता दें कि बीते दिनों किश्तवाड़ में हुई दो डिफेंस विलेज गार्ड की हत्या व कुछ अन्य आतंकी हमलों के बीच किया गया सेनाप्रमुख का इलाका का यह महत्वपूर्ण दौरा किया है।

फ्रांस संग संपन्न हुई 20वीं स्टाफ वार्ता

एक अन्य पोस्ट में एडीजीपीआई ने बताया कि भारत और फ्रांस के बीच 20वीं सेना स्टाफ वार्ता संपन्न हुई। इसमें वार्षिक रक्षा सहयोग योजना पर रचनात्मक रूप से चर्चा की गई। प्रशिक्षण अभ्यास, सैन्य शिक्षा, विषय विशेषज्ञों का आदान-प्रदान और आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रों में जुड़ाव इस योजना का अहम भाग है। यह एक दो दिवसीय कार्यक्रम था। जिसका आयोजन 7 से 8 नवंबर के बीच राजधानी दिल्ली और आगरा में किया गया था। सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने उत्पादक आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए शत्रुजीत ब्रिगेड की प्रशिक्षण सुविधाओं की समीक्षा भी की।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने राहुल पर कसा तंज बोले– देश की तरक्की वाली रिपोर्ट भी कभी–कभी पढ़ लिया करें

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कभी कभार राहुल बाबा को देश की तरक्की वाली रिपोर्ट भी पढ़ लेना चाहिए।नोटबंदी की 8वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नोटबंदी से एमएसएमई और अनौपचारिक क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ, जिससे एकाधिकार को बढ़ावा मिला। राहुल गांधी के इन आरोपों का जवाब देते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम और गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक ब्रोकरेज फर्म, मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट का हवाला दिया। पुरी ने कहा कि राहुल गांधी अब भी उन धारणाओं पर आधारित विचार रख रहे हैं जो अधूरी जानकारी पर आधारित हैं, जबकि असल में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती की ओर बढ़ रही है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में स्टार्टअप्स से लेकर बड़ी कंपनियों तक सभी क्षेत्रों में सकारात्मक विकास हो रहा है। रिपोर्ट बताती है कि भारत ने 2014 के बाद से आर्थिक दृष्टि से बड़ी प्रगति की है। वर्तमान में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। 2014 में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, और अब इसकी वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024 में 8.2 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो 2014 में 6.4 प्रतिशत थी। इसके साथ ही भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दोगुना से अधिक हो चुका है, जो 2014 में 304 बिलियन डॉलर था और अब यह 685 बिलियन डॉलर के पार है। भारतीय शेयर बाजार में भी खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है, और डीमैट खातों की संख्या 2014 के 2.2 करोड़ से बढ़कर अब 18 करोड़ हो गई है। इस बढ़ती भागीदारी ने शेयर बाजार को मजबूती दी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशंनस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**